THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 291 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.13 2079 बुधवार, 4 जनवरी 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

हनीट्रैप गिरोह के दो शातिर अरेस्ट, ऑर्डनेंस फैक्ट्री के अफसर को फंसाकर वसूले थे 29 लाख

कानपुर : कानपुर में सोमवार को पुलिस ने हनीट्रैप गिरोह दो आरोपियों को अरेस्ट किया है। इन्होंने ऑर्डनेंस फैक्ट्री के अफसर को फंसाकर उससे 29 लाख रुपये हड़प लिए थे। इनका ये पेशा ही था कि लड़कियों के जरिए फंसाकर चार से पांच अश्लील वीडियो बना लेते थे। ऐसे ही इन्होंने अफसर के साथ किया था। बदले में कहा कि अगर रुपये नहीं दिए तो वीडियो वायरल कर देंगे। इसके लिए एक साल से इनको ब्लैकमेल कर रुपये ऐंठ रहे थे। अफसर ने एफआईआर कराई थी। एक साल दोनों आरोपी पकड़ में आए।

टेक्नोलॉजी से बड़ा बदलाव संभव : मोदी

*** पीएम मोदी ने 108वें इंडियन साइंस कांग्रेस का उद्घाटन किया * साइंस में महिलाओं की भागीदारी दोगुनी हुई**

नागपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को 108वें इंडियन साइंस कांग्रेस का वर्चुअली उद्घाटन किया। इवेंट का फोकस महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर रहा। पीएम मोदी ने कहा कि अगले 25 सालों में भारत जिस ऊंचाई पर होगा, उसमें भारत की वैज्ञानिक शक्ति की भूमिका बहुत अहम होगी।

पीएम मोदी आगे बोले, टेक्नोलॉजी से बड़ा बदलाव संभव है। 2015 तक हम 130 देशों के ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में 81वें स्थान पर थे, लेकिन 2022 में हम 40वें स्थान पर पहुंच गए हैं। स्टार्टअप में भारत टॉप-3 पर है। महिलाएं भी आगे आकर इसमें हिस्सा ले रही हैं। हर क्षेत्र की तरह साइंस में भी महिलाओं की भागीदारी दोगुनी हुई है।

कार्यक्रम का सब्जेक्ट : साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट विद वुमन एंपावरमेंट रखा गया। इसका आयोजन तुकोजी महाराज नागपुर यूनिवर्सिटी में हुआ। तुकोजी महाराज नागपुर यूनिवर्सिटी इस साल शताब्दी समारोह मना रही है। इस दौरान महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस, राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और कई केंद्रीय मंत्री भी मौजूद रहे।

पीएम मोदी बोले, देश ने 8 सालों में असाधारण काम किए :

पीएम मोदी ने कहा कि बीते 8 सालों में गवर्नेंस से लेकर इकोनॉमी तक कई ऐसे असाधारण काम किए हैं, जिनकी आज चर्चा हो रही है। 8 सालों में एक्सट्रा मोरल रिसर्च एंड डेवलपमेंट में महिलाओं की भागीदारी दोगुनी हुई है। महिलाओं की ये बढ़ती भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि समाज भी आगे बढ़ रहा है और साइंस भी आगे बढ़ रही है।

लैब से निकलकर जमीन तक पहुंचने की कोशिश :

प्रधानमंत्री ने आगे ने कहा कि साइंस की कोशिश बड़ी उपलब्धियों में तभी बदल सकते हैं, जब वो लैब से निकलकर लैंड तक पहुंचे। जब उसका इफेक्ट ग्लोबल से लेकर ग्रासरूट तक हो। जब उसका विस्तार जर्नल्स से लेकर जमीन तक हो। जब उससे बदलाव रिसर्च से होते हुए रियल लाइफ में दिखने लगे। पीएम ने कहा कि देश की साइंस भारत को आत्मनिर्भर बनाने वाली होनी चाहिए।

महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर चर्चा :

मंगलवार को हुए इस इवेंट में भाग लेने वाले मेंबर एजुकेशन, रिसर्च और इंडस्ट्री में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर चर्चा हुई। साइंस कांग्रेस में शामिल होने वाले सदस्य साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के तरीकों के साथ ही एजुकेशन में उनके समान स्तर, रिसर्च के मौके और इकोनॉमिक पार्टनरशिप को बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा हुई।

2 साल बाद हुआ आयोजन

यह कार्यक्रम दो साल बाद आयोजित किया गया। इससे पहले 2020 में बेंगलुरू में यह इवेंट किया गया था। कोविड-19 की वजह से इसे दो साल के लिए इसे टाल दिया गया था। ये पहला मौका है, जब पीएम मोदी व्यक्तिगत रूप से अलग-अलग क्षेत्रों के टॉप साइंटिस्टों के समागम में हिस्सा नहीं लिया। बता दें कि इंडियन साइंस कांग्रेस पहला सेशन 1914 में किया गया था। तब से यह हर साल आयोजित किया जाता है।

तेलंगाना हाई कोर्ट का कांग्रेस रणनीतिकार कानूगोलू को झटका

8 जनवरी तक क्राइम ब्रांच के सामने पेश होने का निर्देश

हैदराबाद, 3 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी के चुनाव रणनीतिकार सुनील कानूगोलू को तेलंगाना हाई कोर्ट ने झटका दिया है। हाई कोर्ट ने मंगलवार को उन्हें मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ अपमानजनक सोशल मीडिया पोस्ट के संबंध में हैदराबाद पुलिस के सामने पेश होने का निर्देश दिया। हाईकोर्ट ने साइबर क्राइम पुलिस द्वारा पूछताछ के लिए जारी किए गए समन को चुनौती देने वाली सुनील की याचिका को खारिज कर दिया, लेकिन पुलिस को उसे गिरफ्तार नहीं करने का निर्देश दिया।

साइबर क्राइम पुलिस ने उन्हें धारा 41 (ए) आपराधिक प्रक्रिया संहिता के तहत नोटिस जारी किया, जिसमें उन्हें 30 दिसंबर को अपने स्पष्टीकरण के साथ पेश होने का निर्देश दिया था। हालांकि, सुनील कानूगोलू (जिन्हें तेलंगाना कांग्रेस ने राज्य में 2023 के विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार रणनीति तैयार करने के लिए नियुक्त किया था) ने उच्च न्यायालय में नोटिस को चुनौती दी।

30 दिसंबर को नहीं हुए पेश :

रणनीतिकार ने समन के निष्पादन पर रोक लगाने के लिए उच्च न्यायालय से अपील की थी। चूंकि वह 30 दिसंबर को पुलिस के सामने पेश नहीं हुए, इसलिए पुलिस ने एक नया नोटिस जारी कर उन्हें 8 जनवरी को पूछताछ के लिए तलब किया। नोटिस के अनुसार, एक आर. सम्राट की शिकायत पर 24 नवंबर को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 469 और 505 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

वार रूम में पड़ा था छापा :

पुलिस द्वारा माधापुर में कांग्रेस पार्टी के वार रूम पर छापा मारने और तीन लोगों को हिरासत में लेने के दो सप्ताह बाद पहला नोटिस जारी किया गया था। छापे के दौरान लैपटॉप, सीपीयू और मोबाइल फोन जब्त किया गया। पुलिस ने कहा कि आरोपी तेलंगाना गैलम और अपन्ना हस्तम के नाम से सोशल मीडिया पर अपमानजनक पोस्ट कर रहे थे। पुलिस ने 13 दिसंबर को कानूगोलू के कार्यालय, माइंडशेयर यूनाइटेड फाउंडेशन पर छापा मारा था और कानूगोलू के लिए काम करने वाले मेंडा श्री प्रताप, शशांक और त्रिशांक शर्मा को हिरासत में लिया था। पुलिस ने बयान दर्ज करने के बाद तीनों को छोड़ दिया। एक पुलिस अधिकारी ने अगले दिन कहा था कि सुनील को मुख्य अभियुक्त के रूप में शामिल किया जाएगा। पुलिस कार्रवाई ने विपक्षी दल की कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिसने लोकतंत्र पर हमला करार दिया। पार्टी ने छापेमारी के खिलाफ राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया था।

पश्चिम बंगाल के मालदा में वंदे भारत ट्रेन पर पथराव भाजपा ने की एनआईए जांच की मांग

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के मालदा में सोमवार रात वंदे भारत ट्रेन पर पथराव किया गया है। घटना कुमारगंज रेलवे स्टेशन के पास की है। जानकारी के मुताबिक ट्रेन रविवार को न्यू जलपाईगुड़ी से खुली थी। हावड़ा आने के दौरान मालदा स्टेशन के पास किसी ने ट्रेन पर पत्थरबाजी कर दी। पथराव के चलते कोच सी-13 का गेट और विंडो क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं, पश्चिम बंगाल में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने घटना को लेकर पीएमओ और रेल मंत्रालय से एनआईए जांच की मांग की है। भाजपा नेता ने पूछा कि क्या ये जय श्रीराम नारे लगाने का नतीजा है।

रूस-यूक्रेन जंग से भारत ने खुलकर अपने हितों को आगे रखा

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक इंटरव्यू में कहा था, वो दौर गुजर चुका है जब दुनिया हमारे बारे में बताती थी और हम उससे इजाजत लेते थे। भारत हमेशा ही एक ऐसी दुनिया के पक्ष में रहा है, जहां देश अपनी पॉलिसी, इंटरेस्ट और प्रायोरिटीज चुन सकें। रूस-यूक्रेन जंग को लेकर भारत का नजरिया भी कुछ ऐसा ही है। 24 फरवरी को शुरू हुई इस जंग पर भारत का स्टैंड हमेशा न्यूट्रल रहा। भारत ने यूनाइटेड नेशन्स (यूएन) में भी रूसी हमले के खिलाफ बोलने के अमेरिकी और यूरोपीय दबाव को खारिज किया।

इतना ही नहीं, इसके बाद रूस को अपना सबसे बड़ा ऑयल सप्लायर बनाया। दरअसल, यह पश्चिम को एक तरह से आईना दिखाना था। भारत ने अपने ऊपर उठने वाले हर सवाल का जवाब बुलंद अंदाज में दिया। हालांकि, जयशंकर का कहना कि वो एक रूल-बेस्ड वर्ल्ड देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा था, मैं अभी एक नियम-आधारित दुनिया देखना चाहता हूं। लेकिन जब लोग नियम-आधारित दुनिया के नाम पर आपको दबाने, आपके हितों से समझौता करने पर मजबूर कर देते हैं तब मुकाबला करना जरूरी हो जाता है। दूसरे शब्दों में समझें तो 140 करोड़ जनसंख्या वाले भारत को बहुत ऑयल की जरूरत है, ये जरूरत रूस से पूरी हो रही है। रूस सस्ते दाम में ऑयल सप्लाई कर रहा है।

भारत की इस जरूरत के साथ समझौता नहीं किया जा सकता। इसलिए भारत समय-समय पर भारत-रूस संबंधों पर सवाल उठाने वाले पश्चिमी और यूरोपीय देशों को फटकार लगा देता है। >14

एक्सीडेंट की पीड़िता से रेप नहीं

शरीर में कई जगह घाव, सिर पर गंभीर चोट सहेली का बयान कार सवारों की गलती थी

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के कंझावला हिट एंड रन केस में लड़की के सिर-रीढ़ और निचले हिस्से पर गंभीर चोटें लगने से मौत की बात सामने आई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में रेप न होने की भी पुष्टि हुई है। उधर, मृतका की सहेली ने पुलिस को दिए बयान में हादसे की वजह कार सवारों की गलती को बताया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक मृतका की दोस्त ने बताया कि जब गाड़ी की टक्कर हुई तो वो डर गई जिसकी वजह से किसी को कुछ नहीं बताया। हादसे में गलती कार सवारों की थी। जब टक्कर हुई तो मेरी दोस्त कार वाली साइड गिरी और मैं दूसरी तरफ। मैं घबरा गई थी, इसलिए वहां से निकलकर सीधे घर पहुंची। हम दोनों एक साथ होटल में मौजूद थे। वहीं, आरोपियों ने पुलिस को बयान दिया है कि स्कूटी सड़क पर लहरा रही थी जिसकी वजह से टक्कर हुई। फिलहाल, पुलिस दोनों तरफ के बयानों की जांच कर रही है। मृतका का एक साल पहले भी एक एक्सीडेंट हुआ था।

पोस्टमॉर्टम में सिर और रीढ़ पर गंभीर चोटें मिलीं :

दिल्ली के स्पेशल कमिश्नर (लॉ एंड ऑर्डर) एसपी हुड्डा ने बताया कि पोस्टमॉर्टम में लड़की के सिर, रीढ़ और बाएं फीमर पर चोटें और अधिक खून बह जाने से मौत होना बताया गया है। रेप की पुष्टि नहीं हुई है। इससे पहले पुलिस ने खुलासा किया था कि स्कूटी पर पीड़िता के साथ उसकी सहेली भी थी। टक्कर के बाद मृतका कार में फंस गई और उसे 12 किमी तक घसीटा गया। पहले 4 किमी घसीटने की बात सामने आई थी। स्कूटी पर जो दूसरी लड़की थी, वह हादसे के बाद मौके से भाग गई। उसे भी मामूली चोटें आई हैं। इधर, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मामृतका के परिजनों को 10 लाख रुपये मुआवजा दिए जाने और केस लड़ने के लिए सबसे अच्छा वकील नियुक्त किए जाने की बात कही है। >14

सुप्रीम कोर्ट का बोलने की आजादी पर ज्यादा पाबंदी से इनकार

कहा, किसी मंत्री के बयान पर सरकार नहीं-खुद मंत्री ही जिम्मेदार

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंत्रियों, सांसदों और विधायकों की बोलने की आजादी पर ज्यादा पाबंदी लगाने से इनकार कर दिया है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में पांच जजों की बेंच ने कहा कि इसके लिए पहले ही संविधान के आर्टिकल 19(2) में जरूरी प्रावधान मौजूद हैं। कोर्ट ने कहा कि किसी भी आपत्तिजनक बयान के लिए उसे जारी करने वाले मंत्री को ही जिम्मेदार माना जाना चाहिए। इसके लिए सरकार जिम्मेदार नहीं होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल एक याचिका में सार्वजनिक पदों पर बैठे लोगों के लिए बोलने की आजादी पर गाइडलाइन बनाने की मांग की गई थी। दरअसल, नेताओं के लिए बयानबाजी की सीमा तय करने का मामला 2016 में बुलंदशहर गैंग रेप केस में उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री रहे आजम खान की बयानबाजी से शुरू हुआ था। आजम ने जुलाई, 2016 के बुलंदशहर गैंग रेप को राजनीतिक साजिश कह दिया था। इसके बाद ही यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था।

कोर्ट ने कहा, अपने बयान के लिए मंत्री ही जिम्मेदार

पांच जजों की संविधान पीठ की अगुआई

जस्टिस एसए नजीर ने की। वहीं, इसमें जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस एएस बोपन्ना, जस्टिस वी रामसुब्रमण्यम और जस्टिस बीवी नागरत्ना भी शामिल रहीं। पांच जजों की पीठ ने कहा कि किसी मंत्री के बयान पर सरकार को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। इसके लिए मंत्री ही जिम्मेदार है। हालांकि, जस्टिस नागरत्ना की राय संविधान पीठ से अलग रही।

जस्टिस नागरत्ना की राय चार जजों से अलग

जस्टिस नागरत्ना ने कहा, अनुच्छेद 19(2) के अलावा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर ज्यादा प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता। हालांकि, कोई व्यक्ति बतौर मंत्री अपमानजनक बयान देता है, तो ऐसे बयानों के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। लेकिन, अगर मंत्रियों के बयान छिटपुट हैं (जो सरकार के रुख के अनुरूप नहीं हैं) तो इसे व्यक्तिगत टिप्पणी माना जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने 15 नवंबर को फैसला सुरक्षित रखा था :

सुप्रीम कोर्ट ने 15 नवंबर को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रखा था। इस दौरान अदालत ने कहा था कि सार्वजनिक पदों पर बैठे लोगों को ऐसी बातें नहीं करनी चाहिए, जो देशवासियों के लिए अपमानजनक हों। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था कि यह व्यवहार हमारी संवैधानिक संस्कृति का हिस्सा है और इसके लिए सार्वजनिक पद पर बैठे लोगों के लिहाज से आचार संहिता बनाना जरूरी नहीं है।

बुलंदशहर गैंगरेप केस से शुरू हुआ मामला

29 जुलाई, 2016 में बुलंदशहर में गैंग रेप का मामला सामने आया था। इस पर उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री रहे आजम खान ने बेतुकी बयानबाजी की थी, जिसके बाद सार्वजनिक पदों पर बैठे लोगों के लिए बोलने की आजादी पर गाइडलाइन बनाने की मांग की गई थी।

पटना में विमान से टकराया पक्षी

पटना : पटना एयरपोर्ट पर एक बार फिर से बड़ा हादसा होने से टल गया। फ्लाइट की लैंडिंग के दौरान एक पक्षी फ्लाइट की राइट विंग से टकरा गया। फ्लाइट में करीब 150 से अधिक पैसेंजर सवार थे। जैसे ही यह सूचना एयरपोर्ट के अधिकारियों को लगी एयरपोर्ट पर हड़कंप मच गया। फ्लाइट को पायलट से सुरक्षित लैंडिंग करा ली। हादसा मंगलवार की सुबह 11:30 से दोपहर 12 बजे के बीच का है। दरअसल, गो एयर की फ्लाइट जी8-144 दिल्ली से पटना आ रही थी। पटना एयरपोर्ट पर गो एयर की यह फ्लाइट लैंड करने वाली ही थी कि उसी दौरान ये हादसा हुआ।

गायत्री रघुराम का भाजपा से इस्तीफा

नई दिल्ली : तमिलनाडु की अभिनेता-राजनेता गायत्री रघुराम ने मंगलवार को घोषणा की कि वह भाजपा से इस्तीफा दे रही हैं। उन्होंने दावा किया कि तमिलनाडु इकाई में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं क्योंकि किसी को भी सच्चे कार्यकर्ताओं की परवाह नहीं है। गायत्री को पिछले साल नवंबर में भाजपा से निलंबित कर दिया गया था। उन्होंने पार्टी छोड़ने के अपने फैसले के लिए राज्य भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई को जिम्मेदार ठहराया।

आंध्र प्रदेश सरकार ने सड़कों पर रैली पर लगाई रोक

गुंटूर : आंध्र प्रदेश सरकार ने नेशनल हाइवे समेत सड़कों पर होने वाली जनसभाओं और रैलियां पर रोक लगा दी है। लोगों की सुरक्षा को देखते हुए यह आदेश दिया गया है। गुंटूर जिले में टीडीपी नेता एन चंद्रबाबू नायुडू की एक जनसभा के दौरान रविवार को तीन लोगों की मौत हो गई। गुंटूर के एसपी आरिफ हफीज ने बताया था कि हादसे में कई लोग घायल हुए। 28 दिसंबर को भी नेल्लोर में चंद्रबाबू नायुडू की एक जनसभा के दौरान मची भगदड़ में 8 लोगों की मौत हो गई थी।

जैन तीर्थ को बचाने के लिए मुनि ने प्राण त्यागे

सम्मेद शिखर को टूरिस्ट प्लेस बनाने के खिलाफ थे, 10 दिन से जारी था आमरण अनशन, जैन मुनि समर्थ सागर ने भी अन्न त्यागा

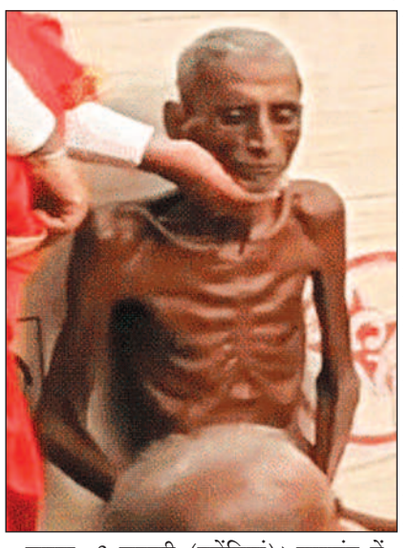

जयपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में जैन तीर्थ सम्मेद शिखर को टूरिस्ट प्लेस बनाए जाने का विरोध कर रहे जैन मुनि सुज्ञेयसागर महाराज ने मंगलवार को प्राण त्याग दिए। वे झारखंड सरकार के फैसले के खिलाफ पिछले 10 दिन से आमरण अनशन कर रहे थे। सुज्ञेयासागर 72 साल के थे। झारखंड सरकार के फैसले के बाद सुज्ञेयसागर सांगानेर में 25 दिसंबर से अनशन कर रहे थे।

मंगलवार सुबह उनकी डोल यात्रा सांगानेर संघीजी मंदिर से निकाली गई। इस दौरान आचार्य सुनील सागर सहित बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग मौजूद रहे। जैन मुनि को जयपुर के सांगानेर में समाधि दी गई। झारखंड सरकार ने गिरिडीह जिले में स्थित पारसनाथ पहाड़ी को टूरिस्ट प्लेस घोषित किया है। इसके खिलाफ देशभर में जैन समाज के लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। पारसनाथ पहाड़ी दुनिया भर के जैन धर्म के लोगों में सर्वोच्च तीर्थ सम्मेद शिखर के तौर पर प्रसिद्ध है।

एक और जैन मुनि समर्थ सागर ने भी अन्न त्यागा

अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम के अध्यक्ष भागचन्द्र जैन ने बताया कि मुनीश्री ने सम्मेद शिखर को बचाने के लिए बलिदान दिया है। वे उससे जुड़े हुए थे। जैन मुनि सुनील सागर ने कहा कि सम्मेद शिखर हमारी शान है। आज 6 बजे मुनि सुज्ञेयसागर महाराज का निधन हो गया। जब उन्हें मालूम पड़ा था कि सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल घोषित किया गया है, तो वे इसके विरोध में लगातार उपवास पर थे। राजस्थान की इस भूमि पर धर्म के लिए अपना समर्पण किया है। अब मुनि समर्थ सागर ने भी अन्न का त्याग कर तीर्थ को बचाने के लिए पहल की है। मुनि सुज्ञेयसागर का जन्म जोधपुर के बिलाड़ा में हुआ था, लेकिन उनका कर्मक्षेत्र मुंबई का अंधेरी रहा। उन्होंने आचार्य सुनील सागर महाराज से गिरनार में दीक्षा ली थी। बांसवाड़ा में मुनि दीक्षा और सम्मेद शिखर में क्षुल्लक दीक्षा ली थी। मुनि ने शुरू से उपवास व्रत की पालना की और अंत में तीर्थ को बचाने के लिए उपवास रखा। संत का घर का नाम नेमिराज था।

उग्र आंदोलन की चेतावनी :

इस बीच जयपुर में जैन मुनि आचार्य शंशाक ने कहा कि सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल घोषित करने को लेकर जैन समाज अभी अहिंसक तरीके से अभी आंदोलन कर रहा है, आगामी दिनों में आंदोलन को उग्र भी किया जाएगा।

सम्मेद शिखर का यह है महत्व

झारखंड का हिमालय माने जाने वाले इस स्थान पर जैनियों का पवित्र तीर्थ शिखरजी स्थापित है। इस पुण्य क्षेत्र में जैन धर्म के 24 में से 20 तीर्थंकरों ने मोक्ष की प्राप्ति की। यहां पर 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ ने भी निर्वाण प्राप्त किया था। पवित्र पर्वत के शिखर तक श्रद्धालु पैदल या डोली से जाते हैं। >14

कर्नाटक के प्रसिद्ध संत सिद्धेश्वर स्वामीजी का निधन, पीएम ने जताया शोक

बेंगलुरू : कर्नाटक के प्रसिद्ध संत सिद्धेश्वर स्वामीजी का निधन हो गया। उन्होंने 81 साल की उम्र में विजयापुर में स्थित ज्ञानयोगाश्रम में अंतिम सांस ली। वे पिछले कुछ दिन से बीमार चल रहे थे। राज्य सरकार ने सिद्धेश्वर स्वामीजी के अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान किए जाने की घोषणा की।

साथ ही मंगलवार को विजयपुरा के सभी स्कूलों-कॉलेजों में छुट्टी घोषित की गई है। वहीं, पीएम मोदी ने संत सिद्धेश्वर स्वामीजी के निधन पर शोक जताया है। स्वामीजी तब चर्चा में आए थे, जब उन्होंने पांच साल पहले पद्मश्री अवॉर्ड ठुकरा दिया था।

सिनेमा हॉल में महंगे फूड पर रोक नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, थिएटर मालिक के पास अपने नियम और शर्तें तय करने का अधिकार

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। सिनेमा हॉल मालिक हॉल के अंदर खाने-पीने की चीजों की बिक्री के नियम तय करने के लिए पूरी तरह हकदार हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए मंगलवार को यह बात कही। सीजेआई ने कहा, सिनेमा देखने वालों के पास इन आइटम को न खरीदने का विकल्प है। कोर्ट ने ये भी दोहराया कि सिनेमाघरों को बिना किसी शुल्क के पेयजल उपलब्ध कराना जारी रखना होगा।

जम्मू और कश्मीर हाईकोर्ट का फैसला रद्द :

सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू और कश्मीर हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें मल्टीप्लेक्स और मूवी थिएटरों में लोगों को खुद का खाने-पीने का सामान ले जाने की अनुमति दी गई थी। कोर्ट थिएटर मालिकों और मल्टीप्लेक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से हाईकोर्ट के 2018 के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका के एक बैच पर सुनवाई कर रहा था।

सिनेमा हॉल प्राइवेट प्रॉपर्टी :

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच ने याचिका पर सुनवाई की। बेंच ने कहा कि सिनेमा हॉल प्राइवेट प्रॉपर्टी है और वह इस तरह के नियम-शर्तें लागू कर सकता है। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई दर्शक सिनेमा हॉल में प्रवेश करता है, तो उसे सिनेमा हॉल के मालिक के नियमों का पालन करना होगा। मल्टीप्लेक्स में खाना बेचना कॉमर्शियल मामला है।

पॉपकॉर्न की कीमत करीब 340-490 रुपए :

गुरुग्राम में एंबियंस मॉल और सिटी सेंटर मॉल में, पीवीआर पर पॉपकॉर्न की कीमत स्वाद और टेस्ट के आधार पर लगभग 340-490 रुपए है, जबकि पेप्सी की कीमत लगभग 330-390 है। वहीं बेंगलुरू के फीनिक्स मार्केटसिटी मॉल में पीवीआर में पॉपकॉर्न की कीमत करीब 180-330 रुपए है।

ऑपरेशनल कॉस्ट को कवर करने के लिए महंगा फूड :

पीवीआर के चेयरमैन और एमडी अजय बिजली के मुताबिक हॉल में फूड और बेवरेज बिजनेस अब 1500 करोड़ रुपये का हो चुका है।

भारत अब सिंगल स्क्रीन से मल्टीप्लेक्स की ओर बढ़ रहा है। यह बदलाव का दौर है। इन मल्टीप्लेक्स को चलाने में काफी ज्यादा लागत आती है। ऑपरेशनल कॉस्ट को कवर करने के लिए मल्टीप्लेक्स में स्नैक्स को ज्यादा कीमतों पर बेचा जाता है।

औरंगजेब जुल्मी होता तो मंदिर तोड़ता

एनसीपी नेताओं के बयान पर भड़की बीजेपी, उद्धव से पूछा- क्या आप भी यही मानते हैं?

मुंबई, 3 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में एतिहासिक शख्सियतों को लेकर एक बार फिर से राजनीति गरमा गई है। इस बार निशाने पर एनसीपी के नेता अजित पवार और जितेंद्र आह्वाड हैं। एनसीपी नेता जितेंद्र आह्वाड ने अजित पवार के बयान का बचाव करते हुए कहा था कि मुगल बादशाह औरंगजेब हिंदू विरोधी नहीं था। उन्होंने कहा कि औरंजेब एक क्रूर शासक था, जिसने सिंहासन पर चढ़ने के लिए अपने भाई और पिता की हत्या कर दी थी।

उन्होंने कहा कि औरंगजेब जुल्मी शासक होता, तो मंदिर तोड़ देता। आह्वाड ने कहा, छत्रपति संभाजी सरदेसाई वाडा संगमेश्वर में थे। औरंगजेब को यह जानकारी किसने दी? यहीं पर असली इतिहास निहित है। संभाजी महाराज को बहादुरगढ़ लाया गया, जहां उनकी आंखें निकाल दी गईं। बहादुरगढ़ किले के करीब एक विष्णु मंदिर था। अगर औरंगजेब हिंदू द्वेषी होता, तो वह विष्णु मंदिर को भी तोड़ देता। फिर उस जगह से संभाजी को तुलापुर ले गए, आगे क्या हुआ इतिहास सबको मालूम है। उन्होंने कहा, मेरा विचार है कि इतिहास में वापस जाने का कोई कारण नहीं है, क्योंकि इससे नए विवाद बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि मराठा राजा ने अपने जीवन में कभी भी धर्म या धर्म का समर्थन नहीं किया।

राम कदम ने कहा आदित्यजी, आप भी खामोश?

एनसीपी नेताओं के इस बयान पर बीजेपी नेता राम कदम ने प्रहार किया। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, छत्रपति शिवाजी महाराज जी को कैद करने वाला, 46 लाख हिंदुओं का हत्यारा, काशी, मथुरा, सोमनाथ समेत देश में लाखों हिंदू मंदिरों को ध्वस्त करनेवाला, पिता को भी कैद में डालनेवाला, खुद के भाई की निर्ममता से क्रूर हत्या करनेवाला, हिंदुओ पर जज़िया कर लगाने वाला, गुरु तेग बहादुर और छत्रपति संभाजीराजे जी की अमानवीय, निर्ममता और क्रूरता से सिर कलम कर के हत्या करनेवाला औरंगजेब, राष्ट्रवादी दल के नेताओं का मानना है कि वो क्रूर नहीं, बल्कि महान योद्धा है? उद्धव जी, क्या आपको यह स्वीकार है? आदित्यजी, आप भी खामोश? इन्हीं कारणों से शेष बचे हुए बालासाहेब के कार्यकर्ता यह कभी भी स्वीकार नहीं करेंगे, जल्द ही वे एकनाथ शिंदे जी हाथ थामेंगे।

'छत्रपति संभाजी स्वराज्य रक्षक हैं, वो धर्मवीर नहीं'

दरअसल, पिछले शुक्रवार को राज्य विधानसभा में छत्रपति संभाजी पर विपक्ष के नेता अजित पवार की टिप्पणी की थी। नागपुर सत्र के दौरान अजित पवार ने कहा था कि छत्रपति संभाजी स्वराज्य रक्षक हैं, वो धर्मवीर नहीं। अजित की इस टिप्पणी पर बीजेपी ने दावा किया है कि एनसीपी नेता की टिप्पणी संभाजी महाराज का अपमान है।

इन बयानों को लेकर विपक्ष बैकफुट पर आ गया है

पहले राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, उसके बाद मंत्री मंगल लोढा और दूसरे नेताओं के शिवाजी महाराज के बारे में दिए बयानों को लेकर विपक्ष बीजेपी के खिलाफ आंदोलन और हमला बोल रहा था। अब एनसीपी नेताओ के बयानों से विपक्ष बैकफुट पर आ गया है। संभाजी महाराज के बारे में टिप्पणी को लेकर बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने महाराष्ट्र के नेता अजित पवार के खिलाफ नासिक में विरोध प्रदर्शन किया था। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने पवार के खिलाफ नारेबाजी की और उनका पुतला फूंका।

तकनीकी खराबी के बाद दिल्ली वापस लौटी इंडिगो की फ्लाइट

थाईलैंड के फुकेत के लिए भरी थी उड़ान

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली से थाईलैंड के फुकेत के लिए उड़ान भरने के तुरंत बाद इंडिगो का एक विमान करीब 50 मिनट के भीतर ही दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वापस लौट आया। एएनआई के मुताबिक इंडिगो 6ई-1763 विमान थाईलैंड के फुकेत के लिए निर्धारित था और पायलट ने सुबह 6:41 बजे उड़ान भरी थी। लेकिन कुछ ही देर बाद तकनीकी खराबी की सूचना के बाद यह दिल्ली हवाईअड्डे पर सुबह करीब 7:31 बजे लौट आया। सभी यात्री सुरक्षित और स्वस्थ हैं। हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि विमान में तकनीकी खराबी का पता चलने के बाद इंडिगो पायलट ने एहतियाती लैंडिंग के लिए कहा। एटीसी ने उतरने की अनुमति दी और पूरी आपातकालीन लैंडिंग की घोषणा की। कुछ देर बाग इंडिगो ने खुद इस घटना की पुष्टि कर दी।

वैकल्पिक विमान की व्यवस्था

सभी यात्रियों को विमान से उतार कर टर्मिनल भवन में स्थानांतरित कर दिया गया, जबकि अगले ऑपरेशन के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई। फुकेत की उड़ान के लिए यात्रियों को एक वैकल्पिक विमान उपलब्ध कराया जा रहा है। इंडिगो ने एक बयान में कहा, यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है।

निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को राहत

सुप्रीम कोर्ट ने दी अंतरिम जमानत

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड की निलंबित महिला आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को मंगलवार(तीन जनवरी) को सुप्रीम कोर्ट से एक महीने के लिए अंतरिम जमानत मिल गई है। उन्हें यह जमानत मेडिकल ग्राउंड पर मिली है। सिंघल को गिरफ्तारी के सात माह 23 दिन बाद यह अंतरिम जमानत मिली है। बता दें कि 2000 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की अधिकारी पूजा सिंघल को 11 मई को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था। उनके ऊपर मनरेगा योजना में कथित अनियमितता करने का गंभीर आरोप है।

बीमार बेटी की देखभाल के लिए मिली जमानत

उच्चतम न्यायालय ने पूजा सिंघल को अपनी बीमार बेटी की देखभाल के लिए एक महीना के लिए अंतरिम जमानत दी है। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति अभय एस ओका की पीठ ने प्रवर्तन निदेशालय को सिंघल की मुख्य जमानत याचिका पर तीन सप्ताह में जवाब देने का भी निर्देश दिया। ईडी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने कहा कि याचिका गलत है और इसमें कोई दम नहीं है। कानून अधिकारी ने कहा कि मैं इस तरह की दलीलों का विरोध करने वाला आखिरी व्यक्ति होऊंगा।

रांची जाने पर फिलहाल रोक

शीर्ष अदालत, जिसने अब निलंबित आईएएस अधिकारी की याचिका को 6 फरवरी को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कुछ शर्तें भी लगाई हैं, जिसमें यह भी शामिल है कि जब तक शहर में सुनवाई के लिए अदालत का मामला सूचीबद्ध नहीं हो जाता, तब तक वह रांची नहीं जाएंगी।

11 मई से हिरासत हैं पूजा सिंघल

पूजा सिंघल 11 मई से उनसे जुड़ी संपत्तियों पर छापेमारी के बाद से हिरासत में हैं। ईडी ने राज्य के खान विभाग के पूर्व सचिव सिंघल पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया है और कहा है कि उनकी टीम ने दो अलग-अलग मनी लॉन्ड्रिंग जांचों के तहत कथित अवैध खनन से जुड़े 36 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी जब्त की है।

जेल में बंद कैदियों की अस्पताल में मौत, परिजनों ने की जांच की मांग

पुणे, 3 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे की यरवदा जेल में बंद तीन कैदियों की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने तीनों की मौत का कारण विभिन्न बीमारियों को बताया है, जिसके लिए तीनों का सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा था। हालांकि, इस मामले में परिजनों ने जेल प्रशासन के दावे को झूठा बताया है और जांच की मांग की है। परिजनों ने जेल के बाहर प्रदर्शन भी किया। जानकारी के मुताबिक, तीनों कैदी अंडरट्रायल थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, ससून जनरल अस्पताल में इलाज के दौरान 31 दिसंबर को तीनों की मौत हो गई थी।

दूसरी बार राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा रोकने की धमकी!

पंजाब की दीवारों पर खालिस्तानी नारे- एसएफजे ने ली जिम्मेदारी

चंडीगढ़, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब में एक बार फिर खालिस्तान के समर्थन में दीवारों पर नारे लिखे गए हैं. यह नारे इस बार श्री मुक्तसर साहिब में एसएसपी आफिस की दीवारों पर लिखे गए हैं. यह दूसरी बार है जब यहां इस तरह की हरकत की गई है. इससे पहले भी इन्हीं दिवारों पर इस तरह के नारे लिखे जाने का मामला सामने आया था. लगातार पंजाब का माहौल खराब करने की कोशिश की जा रही है. सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) की तरफ से वीडियो भी जारी की गई है. वीडियो में कहा गया है कि घर-घर में दहशत का सामान पहुंच चुका है. इतना ही नहीं इस वीडियो मे राहुल गांधी को भी धमकी दी गई है.

'पंजाब की सड़कों पर चलकर दिखाएं राहुल'

दरअसल, जनवरी के दूसरे हफ्ते में 11 जनवरी 2023 को पंजाब में राहुल गांधी की यात्रा शुरू होने जा रही है. दूसरी बार राहुल गांधी को धमकी दी गई है. राहुल को चेतावनी दी गई है कि वह पंजाब की सड़कों पर चलकर दिखाएं. जो बम सीएम भगवंत मान के घर के पास पार्क में मिला था वो हेलीपैड पर भी मिल सकता था.

महाराष्ट्र के पालघर में नाबालिग से दुष्कर्म

पुलिस ने एक युवक को किया गिरफ्तार

पालघर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र पुलिस ने पालघर जिले में एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार करने के आरोप में 24 वर्षीय आदिवासी युवक को गिरफ्तार किया है. वाडा थाने के एक अधिकारी ने बताया कि वारदात नेहलपाड़ा में रविवार शाम को हुई, जब 16 वर्षीय लड़की शौच करने घर से बाहर गई थी. पुलिस ने बताया कि आरोपी उसे जबरदस्ती पास के एक खेत में ले गया और वहां उसके साथ कथित तौर पर बलात्कार किया. पीड़िता ने सोमवार को मामले में शिकायत दर्ज कराई है. अधिकारी ने जानकारी दी कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ भारतीय दंड विधान की धारा 376 (बलात्कार) तथा यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है.

राजोरी हमले पर बोले खड़गे

सभ्य समाज में आतंक का कोई स्थान नहीं

जम्मू, 3 जनवरी (एजेंसियां)। कश्मीर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जम्मू-कश्मीर के राजोरी में एक के बाद एक हुए दो आतंकवादी हमलों पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सभ्य समाज में आतंकवाद का कोई स्थान नहीं है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, 'जम्मू कश्मीर के राजोरी में दो आतंकवादी हमलों से बेहद दुखी हूं। इसमें दो बच्चों सहित 6 अनमोल जीवन खो गए हैं और 15 लोग घायल हो गए हैं। हम प्रदेश में विशेष रूप से कश्मीरी पंडितों के खिलाफ हो रहे जघन्य आतंकी हमलों की निंदा करते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'आतंकवाद का एक सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं है। राष्ट्र इस मुद्दे पर एक साथ है। हम अपने सुरक्षा बलों के साथ खड़े हैं जो जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से साहसपूर्वक लड़ रहे हैं।' उन्होंने हमलों में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों और प्रियजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त कीं। रजौरी के ढांगरी गांव में सोमवार को हुए विस्फोट में समीक्षा शर्मा (16) और विहान कुमार शर्मा (4) की मौत हो गई थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि धमाका रविवार को हमले के शिकार प्रीतम लाल के घर के पास हुआ। दोनों हादसों में छह लोगों की मौत हो गई। इससे पहले रविवार शाम गांव के तीन घरों में आतंकवादियों द्वारा की गई गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई थी। 15 घंटे बाद, गांव में एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) फट गया, जिससे चचेरी बहन समीक्षा और विहान की मौत हो गई।

दो बस, दो लॉरी और दो कार आपस में टकराईं

एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

चेन्नई, 3 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले में मंगलवार सुबह भयानक हादसा हो गया। यहां त्रिची-चेन्नई राष्ट्रीय राजमार्ग पर छह वाहन आपस में टकरा गए, जिसमें एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया, हाईवे पर दो बस, दो लॉरी और दो कारें आपस में टकरा गईं, जिससे यह भीषण हादसा हो गया। अधिकारियों का कहना है कि मृतक एक ही परिवार के हैं। हालांकि, अभी तक उनकी पहचान नहीं हो पाई है। मृतक एक ही कार में सवार थे, जिन्हें वेप्पूर फायरमैन टीम द्वारा कार से बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उधर, पुलिस ने बताया, कार से बरामद आरसी से पता चला है कि यह परिवार चेन्नई के नंगनल्लूर का रहने वाला था। हालांकि, उनकी पहचान किया जाना बाकी है। कर्नाटक के अयप्पन मंदिर के 20 भक्तों को ले जा रही एक मिनी वैन के तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले के वेदसंदूर के पास दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए डिंडीगुल सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

धर्मांतरण के सभी मामले अवैध नहीं

मध्य प्रदेश सरकार की याचिका सुनेगी सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने धर्मांतरण कानून पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की याचिका पर सुनवाई की सहमति दे दी है। इसके साथ ही शीर्ष कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि धर्मांतरण के सभी मामलों को अवैध नहीं माना जा सकता। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने जिला कलेक्टर की इजाजत के बगैर अंतर धार्मिक विवाह करने वाले जोड़ों पर मुकदमा चलाने से राज्य सरकार को रोक दिया है। इसे राज्य सरकार ने शीर्ष कोर्ट में चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस सीटी रविकुमार की पीठने मामले में नोटिस जारी करते हुए आगे सुनवाई के लिए 7 फरवरी की तारीख तय की।

हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से किया इनकार

सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने मप्र हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने का आग्रह किया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कोई भी निर्देश जारी करने से इनकार कर दिया। मेहता ने कहा कि अवैध धर्मांतरण के लिए शादियां की जा रही हैं और इस पर हम आंखें बंद कर बैठ नहीं सकते। मप्र हाईकोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में राज्य सरकार को आदेश दिया है कि वह सहमति से अंतर धार्मिक शादी करने वाले वयस्कों पर मध्य प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता कानून (एमपीएफआरए) की धारा 10 के तहत मुकदमा न चलाए। मप्र हाईकोर्ट ने 14 नवंबर को कहा था उक्त कानून की धारा 10 असंवैधानिक है। इस धारा के तहत धर्मांतरण के इच्छुक नागरिकों को जिला कलेक्टरों की पूर्व मंजूरी लेना अनिवार्य है। मप्र धार्मिक स्वतंत्रता कानून के तहत झूठ बोलकर या झांसा देकर, प्रलोभन, धमकी, अनुचित प्रभाव, जबरदस्ती शादी करने या किसी अन्य धोखाधड़ी के माध्यम से धर्मांतरण को प्रतिबंधित किया गया है। इस कानून के प्रावधानों को चुनौती देने वाली सात याचिकाओं पर मप्र हाईकोर्ट ने उक्त अंतरिम आदेश दिया है। याचिकाकर्ताओं ने अधिनियम के तहत किसी के खिलाफ मुकदमा चलाने से मप्र सरकार को रोकने के लिए अंतरिम राहत का आग्रह किया था।

समलैंगिक विवाह हो सकता है या नहीं? सुप्रीम कोर्ट 6 जनवरी से करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। समलैंगिक विवाह को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिकाओं पर जल्द सुनवाई की मांग पर चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) ने चंद्रचूड़ ने कहा है कि हम 6 जनवरी से सुनवाई करेंगे. याचिकाकर्ता के वकील ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि यह एक ऐसा मामला है, जो समान लिंग और समलैंगिक विवाह से संबंधित है. इसी तरह के मामले दिल्ली और कलकत्ता हाईकोर्ट में लंबित हैं. इसलिए यहां ट्रांसफर याचिका दायर की गई है. आपको बता दें कि विशेष विवाह अधिनियम, हिंदू विवाह अधिनियम और विदेशी विवाह अधिनियम के तहत अपने विवाह को मान्यता देने की घोषणा की मांग करने वाले कई समलैंगिक जोड़ों की 8 याचिकाएं हाईकोर्ट के समक्ष लंबित हैं.

समलैंगिक विवाह के बारे में क्या कहा था सुशील मोदी ने

इस मामले में बीजेपी सांसद सुशील मोदी ने राज्यसभा में दिए बयान में कहा था कि केवल दो जज बैठकर समलैंगिक विवाह जैसे महत्वपूर्ण विषय पर कोई फैसला नहीं दे सकते हैं. उन्होंने कहा था कि समलैंगिक विवाह को कानूनी मंजूरी नहीं दी जानी चाहिए. राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान समलैंगिक विवाह के मुद्दे को उठाते हुए कहा था कि भारत में मुस्लिम पर्सनल लॉ जैसे असंहिताबद्ध या किसी भी संहिताबद्ध वैधानिक कानूनों में समलैंगिक विवाह को न तो मान्यता दी जाती है और न ही स्वीकार किया जाता है. यह भारत में व्यक्तिगत कानूनों के नाजुक संतुलन को देखते हुए पूर्ण विनाश का कारण बनेगा. उन्होंने कहा था कि हमारे देश में विवाह को पवित्र माना जाता है और यह एक पुरुष और महिला के बीच संबंध है. यह परिवार, बच्चे और उनका पालन-पोषण जैसे मुद्दे विवाह की संस्था से जुड़े हैं. उन्होंने कहा कि बच्चे को गोद लेना, घरेलू हिंसा और तलाक जैसे अधिकार भी विवाह से जुड़े हुए हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ वाम-उदारवादी और एक्टिविस्ट समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता दिलाने की कोशिश कर रहे हैं.

ओडिशा में एक और रूसी नागरिक की मौत

15 दिन में तीसरी घटना से गहराया रहस्य

पारादीप, 3 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा में रूसी नागरिकों की संदिग्ध मौतों का मामला थम नहीं रहा है। मंगलवार को एक और रूसी मृत मिला। राज्य में यह 15 दिन में तीसरी ऐसी घटना है। मंगलवार को ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले के पारादीप बंदरगाह में डेरा डाले एक जहाज में एक रूसी नागरिक मृत मिला। उसकी पहचान मिल्याकोव सर्गेई के रूप में हुई। 51 साल का सर्गेई जहाज 'एम बी अलदना' का मुख्य इंजीनियर था। यह जहाज बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह से पारादीप के रास्ते मुंबई जा रहा था। मंगलवार सुबह करीब 4.30 बजे सर्गेई जहाज के चेंबर में मृत मिला। पारादीप पुलिस ने कहा कि मौत की वजह तत्काल पता नहीं चल सकी है। पारादीप पोर्ट ट्रस्ट के चेयरमैन पीएल हरानंद ने रूसी इंजीनियर की जहाज में मौत की पुष्टि की है। मामले की जांच चल रही है। इससे पहले दो रूसी पर्यटकों की दक्षिणी ओडिशा के रायगढ़ शहर में रहस्यमयी मौत हो गई थी। इनमें से एक रूसी सांसद पावेल एंटोव (65) थे व दूसरा उनका मित्र व्लादिमीर बिडेनोव (61) था। पावेल की मौत 24 दिसंबर को और बिडेनोव की 22 दिसंबर को हुई थी। पावेल की होटल की तीसरी मंजिल से कथित तौर पर गिरने से मौत हुई थी, जबकि उनके मित्र बिडेनोव दो दिन पहले इसी होटल के अपने कमरे में मृत पाए गए थे। ओडिशा पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है।

कांग्रेस एमएलए पर कार्रवाई पर नेता प्रतिपक्ष का पलटवार

बोले- हमारे पास बीजेपी-आरएसएस नेताओं की अश्लील सीडी

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा

भोपाल, 3 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में चुनाव के का काउन डाउन शुरू होने के साथ ही राजनीति भी गरमाते जा रही है। कांग्रेस विधायक सुनील सराफ के फायरिंग मामले में कार्रवाई पर नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने पलटवार किया है। नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि बीजेपी और आरएसएस कार्यकर्ताओं की सीडीयां हमारे पास है। लेकिन आरोप लगाना हमारी संस्कृति में नहीं हैं। नेता प्रतिपक्ष ने विधायक सुनील सराफ का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है। सीडीयां मैंने देखी है और रिकॉर्ड में भी रखी हुई है। हम गड़े मुर्दे नहीं उखाड़ेंगे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि गृहमंत्री छोटी छोटी बातों पर एफआईआर कराते हैं। इससे कांग्रेस के विधायक दबने वाले नहीं हैं। 2023 में हम जवाब देंगे। आने वाले चुनाव में बीजेपी का सफाया होगा। बता दें अनूपपुर के कोतमा से कांग्रेस विधायक सुनील सराफ का गोलिया दागते वीडियो वायरल हुआ है। विधायक सराफ अपने जन्मदिन पर मैं हूं डान गाया गया और गोलियां दागने का वीडियो वायरल हो गया। इस मामले में गृहमंत्री ने कार्रवाई करने के निर्देश दिए है।

सु वि चा र
संसार में सबसे दयनीय कौन है? धनवान होकर भी जो कंजूस है।

तेलंगाना में 24 घंटे बिजली आपूर्ति नहीं : बंडी

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज आरोप लगाया कि राज्य सरकार की प्रतिष्ठित 24 घंटे बिजली आपूर्ति योजना को तेलंगाना में ठीक से लागू नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के किसी भी स्थान पर 24 घंटे बिजली आपूर्ति नहीं हो रही है. उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की दो बिजली वितरण कंपनियां 60,0000 करोड़ रुपये के घाटे में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री किसानों को मुफ्त बिजली दे रहे हैं, लेकिन उनके घरों पर शुल्क लगा रहे हैं। सीएम केसीआर की मौजूदगी में एपी नेताओं के सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी में शामिल होने का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल के नेताओं ने एपी को कैब भेजी और शामिल होने का कार्यक्रम आयोजित करने के लिए नेताओं को राज्य में लाया। यह आरोप लगाते हुए कि सीएम केसीआर ने अतीत में एपी के लोगों का अपमान किया है, उन्होंने कहा कि यह हास्यास्पद है कि वही केसीआर अब उनकी

प्रशंसा कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश के कारोबारियों के लिए राज्य में शांति से कारोबार करने की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर एक बार फिर राज्य के लोगों के बीच अलग तेलंगाना राज्य की भावना भड़काने की कोशिश कर रहे हैं।

बीजेपी नेता ने यह भी आरोप लगाया कि सीएम केसीआर की अक्षमता के कारण राज्य सरकार ने कृष्णा जल में अपना हिस्सा खो दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कर्मचारियों को वेतन देने की स्थिति में नहीं है। उन्होंने उपहास किया कि राज्य देश के बेरोजगारी सूचकांक में पांचवें स्थान पर था और कहा कि इसने दक्षिण भारत में पहला स्थान हासिल किया।

बीजेपी अध्यक्ष ने सावित्रीबाई फुले को श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भाजपा अध्यक्ष बंदी संजय कुमार ने आज सामाजिक कार्यकर्ता सावित्रीबाई फुले को उनकी जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

एक बयान में, संजय ने कहा कि सावित्री ने देश के लोगों के लिए अपना बलिदान दिया और कहा कि वह सभी के लिए शिक्षा की जननी बन गई। उन्होंने कहा कि फुले दंपति ने सभी को उनकी जाति और समुदायों के बावजूद शिक्षा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि सावित्री का जन्म 3 जनवरी, 1831 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के नायगांव गांव में हुआ था और सावित्री ने 13 साल की ज्योतिबा फुले से शादी की थी, जो 9 साल की उम्र में स्कॉटिश स्कूल में पढ़ रही थी। संजय ने कहा कि सावित्री ने अपनी प्राथमिक शिक्षा अपने पति के यहां पूरी की और कहा कि उन्होंने अपनी दोस्त फातिमा शेख के साथ मिलकर देश का पहला गर्ल्स स्कूल स्थापित किया।

ग्रैंड हेल्थ चैलेंज ने 300 लोगों की जान बचाई : वीसी सज्जनार

तरनाका आरटीसी अस्पताल में ब्लड बैंक की शुरुआत

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के एमडी वीसी सज्जनर ने कहा कि पिछले साल नवंबर के महीने में रिकॉर्ड संख्या में 46,340 आरटीसी कर्मियों का मेडिकल परीक्षण किया गया था। उन्होंने दावा किया कि ग्रैंड हेल्थ चैलेंज के नाम से कराए गए मेडिकल परीक्षण में हृदय संबंधी गंभीर समस्याओं से जूझ रहे 300 कर्मचारियों की जान बचाई गई। हैदराबाद के तारनाका स्थित आरटीसी अस्पताल में मंगलवार को ग्रैंड हेल्थ चैलेंज में कंपनी के एमडी सज्जनार ने कर्मचारियों के स्वास्थ्य की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने 'कैल हेल्थ' संगठन की प्रस्तुति देखी, जो कर्मचारियों के लिए चिकित्सा परीक्षण करती है। उनसे कर्मचारियों द्वारा भविष्य में बीमार होने से बचाने के लिए किए जाने वाले उपायों के बारे में पूछा गया। टीएसआरटीसी प्रबंधन ने कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कौशल प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित

किया है। पूर्व में हमने दो माह में करीब 50 हजार कर्मियों को किश्तों में कौशल प्रशिक्षण दिया है। साथ ही, पिछले साल नवंबर में हुए ग्रैंड हेल्थ चैलेंज में भी हमने 46,340 कर्मियों का मेडिकल परीक्षण किया था। हम हमेशा उस डेटा के जरिए उनके स्वास्थ्य की स्थिति की जांच कर रहे हैं। हम फील्ड स्तर पर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए जल्द ही प्रत्येक डिपो में स्वास्थ्य स्वयंसेवकों की प्रतिनियुक्ति के मुद्दे पर विचार कर रहे हैं। ग्रैंड हेल्थ चैलेंज के तहत कैल हेल्थ के सीईओ हरि, सीईओ रत्नेश, तरुण और मेडिकल जांच कराने वाले अन्य लोगों को एमडी सज्जनार ने सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि एक महीने के भीतर 46,340 कर्मियों का मेडिकल परीक्षण कराना कोई सामान्य बात नहीं है। साथ ही बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने वाले चिकित्सकों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए। कॉल हेल्थ के सीईओ हरि ने कहा कि तेलंगाना में एक महीने के अंदर 100 इलाकों में 46,340 लोगों की मेडिकल जांच कर रिकॉर्ड बनाया गया है। उन्होंने कहा कि अभी तक किसी भी संस्था ने इस पैमाने पर मेडिकल टेस्ट नहीं कराया है। यह उल्लेख किया गया कि टीएसआरटीसी कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों के कारण ग्रैंड हेल्थ चैलेंज सफल रहा। इसी क्रम में आरटीसी अस्पताल में ब्लड बैंक की शुरूआत की गई। एमडी सज्जनार ने मंगलवार को तरनाका अस्पताल में चल्ला चैरिटेबल ट्रस्ट व टीएसआरटीसी द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित नए ब्लड बैंक का उद्घाटन किया। उन्होंने ब्लड बैंक की सुविधाओं का निरीक्षण किया। लोग और आरटीसी कर्मचारी रक्तदान करना चाहते हैं और दूसरों की मदद करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान सभी दानों में सबसे बड़ा है। रक्तदाताओं को वफादार कहा जाता है। साथ ही सज्जनर ने अस्पताल में अल्ट्रा साउंड स्कैनिंग मशीन शुरू की। इसके बाद उन्होंने आरटीसी अस्पताल भवन विस्तार कार्यों का निरीक्षण किया। अधिकारियों को जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा कर मरीजों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम में चिकित्सा सलाहकार सैदिरेड्डी, सीपीएम कृष्णकांत, सीएफएम विजयपुष्पा, आरटीसी अस्पताल अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शैलजा, चिकित्सा प्रशासक डॉ. श्रीनिवास व अन्य ने भाग लिया।

कंटी वेलुगु के दूसरे चरण को सफल बनाएं : हरीश राव

स्वास्थ्य मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान दिये निर्देश

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने संबंधित अधिकारियों को कांटी वेलुगु कार्यक्रम के दूसरे चरण की सफलता के लिए पर्याप्त कदम उठाने का निर्देश दिया है। मंगलवार को यहां बीआरके भवन से स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव की अध्यक्षता में एक राज्यस्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। मंत्री येर्राबेल्ली दयाकर राव, तलसानी श्रीनिवास यादव और जी जगदीश रेड्डी, मुख्य सचिव सोमेश कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान मंत्री हरीश राव ने कहा कि अधिकारी कार्यक्रम के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करें और कार्यक्रम में वार्ड सदस्यों और सभी गांवों के सरपंचों सहित सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को शामिल करने के लिए कदम उठाएं। मंत्री ने अधिकारियों को स्थानीय निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ बैठक करने और संबंधित गांवों में कांटी वेलुगु कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एक कार्यक्रम तैयार करने का भी निर्देश दिया। अधिकारियों को अन्य विभागों के साथ समन्वय कर काम करने और कार्यक्रम को भव्य रूप से सफल बनाने के लिए अभियान चलाने के लिए भी कहा गया।

सीएम केसीआर ने सावित्रीबाई फुले को जयंती पर श्रद्धांजलि दी

महिला अधिकारों की रक्षा करने के लिए फुले के योगदान को सराहा

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कहा कि सामाजिक कार्यकर्ता सावित्रीबाई फुले का दृढ़ विश्वास था कि महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करके ही मानवाधिकारों को सुरक्षित किया जा सकता है। मंगलवार को उनकी जयंती के अवसर पर उन्होंने देश की पहली महिला शिक्षिका के रूप में सामाजिक और लैंगिक समानता हासिल करने के लिए राष्ट्र में उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी।

एक बयान में, मुख्यमंत्री ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने समाज में समानता हासिल करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया, जो जाति और लिंग भेदभाव के साथ-साथ अंधविश्वासों के तहत

टूट रहा था। उन्होंने इस संबंध में अपने पति ज्योति राव फुले के प्रोत्साहन को याद किया और कहा कि वे आज की पीढ़ी के लिए अनुकरणीय आदर्श हैं। कई चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, सावित्रीबाई ने कमजोर वर्गों और महिलाओं के समान अधिकारों की लड़ाई जारी रखी। चंद्रशेखर राव ने कहा, उन्होंने अत्याचारों के खिलाफ बड़े दृढ़ संकल्प के साथ लड़ाई लड़ी, युवाओं को एक समाज सुधारक, एक लेखिका और एक बहु-प्रतिभाशाली महिला के रूप में सावित्रीबाई फुले की उपलब्धियों से प्रेरणा लेने और राष्ट्र की सेवा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय और भारत की प्रगति के लिए उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने अपने जीवन के अंतिम क्षण तक दलित वर्गों की सेवा के लिए जो सेवा की, वह अपूरणीय है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार सावित्रीबाई फुले की भावना को जारी रख रही है और महिलाओं के समान अधिकारों के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इस दिशा में कई योजनाओं और कल्याणकारी कार्यक्रमों को लागू कर महिला सशक्तिकरण हासिल करने में देश के लिए एक मिसाल कायम की है।

सावित्रीबाई फुले समाज में समानता का एक बड़ा उदाहरण : अल्लम नारायण

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मीडिया अकादमी के अध्यक्ष अल्लम नारायण ने कहा कि संप्रदायवाद, धार्मिक आधिपत्य और धार्मिक कट्टरवाद मानव सभ्यता की सबसे बड़ी बाधा है। इसी बाधा को दूर करने की लड़ाई सावित्रीबाई फुले जीवन भर लड़ती रही। अल्लम नारायण ने बीसी आयोग के सदस्य उपेंद्र, सुभाप्रदा पटेल और किशोर गौड़ू के साथ मंगलवार को तेलंगाना साहित्य अकादमी कार्यालय में सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत की पहली महिला शिक्षिका के रूप में अनेक संघर्षों का सामना करने वाली सावित्रीबाई फुले हमारे देश की महान नेता थी।

उन्हें एक समाज सुधारक के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने न केवल निम्न वर्गों के लिए बल्कि उच्च वर्गों और जातियों की महिलाओं के लिए भी काम किया। साहित्य अकादमी के अध्यक्ष जुलुरु गौरीशंकर ने कहा कि फुले और सावित्रीबाई को इतिहास में ऐसे लोगों के रूप में जाना जाएगा जिन्होंने अपने जीवन का बलिदान दिया और निम्न वर्गों को शिक्षा दी और उनमें चेतना जगाई। सुधारकों को फुले और सावित्रीबाई के रूप में वर्णित किया गया है, जिन्होंने उच्च वर्गों के सुधार के लिए नीचे से आए लोगों के इतिहास को फिर से लिखा। तेलंगाना विधान परिषद के सदस्य गोरती वेंकन्ना ने कहा कि सावित्री बाई फुले के विचारों पर आधारित एक आंदोलन के रूप में सामाजिक सुधार तब तक जारी रहना चाहिए जब तक कि एक ऐसे समाज का निर्माण न हो जाए जहां आदमी आदमी का सम्मान करे। उन्होंने कहा कि देश को जातिगत वर्चस्व से बचाने के लिए सांस्कृतिक आंदोलन चलाया जाना चाहिए। इस अवसर पर उपेंद्र, सुभप्रदा पटेल, किशोर गौड़, प्रोफेसर किशोर, तेलंगाना साहित्य अकादमी के सचिव एन. बलाचारी

सुरक्षा प्रक्रियाओं को सख्ती से लागू करें और सुरक्षा सुनिश्चित करें : दमरे जीएम

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के जीएम अरुण कुमार जैन ने ट्रेन संचालन की सुरक्षा, समय की पाबंदी, लोडिंग प्रदर्शन और पूरे ज़ोन में विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति पर आयोजित सुरक्षा समीक्षा बैठक में कहा कि ट्रेन संचालन में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा प्रक्रियाओं को सख्ती से लागू करें। पी. उदय कुमार रेड्डी, अपर महाप्रबंधक, दमरे ने भी सभी प्रधान विभागाध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लिया। सभी छह मंडलों अर्थात सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए। अरुण कुमार जैन ने जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने नए लगे सिग्नलों पर लोको पायलट, सहायक लोको पायलट जैसे रनिंग स्टाफ को नियमित रूप से काउंसिलिंग करने की सलाह दी और शॉर्ट कट तरीकों से बचने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को ट्रेनों के सुरक्षित मार्ग को सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण तेज करने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को कार्यस्थल सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए लगातार फील्ड निरीक्षण करने की भी सलाह दी। उन्होंने मेल/एक्सप्रेस ट्रेन के समयपालन पर चर्चा की और अधिकारियों को समय की पाबंदी में सुधार करने की सलाह दी, जिसके लिए नॉन इंटरलॉकिंग कार्यप्रणाली पर कड़ी निगरानी रखने की आवश्यकता है और ट्रेनों के रद्दीकरण को कम से कम करना आदि सुनिश्चित करें। उन्होंने गति प्रतिबंधों की समीक्षा की और अधिकारियों को सलाह दी कि वे माल और यात्री दोनों ट्रेनों की औसत गति में सुधार के लिए संभावित स्थानों पर हटाएं।

दमरे जीएम ने ज़ोन के लोडिंग प्रदर्शन की भी समीक्षा की और उन्होंने लक्ष्य प्राप्त करने और दिसंबर, 2022 में रिकॉर्ड वृद्धिशील लोडिंग दर्ज करने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने सीमेंट, खाद्यान्न, कोयला और अन्य की लोडिंग की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को शेष वित्तीय वर्ष में इसी गति को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने औसत गति में सुधार के लिए योजनाओं की समीक्षा की, लंबी दूरी की ट्रेनों पर चर्चा की और मालगाड़ियों की गति में सुधार करने की सलाह दी. अधिकारियों ने महाप्रबंधक को जोन में किए जाने वाले ढांचागत सुधारों, नए सिगनलिंग को चालू करने, यार्ड रीमॉल्डिंग और जोन पर बाईपास लाइनों को चालू करने के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने दोहरीकरण, तिहराकरण और विद्युतीकरण, सिग्नलिंग आदि जैसे चल रहे कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की।

कुमावत क्रिकेट एसोसिएशन, तेलंगाना के तत्वावधान में जारी कुमावत प्रीमियर लीग 2022-23 में मंगलवार को चिले गये टुर्नामेंट में भाग लेते हुए कुमावत क्रिकेट एसोसिएशन तेलंगाना के अध्यक्ष नारायणलाल घोडावड, मुन्नालाल दुबलदिया, राकेश भावर, रामचन्द रेणवाल, हरीश हिन्दड, दिनेश बाकरेचा, थानाराम हिन्दड, ओमप्रकाश हांगर, कुमावत समाज हैदराबाद तेलंगाना के पूर्व अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत।

CLASSIFIEDS
CHANGE OF NAME

I, Swarnalatha, W/o: Hav Venkataswami Nimmagadda, R/o: Epuru, kolluru, Tenali, Guntur, A.P.-522301, changed my name from Swarnalatha to Swarna Latha Rudrapati, vide Affidavit dt.3-1-2023

I, ABDUL HAQ, S/o.ABDUL LATEEF, R/o.18-1-350/11/67, Gulshan Iqbal Cly, DRDL Rd, Hyd, T.S, Changed My Name as MOHAMMED ABDUL HAQ SIDDIQUI S/o. MOHAMMED ABDUL LATEEF SIDDIQUI.

I, Anis Begum, H.No.18-13-8/LC/21 Link City, Bandlaguda, Chandrayangutta, Hyd, T.S. Changed My Name as ANIS BEGUM MOHD ABDUL W/o.MOHAMMED ASMATHULLAH KHAN.

I, MOHAMMED ABDUL ANWAR, R/o.6-2-5/8, Hyd Rd, Beside SV College, Jangaon, Warangal, T.S, Changed My Name as MOHAMMED ANWAR S/o.MOHAMMED ABDUL QAYYUM.

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

शोक संदेश

श्रीमति पेपीदेवी सोलंकी
: धर्मपत्नी :
स्व. हेमारामजी सोलंकी
मरुधर मे देबावास
अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारी पूज्य श्रीमति पेपीदेवी सोलंकी का निधन 30.12.2022 को हो गया है। विधि की इस विडम्बना के आगे हम सब नतमस्तक है। जिनकी गंगाप्रसादी एवं मेल 9.1.2023 सोमवार को रखी गयी है। आप सब जणा पधारजो सा
: शोकाकुल : समस्त सोलंकी परिवार देबावास
: शोक स्थान : जगाराम, दलाराम, राणाराम
सुपुत्र: हेमारामजी सोलंकी देबावास, जिला-जालोर
: फर्म :
* धनलक्ष्मी फैन्सी स्टोर * नटराज नॉवल्टी *
* रंगोली फैन्सी स्टोर * रंगोली ब्युटी सेन्टर *
हैदराबाद
9441082566, 9440584339, 9908416191
P.Solankey

बारहवीं पुण्यतिथि

स्व. श्रीमति मूलीबाई सोयल
धर्मपत्नी: श्री भुरारामजी सोयल, मरुधर में जांणुदा
।। स्वर्गवास: 04.01.2011 ।।
स्नेह आपका था हम पर, करते है नमन आपको।
श्रद्धा के सब सुमन सर्मिप्त, रखेगे सदैव स्मरण आपको।।
: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :
भुरारामजी (पति), उत्तम-निर्मला, ललित-रेखा (पुत्र-पुत्रवधु), कल्याराम (जेठ), कालुराम (देवर), प्रकाश, दीपाराम (जेठुता), भरत, पीयुष, दक्ष, तनवी (पोत्र-पौत्री) एंव समस्त सोयल परिवार
: फर्म :
* बी.आर.चौधरी ज्वैलर्स अमीरपेट-हैदराबाद 9441350410
* महालक्ष्मी ज्वैलर्स अमीरपेट-हैदराबाद 9848065340
P.Solankey

सातवी पुण्यतिथि

श्री पुखराजजी सोलंकी
सुपुत्र: श्री नेनारामजी; मरुधर मे गुडा ठाकुरजी (पाली)
।। स्वर्गवास : 04.01.2016 ।।
स्मरण कर आपको, श्रद्धा-सुमन अर्पित करते है।
सदैव रहे आर्शीवाद आपका, प्रभु से प्रार्थना करते है।।
: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : स्व.टीपूबाई (माताजी), पोनीदेवी (धर्मपत्नी), घीसूलाल, वोराराम (भाई), अशोक, रमेश, धीरज, दिव्यांश (पुत्र) एवं समस्त सोलंकी परिवार
: फर्म :
अम्बिका बाथ स्टूडियो उप्परपल्ली राजेन्द्रनगर
जगदम्बा हार्डवेयर अत्तापुर रिंगरोड हैदराबाद
लक्ष्मी एजेन्सीज उप्परपल्ली
महालक्ष्मी सेनेटरी एंड हार्डवेयर अत्तापुर उप्परपल्ली
Mobile No.: 7093658926
P.Solankey

प्रियंका बोलीं-राहुल योद्धा, सत्य पथ से डिगेंगे नहीं

यूपी में कहा-अडानी-अंबानी ने बड़े-बड़े नेता खरीद लिए, भाई को नहीं खरीद पाए

गाजियाबाद, 3 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा नौ दिन के ब्रेक के बाद मंगलवार को यूपी पहुंची। गाजियाबाद में प्रियंका गांधी ने भाई राहुल गांधी का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। लोनी बॉर्डर पर बने मंच पर राहुल और प्रियंका एक साथ नजर आए। प्रियंका के कंधे पर हाथ रखकर राहुल गांधी आगे बढ़ते दिखे। मंच से प्रियंका ने भाई राहुल को योद्धा बताया।

प्रियंका ने कहा, मेरे बड़े भाई... इधर देखो, सबसे ज्यादा गर्व आप पर है। सत्ता का पूरा जोर लगाया गया। सरकार ने हजारों करोड़ रुपए खर्च किए, इनकी छवि को खराब करने के लिए, लेकिन ये डरे नहीं। इन पर एजेंसी लगाई गईं। योद्धा हैं... योद्धा हैं। अडाणी-अंबानी ने बड़े-बड़े नेता खरीद लिए। देश के सभी पीएसयू खरीद लिए। देश की मीडिया खरीद ली, लेकिन मेरे भाई को नहीं खरीद पाए। न खरीद पाएंगे।

राहुल गांधी दिल्ली लौटे

उधर राहुल और प्रियंका गाजियाबाद में करीब 6 किलोमीटर पैदल चलने के बाद एक ही कार से वापस दिल्ली लौट गए। राहुल और प्रियंका खजूरी पुस्ता रोड होते हुए दिल्ली गए हैं। यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने बताया कि राहुल गांधी का आज का पैदल चलने का शेड्यूल 25 किमी. था। दिल्ली और गाजियाबाद मिलाकर राहुल 25 किमी. पैदल चल चुके हैं। अब कल सुबह बागपत के मवी कलां से फिर यात्रा में जुड़ेंगे। जबकि यात्रा के यूपी कॉर्डिनेटर सलमान खुर्शीद ने कहा कि मुझे राहुल के वापस लौटने की अभी कोई जानकारी नहीं है।

राहुल सत्य का कवच पहनकर चल रहे, इसलिए ठंड नहीं लगती

इससे पहले मंच से प्रियंका ने कहा, कोई मुझसे पूछ रहा था कि आपके भाई को ठंड नहीं लगती। आपको डर नहीं लगता, इनकी सुरक्षा के लिए। मेरा जवाब ये है कि ये सत्य का कवच पहनकर चल रहे हैं।

भगवान इनको सुरक्षित रखेगा। सब साथ चलिए। एकता, संभावना, प्यार का पैगाम लेकर चलिए। इसके बाद दोनों ने लोगों का अभिवादन किया। हालांकि मंच पर राहुल ने कोई स्पीच नहीं दी।

माफिया मुख्तार अंसारी के साले अनवर शहजाद को राहत

हाईकोर्ट ने जमानत पर रिहा करने का दिया आदेश

प्रयागराज, 3 जनवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने माफिया मुख्तार अंसारी के साले अनवर शहजाद की गैंगस्टर केस में जमानत मंजूर कर ली है। हाईकोर्ट ने उसे जमानत पर रिहा किए जाने का आदेश दिया है। 31 जनवरी 2022 को मऊ के दक्षिण टोला थाने में अनवर के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में एफआईआर दर्ज की गई थी। अनवर इस समय गाजीपुर की जेल में बंद है अनवर की जमानत पर अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने बहस की।

अनवर शहजाद के भाई आतिफ़ रजा उर्फ सरजील को पहले ही इस मामले में जमानत मिल चुकी है। सरकारी जमीन कब्जाने के मामले में उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। जस्टिस सैयद वैज मियां की सिंगल बेंच ने जमानत अर्जी मंजूर की। आतिफ़ रज़ा को जेल से निकलते ही ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था।

आईएएस अफसरों से बोले नीतीश

काम यहां कीजिए, दिल्ली पर ध्यान मत दीजिए-क्रेडिट दिल्ली वाला ले लेगा

पटना, 3 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राज्य के आईएएस अफसरों को दिल्ली से दूर रहने की सीख दे दी।

उन्होंने कहा-प्रशंसा के चक्कर में मत पड़िए। दिल्ली वाला प्रशंसा की चर्चा भी कीजिएगा तो लगेगा कि वही लोग काम करा रहा है। दिल्ली जाने के चक्कर में मत रहिए। हमारी इच्छा का ख्याल रखकर काम कीजिए। जनता आपकी प्रशंसा करे, इसपर ही ध्यान दीजिए। पटना के ज्ञान भवन में जल जीवन हरियाली पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश ने योजनाओं के क्रेडिट को लेकर कई बार बातें कीं और अंत में अफसरों को भी इसी बहाने सीख दी।

बिहार के आइडिया का क्रेडिट दिल्ली को हरगिज न जाए

जल जीवन हरियाली कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ दो मंत्री और राज्य के मुख्य सचिव से लेकर तमाम सीनियर आईएएस अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में बुके की जगह अतिथियों को पौधे दिए गए, जबकि दीप प्रज्ज्वलन की जगह पौधों के गमले में पानी दिया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने आइडिया की बात की। उन्होंने बार-बार यह बताया कि उन्होंने कई ऐसे आइडिया पर काम किया, जिसकी कॉपी अब केंद्र कर रहा है।

उन्होंने आइडिया का क्रेडिट लेने की बात के बहाने ही आईएएस अधिकारियों को सीख दी कि हमारा यह आइडिया बहुत पुराना है। 1998 से हमने बहुत कुछ देखा। केंद्र में अटल जी के साथ काम करते समय अपने आइडिया पर काम करने का मौका मिला। उसके बाद राज्य में सत्तासीन हुए तो लगातार ऐसे आइडिया पर काम किया, जो अब दूसरे लोग ला रहे हैं। आइडिया है, काम करेंगे तो प्रशंसा होगी ही। जनता की प्रशंसा खुद आ रही है। कोई प्रशंसा कर दे तो चक्कर में मत पड़िए। दिल्ली वाले प्रशंसा करें और उसकी चर्चा कहीं कीजिएगा तो लगेगा कि वहीं का काम है। बतवा समझिए। दिल्ली जाने के चक्कर में मत पड़िए। हम कितना इज्जत करते हैं आपलोग की।"

प्रत्यय अमृत को प्रतिक्रिया नहीं देते देख टोका

मुख्यमंत्री ने बीच में हेलीकॉप्टर खरीद और भाजपा का नाम लिए बगैर कहा कि सभी को साथ बैठाकर कई काम शुरू किए, लेकिन आजकल कोई कुछ बोल रहा है तो क्या किया जा सकता है? कार्यक्रम के दौरान उनकी बातों पर मंचासीन आईएएस अधिकारी तालियां भी बजा रहे थे, लेकिन इसी बीच मुख्यमंत्री ने सीनियर आईएएस अधिकारी प्रत्यय अमृत को टोकते हुए कहा- "देखो, बोलो...हमारी बातों से कोई एतराज है क्या, जो चुप हो।...प्रत्यय अमृत को बोल रहे हैं- मुस्कराओ।"

शिक्षक भर्ती के लिए सीएम योगी ने दिया एकीकृत आयोग के गठन का निर्देश

लखनऊ, 3 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रदेश में शैक्षिक संस्थानों में शिक्षक भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए एकीकृत आयोग के रूप में 'उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग' के गठन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विगत पांच-साढ़े पांच वर्ष की अवधि में प्रदेश में संचालित विभिन्न चयन आयोगों की कार्यप्रणाली में शासन स्तर से अनावश्यक हस्तक्षेप न होने से आयोगों की कार्यप्रणाली में शुचिता और पारदर्शिता आई है। मेरिट के आधार पर योग्य अभ्यर्थियों का चयन हो रहा है। प्रदेश में आये इस बदलाव का सीधा लाभ युवाओं को मिल रहा है।

प्रदेश के बेसिक, माध्यमिक, उच्च और तकनीकी शिक्षण संस्थानों में योग्य शिक्षकों के चयन के लिए अलग-अलग प्राधिकारी, बोर्ड व आयोग संचालित हैं। परीक्षा नियामक प्राधिकारी, माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग और उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग के अलावा उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से भी चयन की व्यवस्था लागू है। नीतिगत सुधारों के क्रम में भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए शिक्षक चयन आयोगों को एकीकृत स्वरूप दिया जाना उचित होगा। शिक्षक चयन अयोगों को एकीकृत

स्वरूप देते हुए निगमित निकाय के रूप में 'उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के गठन किया जाना चाहिए। शिक्षकों के समयबद्ध चयन, मानव संसाधन का बेहतर उपयोग और वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने में आयोग उपयोगी सिद्ध होगा।

उत्तर प्रदेश शिक्षा चयन आयोग को एक स्वायत्तशाषी निगमित निकाय का स्वरूप दिया जाना चाहिए। आयोग द्वारा बेसिक, माध्यमिक अथवा उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्यापकों की सीधी भर्ती के सम्बंध में मार्गदर्शी सिद्धांत लागू किया जाएगा। अध्यापकों की नियुक्ति के संबंध में चयन परीक्षा, साक्षात्कार आदि के माध्यम से चयन की प्रक्रिया पूरी करते हुए अभ्यर्थियों की नियुक्ति के लिए नियुक्ति प्राधिकारी को संस्तुति की जाएगी। उक्त बिंदुओं के अनुरूप नए आयोग के स्वरूप, अध्यक्ष व सदस्यों की अर्हता, आयोग की शक्तियों और कार्यों के संबंध में रूपरेखा तय करते हुए आवश्यक प्रस्ताव तैयार किया जाए।

प्रदेश 60, 70, 80 वर्ष अथवा और अधिक पुराने बहुत से माध्यमिक विद्यालय हैं। प्रदेश के शैक्षिक माहौल को समृद्ध करने में इन संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। राज्य सरकार से सहायता प्राप्त इन माध्यमिक विद्यालयों में आज अवस्थापना सुविधाओं के विकास की आवश्यकता है। ऐसे में शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों के व्यापक हित को देखते हुए प्रबंध तंत्र की अपेक्षाओं और आवश्यकताओं ध्यान रखते हुए इन विद्यालयों के लिए एक बेहतर कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत किया जाए। प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक स्तर की शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन भी इसी नए आयोग के माध्यम से किया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाए कि टीईटी समय पर हो। संस्कृत विद्यालयों का उन्नयन राज्य सरकार की प्राथमिकता में है। संस्कृत विद्यालयों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के साथ-साथ अध्ययनरत विद्यार्थियों के प्रोत्साहन के लिए छात्रवृत्ति भी दी जानी चाहिए। इस संबंध में विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर यथाशीघ्र प्रस्तुत करें।

नए यमुना पुल पर वाहन चेकिंग के दौरान कार ने एआरटीओ को कुचला

प्रयागराज, 3 जनवरी (एजेंसियां)। नैनी के नए यमुना ब्रिज पर कार की टक्कर से एआरटीओ प्रवर्तन भूपेश कुमार गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उनके सिर में गंभीर चोट आई है। आनन फानन उन्होंने जीवन ज्योति हास्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां हालत नाजुक देख उन्हें लखनऊ मेदांता के लिए रेफर कर दिया गया है। चिकित्सकों के मुताबिक शुरुआती 15 दिन एआरटीओ के लिए अहम हैं। घटना की जानकारी होते ही डीएम, आरटीओ सहित तमाम अफसर मौके पर पहुंच गए। घटना के बाद चालक कार लेकर फरार हो गया है। पुलिस उसकी खोजबीन में जुटी है। एआरटीओ प्रवर्तन भूपेश कुमार गुप्ता मंगलवार को भोर में नए यमुना पुल पर अपनी टीम के साथ वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। भोर में करीब पांच बजे एक गाड़ी के नंबर प्लेट का फोटो खींचने के लिए सड़क पार कर रहे थे, तभी यह हादसा हुआ।

नहीं रहे एपी... द टाइगर ऑफ सियाचिन

13 दिन तक बर्फीली पोस्ट पर संभाला था मोर्चा

लखनऊ, 3 जनवरी (एजेंसियां)। सियाचिन की बर्फीली पहाड़ियों में सैन्य ऑपरेशन के दौरान अदम्य साहस का परिचय देने वाले कर्नल अशोक प्रताप सिंह नहीं रहे। बीते 31 दिसंबर को 73 वर्ष की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। सोमवार को उन्हें अंतिम विदाई दी गई। गोमतीनगर स्थित सृजन विहार में परिवार संग रहने वाले कर्नल सिंह 31 दिसंबर 2005 में सेवानिवृत्त हुए थे।

कर्नल के बचपन के मित्र व सहपाठी कर्नल समर विजय सिंह ने बताया कि भारत-पाक नियंत्रण रेखा से सटे सियाचिन पर 1980 के दशक में सैन्य चौकियों को कब्जा करने का ऑपरेशन चला तो कर्नल अशोक प्रताप सिंह ने गजब का साहस दिखाया। बर्फीली सियाचिन पोस्ट पर वे मुट्ठी भर जवानों के साथ दुश्मन से लोहा लेते रहे। 13 दिन तक ऊंचाई पर डटे रहे और जब तक भारतीय सेना की टुकड़ी पोस्ट पर नहीं पहुंच गई, कब्जा बनाए रखा।

इस ऑपरेशन के बाद उनके एक पैर की तीन अंगुलियां काटनी पड़ी थीं। राष्ट्रपति ने उन्हें विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया। इसके बाद सैन्य अधिकारी और साथी उन्हें एपी- द टाइगर ऑफ सियाचिन के नाम से बुलाने लगे। इस बहादुरी के लिए सियाचिन में उनके नाम पर एक पोस्ट भी स्थापित की गई है। कर्नल अशोक प्रताप सिंह की अंतिम विदाई के दौरान सैनिक स्कूल के सहपाठी, सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के सदस्य सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

1972 में हुआ ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी में चयन

कर्नल समर विजय सिंह ने बताया कि कर्नल अशोक प्रताप सिंह मूलरूप से प्रतापगढ़ के थे। कक्षा सात में वे लखनऊ स्थित सैनिक स्कूल में पढ़ने आए और कॉल्विन तालुकेदार्स कॉलेज में भी पढ़ाई की। 1972 में उनका चयन ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी में हुआ। 1973 में वे भारतीय सेना की 10 गढ़वाल राइफल में बतौर सेकेंड लेफ्टिनेंट कमीशन हुए। उनके परिवार में पत्नी सविता सिंह, पुत्र रुद्राक्ष सिंह व दो पुत्रियां हैं। कर्नल अशोक प्रताप सिंह को पर्वतारोहण का शौक था। कंचनजंघा व माउंट कॉमेट पर तिरंगा लहराने के लिए उन्हें सेना मेडल से भी नवाजा गया था।

भारत जोड़ो यात्रा में अयोध्या के संतों को भी किया गया आमंत्रित

लखनऊ, 3 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा यहां के प्रांतीय अध्यक्षों का कद भी तय करेगी। हर प्रांतीय अध्यक्ष के प्रभार वाले जिलों को ज्यादा से ज्यादा संख्याबल जुटाने को कहा गया है। संख्याबल से ही तय होगा कि कौन, कितना जनता के बीच प्रभावी है। हाईकमान इसकी मॉनिटरिंग कर रहा है। पार्टी नेताओं का दावा है कि हर जिले से बड़ी संख्या में लोग यात्रा में शामिल होने के लिए रवाना हो चुके हैं।

भारत जोड़ो यात्रा गाजियाबाद से यूपी में प्रवेश कर चुकी है। यह यात्रा पश्चिम के ही कुछ जिलों से गुजरेगी, लेकिन पूरे प्रदेश से लोगों को बुलाया गया है। कांग्रेसजनों के अलावा प्रमुख विपक्षी दलों के नेताओं और छोटे दलों के प्रतिनिधियों को भी यात्रा में शामिल होने का न्योता दिया गया है। कांग्रेस का प्रयास है कि यात्रा के जरिए अपनी ताकत दिखाने के साथ ही विपक्षी एकता का अवसर भी इसे बनाया जाए।

अब 5 जनवरी को नहीं होगा गुरू गोविन्द सिंह जयंती का अवकाश, छुट्टी निरस्त

अलीगढ़, 3 जनवरी (एजेंसियां)। 5 जनवरी को पूर्व में घोषित गुरू गोविन्द सिंह जयंती का सार्वजनिक अवकाश को निरस्त कर दिया गया है। इसकी 29 दिसंबर में ही छुट्टी हो चुकी है। अलीगढ़ डीएम इन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि शासन द्वारा 2023 के लिये घोषित अवकाश की सूची में 5 जनवरी को त्रुटिवश गुरू गोविन्द सिंह जयंती का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया था। गुरू गोविन्द सिंह जयंती का सार्वजनिक अवकाश 29 दिसम्बर 2022 को घोषित होने की दशा में अब 5 जनवरी को निर्गत अवकाश निरस्त किया किया गया है।

भारत जोड़ो यात्रा : यूपी की राजनीति में हलचल

उप-मुख्यमंत्री बोले-ये वही राहुल हैं जो यूपी छोड़कर केरल चले गए

लखनऊ, 3 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा यूपी में प्रवेश कर चुकी है। इसके साथ ही यात्रा को लेकर बयानबाजी का दौर भी शुरू हो चुका है। उप-मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मंगलवार को यात्रा पर बयान देते हुए कहा कि यह यात्रा यूपी को सिर्फ छूकर ही निकल जाएगी। इससे स्पष्ट है कि यूपी की जनता ने राहुल गांधी और कांग्रेस को नकार दिया है। इसलिए वो सांकेतिक यात्रा लेकर यूपी को छू कर बाहर-बाहर निकल रहे हैं।

उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह वही राहुल गांधी हैं जो कि यूपी की जनता को छोड़कर केरल चले गए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र को कमजोर करने का काम करती है। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी भारत जोड़ने का ढोंग कर रहे हैं। उनकी यात्रा में टुकड़े-टुकड़े गैंग के लोग शामिल हैं।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा बिहार में, जनसभा में पूछा-मोदी जैसा जन-जन का नेता चाहिए या जंगलराज वाले नीतीश?

पटना, 3 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार की सत्ता से भारतीय जनता पार्टी के हटने के बाद पहली बार राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा राज्य की धरती पर आए तो जमकर बरसे। लगभग 9 डिग्री के आसपास तापमान है और लोग घर से निकलने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, ऐसे में नड्डा ने बिहार में राजनीतिक गरमी ला दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को खरी-खोटी सुनाई।

शराब से लेकर अपहरण तक पर घेरा। लोगों से सवाल भी किया कि नरेंद्र मोदी जैसा जन-जन का नेता चाहिए या बार-बार पलट कर बिहार को बर्बाद करने वाला? उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार की जनता को धोखा दिया। मताधिकार का अपमान किया है। बिहार में भाजपा का किसी से गठबंधन नहीं है। प्रधानमंत्री चाहते हैं बिहार आगे बढ़े। इसके लिए आपको हमारा और विकास का

साथ देना होगा। ऊपर से हम लोग लाख बिहार की मदद करना चाहें, लेकिन नीचे जंगलराज हो तो क्या होगा?

नड्डा ने पूछा-सुशासन बाबू की सरकार में शासन कौन कर रहा है?

हमें बिहार का विकास चाहिए। हम बिहार में कुर्सी पर बैठने नहीं आए थे। विकास करने आए थे। बिहार में सबसे ज्यादा टेस्टिंग और वैक्सीनेशन करवाया। उन्होंने कहा कि बिहार में जंगलराज आ चुका है। 1 महीने के अंदर कई अपहरण, फिरौती, रेप के केस सामने आए हैं। बिहार में पुलिस-प्रशासन की पकड़ खत्म हो चुकी है। मुझे ये समझ नहीं आता सुशासन बाबू की सरकार में शासन कौन कर रहा है? जेपी नड्डा ने कहा कि आज उमड़ी भीड़ बता रही है कि बिहार अब बदलाव की ओर देख रहा है। उसे यह जंगलराज नहीं चाहिए। इससे हमें मुक्ति दिलाना है। मोदी जी के हाथ को और मजबूत करना है। मेरा बचपन पटना में गुजरा है। मैंने देखा है पहले यहां पता नहीं चलता था कि खेत में सड़क है या सड़कों में खेत। लेकिन, आज हम आ रहे थे तो पूछा गया कि जेपी सेतु से चलिएगा या गांधी सेतु से। मोदी जी ने 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपये देने की बात कही थी। आज बिहार में सिर्फ 56 हजार करोड़ तो सड़क पर खर्च किए जा रहे हैं। पटना एम्स को हम लगातार सुधार रहे। हमने दरभंगा मेडिकल कॉलेज के लिए करोड़ों रुपए दिए हैं।

नित्यानंद बोले-वैशाली से आगाज है, नीतीश माफी मांगें

वैशाली लोक सभा क्षेत्र के पारू स्थित हाई स्कूल मैदान में नड्डा के पहुंचने से पहले केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि शांति की धरती कही जाने वाली वैशाली में आज अशांति है। पूरे बिहार में अशांति है।

बसपा के गढ़ में शाह का दौरा

इस बार न हो चूक, इसलिए पहले से बन रही बड़ी प्लानिंग

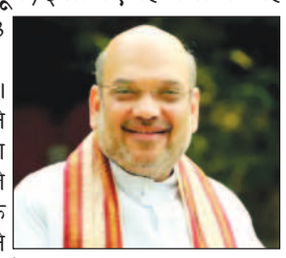

लखनऊ, 3 जनवरी (एजेंसियां)। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले भाजपा राजनीतिक बिसात पर अपने सभी मोहरे चाक-चौबंद कर लेना चाहती है। भाजपा के बड़े कद्दावर नेताओं का उत्तर प्रदेश में दौरा तय हो गया है। इसी कड़ी में गृह मंत्री अमित शाह उत्तर प्रदेश पहुंचने वाले हैं। अमित शाह अपने उत्तर प्रदेश के दौरे में बसपा के मजबूत किले वाली सीटों पर जाएंगे।

यह वह सीटें हैं जिसमें भाजपा लोकसभा के चुनाव में बसपा से सीटें हार गई थी। भाजपा के रणनीतिकारों का कहना है कि इस बार कोई चूक ना हो इसलिए उन सभी कमजोर सीटों पर भाजपा अपनी पहले से ही मजबूत फील्डिंग सजा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह उत्तर प्रदेश में अपने दो दिवसीय दौरे पर 16-17 जनवरी को मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक अमित शाह अपने उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय दौरे में पूर्वांचल की सियासी जमीन को मजबूत करने पहुंचेंगे। इस दौरान अमित शाह अंबेडकरनगर और बलरामपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर जमीनी हकीकत का जायजा लेंगे। दरअसल अंबेडकर नगर और बलरामपुर की श्रावस्ती लोकसभा सीट पर 2019 में भाजपा चुनाव हार गई थी और दोनों सीटों पर बहुजन समाज पार्टी में कब्जा जमा लिया था। यही नहीं, 2022 के विधानसभा चुनावों में भी अंबेडकर नगर लोकसभा क्षेत्र की पांचों विधानसभा सीटों पर भाजपा चुनाव हार गई थी। भाजपा से जुड़े सूत्रों के मुताबिक अमित शाह इन दोनों महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जाने वाले हैं।

जाटलैंड में भारत जोड़ो यात्रा का स्वागत करेगा रालोद, समर्थन में जयंत चौधरी ने किया ट्वीट

मेरठ, 3 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा यूपी में शुरू हो चुकी है, यात्रा आज शाम जाटलैंड कहे जाने वाले बागपत में पहुंच जाएगी। यात्रा के बागपत में पहुंचने से पहले ही रालोद ने बड़ी घोषणा कर दी है। रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी भले ही यात्रा में खुद शामिल नहीं हो रहे हों, लेकिन उन्होंने विधायकों व पदाधिकारियों को यात्रा का स्वागत करने के लिए कहा है। इसके साथ ही कोई पदाधिकारी व कार्यकर्ता स्वेच्छा से यात्रा में शामिल होना चाहता है, तो वह शामिल हो सकता है।

रालोद के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने उन जगहों के विधायकों व पदाधिकारियों को संदेश दिया है कि वह अपने यहां भारत जोड़ो यात्रा का स्वागत करें। बागपत व शामली में विधायकों के साथ ही अन्य प दा धि का री जगह-जगह पर यात्रा पर फूल बरसाकर स्वागत करेंगे। इसके अलावा अगर कोई अपनी इच्छा से यात्रा में शामिल होना चाहता है तो वह उसमें शामिल हो सकता है। रालोद की तरफ से यात्रा में शामिल होने को लेकर किसी तरह की पाबंदी नहीं है। बागपत

के जिलाध्यक्ष रामपाल धामा ने बताया कि उनको मंगलवार दोपहर बाद बताया गया है कि भारत जोड़ो यात्रा का फूल बरसाकर स्वागत किया जाए। जिसके बाद चार जगहों काठा, राष्ट्र वंदना चौक, गुफा वाले मंदिर, बड़ौत को स्वागत के लिए तय किया गया है। इन सभी जगहों पर अलग-अलग नेता खड़े रहकर यात्रा का स्वागत करेंगे।

भारत जोडो यात्रा का अभियान सार्थक हो, रालोद सुप्रीमो जयंत चौधरी ने किया ट्वीट

रालोद सुप्रीमो एवं सांसद चौ जयंत सिंह ने भारत जोडो यात्रा की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश के संस्कार से जुडकर उत्तर प्रदेश में भी चल रहा ये अभियान सार्थक हो और एक सूत्र में लोगों को जोडते रहें। रालोद सुप्रीमो चौ. जयंत सिंह ने अपने ट्वीटर हैंडल से भेजे गए संदेश में कहा कि, तप कर ही धरती से बनी ईंट छू लेती हैं आकाश। जयंत चौधरी का यह संदेश यात्रा के उत्तर प्रदेश में प्रवेश के दौरान आया है, जिसकी सोशल मीडिया से पता चलते ही रालोद कार्यकर्ताओं ने भी गांवों और शहरों में जगह-जगह भारत जोडो यात्रा का स्वागत करने की तैयारी की जाने लगी है।

नए साल पर दिल्ली वालों ने पी ली अरबों की शराब

सिर्फ एक दिन में बिकी इतनी शराब की बोतलें

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। जनवरी की शुरुआत के साथ ही नए साल का आगाज हो चुका है. पूरी दुनिया ने जोश के साथ नए साल का स्वागत किया और दिल्ली-नोएडा जैसे शहर भी जश्न मनाने में पीछे नहीं रहे. 2022 की आखिरी रात में लोगों ने जमकर पार्टी की और अलग-अलग अंदाज में नए साल का स्वागत किया. इस जश्न में काफी लिकर पार्टियां भी हुईं और उसका नतीजा ये हुआ कि दिल्ली वालों ने एक दिन में ही करोड़ों रुपये की शराब पी ली. जी हां, दिल्ली में 31 दिसंबर को काफी शराब की बिक्री हुई और दुकानों पर भीड़ लगने का सिलसिला 25 दिसंबर से ही शुरू हो गया था.

एक हफ्ते में अरबों का हुआ बिजनेस

रिपोर्ट में सामने आया है कि न्यू ईयर वीक में दिल्ली में बड़ी संख्या शराब की बोतलों की बिक्री हुई. रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में एक हफ्ते में एक करोड़ शराब की बोतलों की बिक्री हुई. अगर बिजनेस की बात करें तो दिल्ली में एक हफ्ते में 218 करोड़ रुपये का बिजनेस हुआ. यह आकंड़ा क्रिसमस ईवनिंग से लेकर नए साल की शाम तक का है. एक हफ्ते में 1.10 करोड़ शराब की बोतलों की बिक्री हुई, जिसमें विस्की की मात्रा अधिक है.

31 दिसंबर को कितनी बिक्री हुई?

वहीं, 31 दिसंबर को दिल्ली में 20.30 लाख बोतलों की बिक्री हुई थी. अगर बिजनेस के हिसाब से देखें तो 31 दिसंबर को दिल्ली में 45.28 करोड़ रुपये की शराब बिकी. बता दें कि जानकारी एक्साइज डिपार्टमेंट की ओर से दी गई है. वैसे दिल्ली में दिसंबर 2022 में हर रोज औसत 13.8 लाख लिकर बोतल की बिक्री हुई और ये पिछले तीन सालों में सबसे ज्यादा है. दिल्ली में 24 दिसंबर को 28.8 करोड़ रुपये की शराब बिकी थी और इस बिजनेस में 14.7 लाख बोतलें शामिल हैं. वहीं, दिल्ली में सरकार ने दिसंबर के महीने में एक्साइज ड्यूटी और वैल्यू एडेड टैक्स के जरिए 560 करोड़ रुपये जुटाए हैं. बता दें कि अभी दिल्ली में 550 लिकर दुकानों पर शराब की बिक्री हो रही है.

नोएडा का क्या है हाल?

वहीं, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में 30 दिसंबर और 31 दिसंबर को 9 करोड़ की शराब बिक्री हुई थी. अगर पूरे दिसंबर का डेटा देखें तो दिसंबर में 140 करोड़ रुपये की शराब बिक्री हुई है. जयपुर के लोगों ने एक अरब 11 करोड़ रूपये की शराब पी. नए साल के जश्न महज दो दिन में कारनामा हुआ है. बिक्री का आंकड़ा 30 और 31 दिसबंर का है. आकंड़े के अनुसार सबसे अधिक शराब राजधानी में बिकी है.

ये कैसा सितम! ठंड में तोड़ा 80 साल की महिला का आशियाना

चला गया 250 बेजुबानों का भी घर

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में कड़ाके की ठंड जारी है. प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र नई दिल्ली के मुताबिक राज्य में अगले चार-पांच दिनों तक शीतलहर चलेगी और घना कोहरा छाए रहने के आसार है. ऐसे में दिल्ली में रहने वाली प्रतिमा देवी को इस कंपा देने वाली ठंड खुले आसमान के नीचे गुजारनी पड़ रही है. प्रतिमा देवी लगभग 250-300 आवारा कुत्तों की देखभाल करती हैं. महिला ने आरोप लगाया कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के कार्यकर्ताओं ने उसकी झुग्गी, दुकान और कुत्तों के लिए अस्थायी आश्रय को तोड़ दिया है. महिला कुत्ते प्रेमी और उनकी उम्र 80 वर्ष हैं. प्रतिमा देवी कई सालों से दिल्ली के साकेत इलाके में आवारा कुत्तों की देखभाल कर रही हैं. प्रतिमा देवी ने एएनआई को बताया कि एमसीडी कार्यकर्ताओं ने मेरी झुग्गी और दुकान को तोड़ दिया है. उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं ने मेरा सामान छीन लिया और मेरे कुत्तों को भी पीटा. प्रतिमा देवी ने बताया कि उनके पास कम से कम 250-300 कुत्ते हैं और अब वह अपने कुत्तों के साथ पेड़ के नीचे बैठी हैं.

250-300 कुत्तों को पाल रखा है

प्रतिमा देवी ने एएनआई को बताया कि उन्होंने 250-300 कुत्तों को मां की तरह पाल रखा है. उन्होंने बताया कि दुकान टूट जाने की वजह से वह सुबह से भूखी हैं और उन्होंने अपने कुत्तों को भी कुछ नहीं खिला सकी हैं. प्रतिमा देवी ने बताया कि वह 1984 में दिल्ली आई थीं, तब से लेकर आजतक वह सड़क में घूमने वाले कुत्तों की देखभाल कर रही हैं. उन्होंने कहा मैं यहीं रहना चाहती हूं और जब तक जिंदा हूं तब तक इन कुत्तों की देखभाल करना चाहती हूं. प्रतिमा ने बताया कि उनके पास काम ढूढ़ने की तलाश करने की शारीरिक शक्ति नहीं है. मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में अगले 5 दिन कोल्ड वेव की स्थिति बनी रहेगी.

छतरपुर में दो युवकों का कट्टा लहराते

सिगरेट का कश लगाते वीडियो वायरल, तलाश में जुटी पुलिस

छतरपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। मप्र के छतरपुर में दो युवकों का अवैध कट्टा कारतूस लहराते और सिगरेट का कश लगाते वीडियो सामने आया है, जो कि अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक वायरल वीडियो में दो युवक खेत के किनारे खड़े हैं और कट्टा कारतूस का प्रदर्शन करते हुए सिगरेट का कश लगाते नजर आ रहे हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि उन्होंने यह वीडियो सोशल मीडिया में ट्रेंड लाने के लिए और शक्ति प्रदर्शन के लिए वायरल किया होगा, जो कि छतरपुर जिले के किसी गांव का बताया जा रहा है।

पंजाब में कट्टरपंथियों से नजदीकियां बढ़ा रहे अकाली दल के चीफ सुखबीर बादल

कांग्रेस भी अपना चुकी है ये राह

चंडीगढ़, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के विधानसभा चुनाव में अपनी सियासी जमीन खो चुका शिरोमणि अकाली दल अब कट्टरपंथियों के साथ अपने नजदीकियां बढ़ा रहा है. बीते रविवार को शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल गुरुदासपुर में पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के हत्यारों में से एक सतवंत सिंह के घर पहुंचे थे. सुखबीर सिंह बादल की इस यात्रा को शिअद की कट्टर पंथिक राजनीति की ओर मुड़ने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है. दरअसल, शिअद नेता प्रकाश सिंह बादल और सुखबीर सिंह बादल लंबे समय तक इंदिरा गांधी के हत्यारे सतवंत सिंह और अन्य से जुड़े कार्यक्रमों से दूरी बना कर रखते थे. इस स्थिति में सुखबीर का ये फैसला पंजाब की राजनीति में कुछ अलग होने का इशारा कर रहा है. सुखबीर सिंह बादल की इस यात्रा को राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही भारत जोड़ो यात्रा से भी जोड़ा जा रहा है. जो कुछ ही दिनों में पंजाब में एंट्री करने वाली है.

भिंडरावाले के घर भी पहुंचे थे सुखबीर सिंह बादल

रिपोर्ट के अनुसार, शिअद नेता सुखबीर सिंह बादल कुछ दिनों पहले जनरैल सिंह भिंडरावाले के घर पर हुए एक कार्यक्रम में भी शामिल हुए थे. इससे पहले शिरोमणि अकाली दल ने संगरूर लोकसभा उपचुनाव में पूर्व सीएम बेअंत सिंह के हत्यारे बलवंत सिंह राजोआणा की बहन को अपना प्रत्याशी बनाया था. इस रिपोर्ट के अनुसार, शिरोमणि अकाली दल खासतौर से सिख और किसानों के बीच बेअदबी के मामलों और कृषि कानूनों के जरिये अपनी पार्टी को फिर से स्थापित करने के लिए लगातार कोशिशें कर रही है.

लंबे समय से एसएडी के साथ जुड़ा रहा सतवंत सिंह का परिवार

माना जाता है कि पंजाब विधानसभा चुनाव में भाजपा के साथ गठबंधन टूटने के चलते शिअद को हिंदू वोट नहीं मिले. जिसके चलते 117 विधानसभा सीटों वाले पंजाब में शिअद महज 3 सीटें ही जीत सकी थी. इसके बाद से ही शिरोमणि अकाली दल ने कट्टरपंथियों से मेलजोल बढ़ा दिया है. हालांकि, पार्टी के प्रवक्ता डॉ. दलजीत सिंह चीमा का कहना है कि हमारे एजेंडा में कोई बदलाव नहीं हुआ है. उन्होंने कहा कि हम धर्मनिरपेक्ष पार्टी हैं और हमेशा भाईचारे को बढ़ावा देते रहे हैं. उन्होंने कहा कि सतवंत सिंह का परिवार लंबे समय से अकाली दल के साथ जुड़ा रहा है.

कांग्रेस भी कर चुकी है कट्टरपंथ की यात्रा

लेखक और पत्रकार रहे कुलदीप नैयर ने अपनी आत्मकथा 'बियॉन्ड द लाइन' में लिखा था कि जरनैल सिंह भिंडरावाले को बढ़ावा देने में कांग्रेस नेता जैल सिंह का बड़ा हाथ था. एक संत के तौर पर पहचान रखने वाला भिंडरावाले के पास बाद में इतनी ताकत आ गई थी कि वो कानून को ही चुनौती देने लगा था. कहा जाता है कि पंजाब की तत्कालीन शिरोमणि अकाली दल की सरकार के खिलाफ भिंडरावाले का इस्तेमाल कांग्रेस ने किया था.

महाराष्ट्र के इस किसान ने खुद को जमीन के अंदर गाड़ लिया है?

मुंबई, 3 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के जालना जिले में एक किसान के अजीबोगरीब प्रदर्शन का मामला सामने आया है. यहां एक किसान ने सरकारी जमीन न मिलने पर खुद को जमीन में गाड़ लिया. किसान ने अपने पूरे शरीर को जमीन के अंदर कर लिया. सिर्फ उसका सिर जमीन से बाहर है. किसान का कहना है कि जब तक प्रशासन जमीन नहीं देगा तब तक वो इसी तरह से विरोध प्रदर्शन करेगा. पूरा मामला महाराष्ट्र के औरंगाबाद संभाग के जालना जिले के मंठा तहसील के खेलस गांव का है. यहां के सुनील जाधव नामक किसान ने खुद को जमीन के अंदर गाड़कर विरोध प्रदर्शन किया है. बताया गया कि सुनील की मां और उनकी मौसी को 2019 में कर्मवीर दादासाहाब गायकवाड सबलीकरण स्वाभिमान योजना के तहत 1 हेक्टेयर 35 आर जमीन प्राप्त हुई थी, लेकिन जमीन पर अभी तक उन्हें कब्जा नहीं दिया गया है. सुनील 2019 से लगातार तहसील और संबंधित कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उनकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है. सुनील जाधव के मुताबिक वो 2019 से लगातार सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं. इसके बावजूद उन्हें अभी तक कब्जा नहीं दिया गया है. उन्होंने कहा कि सरकार उनकी सुध नहीं ले रही है, जिसके कारण उन्हें विरोध प्रदर्शन का यह अजीब तरीका अपनाना पड़ा. सुनील ने कहा कि जब तक उन्हें उनकी जमीन का कब्जा नहीं दिया जाएगा तब तक को खुद को ऐसे ही गाड़ के रखेंगे.

मंत्रिमंडल गठन के लिए बड़े जिलों कांगड़ा और शिमला में फंसा पेच

करनी पड़ रही माथापच्ची

शिमला, 3 जनवरी (एजेंसियां)। नई सरकार के गठन के लिए प्रदेश के बडे.जिलों कांगड़ा और शिमला में पेच फंसा है। कांगड़ा और शिमला ने कांग्रेस को काफी सीटें दी हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू को यह तय करने में खूब माथापच्ची करनी पड़ रही है कि किसे मंत्री बनाया जाए। जो मंत्री नहीं बन पाएंगे, उनका तुष्टिकरण भी चुनौती होगा। इसके लिए तमाम समीकरण हल किए जा रहे हैं। जातीय, क्षेत्रीय और अन्य तमाम तरह के संतुलन भी साधे जा रहे हैं। सुक्खू ने सोमवार को दिल्ली में भी इस संबंध में हाईकमान से मंत्रणा की है। कांगड़ा और शिमला जिलों ने 40 में से 17 यानी 43 फीसदी सीटें दी हैं। कांगड़ा जिले में पंद्रह में से दस सीटें मिली हैं। यहां से चंद्र कुमार, सुधीर शर्मा, रघुवीर बाली, संजय रतन, आशीष बुटेल मंत्री बनने की दावेदारी में हैं। चंद्र कुमार और सुधीर शर्मा वीरभद्र सरकारों में भी मंत्री रहे हैं। रघुवीर बाली के पिता पूर्व मंत्री जीएस बाली वीरभद्र सरकार में मंत्री रहे हैं और आशीष बुटेल के पिता विधानसभा अध्यक्ष बृज बिहारी लाल बुटेल के बेटे हैं। जिला शिमला में कांग्रेस को आठ में से सात सीटें मिली हैं। यहां वीरभद्र खेमे को संतुष्ट करने के लिए विक्रमादित्य सिंह का मंत्री बनना तय माना जा रहा है।

हालांकि, विक्रमादित्य के अलावा रोहित ठाकुर वरिष्ठता के हिसाब से दूसरे प्रबल दावेदार हैं। ठियोग से कुलदीप राठौर बेशक पहली बार विधायक बने हैं, लेकिन उनके प्रदेशाध्यक्ष रहते कांग्रेस ने उपचुनाव में चारों सीटें जीती थीं। अनिरुद्ध सिंह तीन बार विधायक बने हैं, वह भी मंत्री बनने के लिए दावेदारी पेश कर रहे हैं।

मंडी, हमीरपुर, चंबा और कुल्लू में इस तरह के समीकरण

जिला मंडी में 10 सीटों में से कांग्रेस एकमात्र धर्मपुर ही जीत पाई है। धर्मपुर से कांग्रेस विधायक चंद्रशेखर को मंत्री या इस स्तर का कोई पद दिया जा सकता है। हमीरपुर से सुखविंद्र सिंह सुक्खू के मुख्यमंत्री बनने से सुजानपुर के विधायक राजेंद्र राणा और बड़सर के विधायक इंद्रदत्त लखनपाल के मंत्री बनने की संभावना कम हो गई है। चंबा में से पांच में कांग्रेस को दो विधायक मिले हैं। यहां से कुलदीप पठानिया का मंत्री बनना तय है। जिला कुल्लू में चार में से दो सीटों पर कांग्रेस जीती है। यहां कुल्लू के विधायक सुंदर सिंह ठाकुर मंत्री पद की दावेदारी में हैं।

सिरमौर से हर्षवर्द्धन, बिलासपुर से धर्माणी का मंत्री बनना तय

सिरमौर जिले में पांच में से तीन सीटों पर कांग्रेस की जीत हुई है। शिलाई के विधायक हर्षवर्द्धन वरिष्ठ विधायक हैं। उनका मंत्री बनना तय माना जा रहा है। जिला बिलासपुर में चार सीटों में से एक सीट ही कांग्रेस के खाते में आई है। घुमारवीं के कांग्रेस विधायक राजेश धर्माणी का भी मंत्री बनना तय माना जा रहा है।

जनजातीय मंत्री बनाने के लिए जगत नेगी, रवि में फंसा पेच

जनजातीय मंत्री बनाने के लिए जगत सिंह नेगी और रवि ठाकुर में पेच फंसा है। जगत सिंह नेगी विधानसभा के उपाध्यक्ष रह चुके हैं और वरिष्ठ विधायक हैं। रवि ठाकुर जनजातीय होने के साथ-साथ बौद्ध अल्पसंख्यक होने की बात कर भी अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं।

दिग्गजों के हारने से नए चेहरों के मंत्री बनने का रास्ता बना

कौल सिंह ठाकुर, रामलाल ठाकुर, आशा कुमारी, प्रकाश चौधरी और ठाकुर सिंह भरमौरी जैसे दिग्गजों के हारने से कई नए चेहरों का मंत्री का रास्ता साफ हुआ है। वीरभद्र सरकार में मंत्री रहे नेताओं में मुकेश अग्निहोत्री, धनीराम शांडिल, सुधीर शर्मा और चंद्र कुमार चुनाव जीते हैं। मुकेश अग्निहोत्री उप मुख्यमंत्री बन चुके हैं। वरिष्ठता के हिसाब से धनीराम शांडिल, सुधीर शर्मा और चद्र कुमार मंत्री बनने की पात्रता रखते हैं।

अवैध हथियार के साथ एक युवक गिरफ्तार पुलिस को नहीं दिखा सका लाइसेंस

नारनौल (हरियाणा), 3 जनवरी (एजेंसियां)। नारनौल में 152 डी एक्सप्रेस हाईवे पर बहरोड टी-प्वाइंट पुल के नीचे पुलिस ने अवैध हथियार के साथ एक व्यक्ति को दबोचा। पुलिस ने युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गांव थनवास निवासी संदीप 152-डी हाईवे पुल के नीचे बहरोड टी-प्वाइंट पर अवैध हथियार लिए खड़ा है और वह किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। पुलिस ने तुरंत एक टीम का गठन किया और बताए गए स्थान पर पहुंची। इस दौरान वहां खड़े एक युवक से पूछताछ की तो उसने अपना नाम संदीप बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से देसी पिस्टल बरामद हुई। संदीप से लाइसेंस मांगा तो वह उसके पास नहीं मिला। युवक ने बताया कि 10-15 दिन पहले उसने गांव के राहुल उर्फ कल्लू से 8000 रुपये में खरीदा था। पुलिस ने युवक को काबू कर लिया। इसके बाद संदीप ओर राहुल उर्फ कल्लू के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

सीएम सुक्खू की जन आभार रैली में दिल का दौरा पड़ने से एसपी की मौत

धर्मशाला, 3 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की जन आभार रैली में पुलिस अधिकारी को दिल का दौरा पड़ गया। एसपी एसआर राणा जंगलबैरी बटालियन में तैनात थे। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। लेकिन उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। साजू राम राणा बिलासपुर के पूर्व एसपी भी रह चुके हैं।

कड़ाके की ठंड का असर, कुछ जिलों में स्कूलों की छुट्टी

कहीं टाइम बदला, घने कोहरे से भी बढ़ी मुश्किलें

भोपाल, 3 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। प्रदेश में ठंडी हवाओं के चलते शीत लहर चल रही है। वहीं, घने कोहरे ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अगले कुछ दिन ऐसे ही स्थिति रहेगी। इसके बाद तापमान थोड़ा बढ़ेगा। शीत लहर चलने के कारण मुरैना, शिवपुरी जिले में आठवीं कक्षा तक सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई। भोपाल में भी स्कूल के समय में परिवर्तन करने के आदेश जारी किए गए हैं। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में में रीवा, सागर, भोपाल, चंबल एवं ग्वालियर सभाग, नीमच, मंसदौर, नर्मदापुरम में जिले में अगले 24 घंटे में मध्यम से घना कोहरा कहीं कहीं रहने की चेतावनी जारी की है। मौसम विशेषज्ञ पीके साह ने कहा कि अगले एक दो दिन अभी ठंड के साथ घना कोहरा रहेगा। साहा ने बताया कि उत्तरखंड और जम्मू कश्मीर से कुछ दिन पहले पश्चिमी विक्षोम क्रास हुआ है। जिसके चलते उत्तर से ठंडी हवाएं आ रही है। इस वजह से तापमान गिर गया है। एक-दो दिन में पश्चिमी विक्षोम का प्रभाव कम होने पर तापमान में बढ़ोतरी होगी।

स्कूलों में छुट्टी और समय बदला

भोपाल में शीत लहर के चलते मंगलवार को कलेक्टर ने स्कूलों का समय बदलने के आदेश जारी कर दिए। सरकारी और निजी स्कूलों का समय 9.30 बजे और दो पालियों में लगने वाले स्कूलों का समय 9 बजे कर दिया गया। इसके अलावा आंगनवाड़ी भी 9.30 बजे से करने के आदेश दिए गए है। शिवपुरी, मुरैना में कक्षा आठवीं तक सभी स्कूलों में 7 जनवरी तक छुट्टी घोषित कर दी गई।

सांबा में अंतरराष्ट्रीय सीमा के एक किलोमीटर के दायरे में नाइट कर्फ्यू

जम्मू, 3 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के जिला सांबा में प्रशासन ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के एक किलोमीटर के दायरे में रात्रि कर्फ्यू लागू कर दिया है। यह प्रतिबंध अगले दो महीने तक रात नौ बजे से सुबह छह बजे तक जारी रहेगा। मौजूदा समय में सुरक्षा की स्थिति को देखते हुए सांबा जिला मजिस्ट्रेट अनुराधा गुप्ता ने यह आदेश जारी दिया है। आदेश में साफ कहा गया है की आगामी गणतंत्र दिवस और मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखते हुए रात 9:00 बजे से लेकर सुबह 6:00 बजे तक बॉर्डर के आसपास एक किलोमीटर के दायरे में कर्फ्यू रहेगा।

बैतूल में नाबालिग से रेप, उपद्रवियों ने आरोपी की कार जलाई

बैतूल, 3 जनवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के बैतूल में रात एक क्षेत्र में नाबालिग लड़की से रेप की घटना के बाद तनाव भड़क गया। नाबालिग के साथ दुराचार के मामले में फरार आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर लोग आक्रोशित हो गए। तनाव इतना बढ़ गया कि आरोपी के घर के सामने खड़ी उसकी कार में उपद्रवियों ने आग लगा दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बल प्रयोग कर माहौल को शांत करने की कोशिश की। बैतूल कोतवाली थाना क्षेत्र में सोमवार की शाम कुछ लोग एक नाबालिक लड़की को कोतवाली थाना क्षेत्र लेकर पहुंचे। उनकी

शिकायत थी कि एक 11 साल की नाबालिग के साथ आटा चक्की चलाने वाले रमेश गुलहाने ने दुराचार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 376 और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। वहीं, मामले को लेकर स्थानीय नागरिकों ने पुलिस से आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की है। घटना को लेकर कुछ उपद्रवियों ने आरोपी के घर के सामने खड़ी उसकी कार में आग लगा दी, जिसे तत्काल बुझा दिया गया । क्षेत्र में तनाव पैदा होने और उपद्रवियों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने हल्का बल का प्रयोग किया। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे जिले से पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंच गया। देर रात तक पुलिस बल घटनास्थल पर मौजूद था। इस दौरान कुछ उपद्रवियों को पुलिस ने हिरासत में भी ले लिया। घटना को लेकर बैतूल एडिशनल एसपी नीरज सोनी का कहना है कि एक अधेड़ व्यक्ति ने बालिका के साथ दुष्कर्म की वारदात की है। शिकायत मिलने पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। इस बात को लेकर कुछ युवकों में आक्रोश था उनको समझाइश दी गई। लेकिन आक्रोश बढ़ने पर हल्का बल प्रयोग कर उनको तितर-बितर किया गया। जिले का पूरा बल इकट्ठा कर लिया गया है। आरोपी की तलाश में पार्टी भी रवाना हो गई है। स्थिति अभी सामान्य है कार जलाने का प्रयास किया गया, उसको तत्काल बुझाया गया, जो उपद्रवी हैं उनकी पहचान कर ली गई है और उनको हिरासत में लिया है।

आज केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने बुलाई बैठक

हरियाणा व पंजाब के सीएम होंगे शामिल

चंडीगढ़, 3 जनवरी (एजेंसियां)। सतलुज-यमुना लिंक नहर (एसवाईएल) के मुद्दे पर एक बार फिर से पंजाब और हरियाणा के मुख्यमंत्रियों के बीच बैठक होगी। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने चार जनवरी को दिल्ली में दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों को बैठक में बुलाया है। केंद्र के हस्तक्षेप के बाद यह बैठक बुलाई गई है। हालांकि इससे पूर्व चंडीगढ़ में हुई दोनों मुख्यमंत्रियों की बैठक बेनतीजा रही थी। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने हाथ जोड़कर एसवाईएल का पानी देने से हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को इनकार कर दिया था। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए एसवाईएल निर्माण के लिए समय सीमा तय करने को कहा था। इसके जवाब में पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा कि उनके राज्य में पानी नहीं है, ऐसे में नहर निर्माण का सवाल ही नहीं उठता। अगर हरियाणा में पानी की कमी है तो प्रधानमंत्री से संपर्क कर यमुना व गंगा से पानी की व्यवस्था का अनुरोध कर सकते हैं। नवंबर माह में दो घंटे तक चली मैराथन बैठक में कोई नतीजा नहीं निकला तो मान ने तय एजेंडे के तहत यह कहकर बात समाप्त कर दी कि इस मामले में प्रधानमंत्री ही बैठक कर कोई हल निकाल सकते हैं। इस मामले में अब चार जनवरी को क्या हल निकलता है यह देखना होगा, क्योंकि अभी तक की सभी बैठकों में एसवाईएल के पानी का कोई हल नहीं निकाला। भाजपा सरकार के हरियाणा में गठन के साथ ही तत्कालीन गृह मंत्री राजनाथ सिंह के समक्ष भी चंडीगढ़ स्थित ताज होटल में बैठक हुई थी। लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला था।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 4 जनवरी, 2023

सड़क पर हैवानियत?

पूरा देश जहां नए साल के जश्न में डूबा हुआ था, वहीं दिल्ली के कंझावला में मां-बाप की उम्मीद रही एक लड़की को एक कार ने सिर्फ कुचल दिया बल्कि लगभग बारह किमी तक घसीटते हुए ले गई। इस हृदय विदारक घटना ने न सिर्फ लड़की के चीथड़े उड़ गए बल्कि उसकी मौत भी हो गई। यह सब हुआ दिल्ली की सड़कों पर घूम रहे रईसजादों की हैवानियत से। खबरों के अनुसार मृत युवती एक इवेंट कंपनी में काम करती थी। रात में जब वह अपनी स्कूटी से घर लौट रही थी तो एक कार ने उसे टक्कर मार दी। जिससे लड़की कार के नीचे फंस गई और चालक को इसकी भनक तक न लगी। नतीजा, कार उस लड़की को कई किलोमीटर तक घसीटती रही और आखिरकार लड़की का निर्वस्त्र मृत शरीर सड़क पर पाया गया। अब दिल्ली पुलिस इसे सिर्फ एक दुर्घटना बता रही है। पुलिस के अनुसार कार में तेज संगीत बज रहा था और उसमें बैठे लोग नशे में थे, इसलिए, उन्हें पता ही नहीं चल पाया कि उनकी कार के नीचे कोई फंसा हुआ घिसट रहा है। लाश देख कर आशंका जताई जा रही थी कि आरोपियों ने लड़की के साथ दुर्व्यवहार किया होगा और फिर उसे जान से मारने का यह तरीका निकाला होगा। लेकिन पुलिस ने ऐसी किसी भी थ्योरी से इनकार किया है। फिर भी पुलिस इस घटना की गहराई से जांच में जुटी है। कार में बैठे पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बहरहाल, इस घटना से उठे कुछ सवालों के जवाब स्पष्ट नहीं हैं। इस घटना का एक प्रत्यक्षदर्शी भी है, जिसने पुलिस को फोन पर सूचना दी। जब उसने देखा कि एक कार लड़की को घसीटती ले जा रही है, तो वह उसका पीछा करता रहा। उसने कई बार पुलिस को फोन किया, मगर पुलिस मौके पर जब पहुंची, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। सवाल है कि सूचना मिलने के करीब पौन घंटे तक पुलिस वहां क्यों नहीं पहुंची। नए साल पर शराब पीकर हुड़दंग करने, बेढंगे तरीके से गाड़ी चलाने वालों पर नजर रखने के लिए दिल्ली में अतिरिक्त पुलिस तैनात की गई थी। सड़कों पर जगह-जगह चेकिंग नाके लगाए गए थे। गश्ती वाहन चौकन्ने थे। फिर कैसे इस तरह तथाकथित नशे में धुत कार सवार लड़की को घसीटते हुए कई किलोमीटर तक ले जा पाए और चौकन्नी पुलिस को भनक तक नहीं लग सकी। सवाल है कि सूचना मिलने के बावजूद पुलिस को उनका पीछा करना क्यों जरूरी नहीं लगा? यह भी कि टक्कर मारने के बाद भी चालक को कैसे पता नहीं चला? कैसा संयोग है कि एक लड़की उनकी गाड़ी के नीचे फंस कर घिसटती रही और गाड़ी में सवार किसी को भी कुछ असामान्य कैसे नहीं महसूस हुआ। फिर, अगर लड़की सचमुच कार के नीचे फंस गई थी और घिसटने से उसके सारे कपड़े फट गए, तो एक कपड़ा कैसे इतना मजबूत साबित हुआ कि दूर तक लड़की को बांधे रहा। इस घटना की तरीके से जांच की जाए तो कुछ सवालों के जवाब अपने आप मिल जाएंगे। देखा जाए तो पिछले कुछ सालों से दिल्ली में एक के बाद एक जघन्य अपराध आए दिन हो रहे हैं। कुछ ही दिनों पहले दिल्ली के छावला इलाके में जिस तरह एक लड़की से बलात्कार और फिर बड़े अमानवीय ढंग से उसकी हत्या कर दी गई थी, उसे लोग भूले नहीं हैं। रास्ता चलती किसी लड़की को उठा लेना और उससे बदसलूकी करना जैसे आपराधियों के लिए सामान्य सी बात हो गई है। इन सबके पीछे तो यही लगता है कि कहीं न कहीं पुलिस और कानून का इकबाल खत्म हो गया लगता है। पुलिस के पास शायद ही इस बात का कोई माकूल जवाब है कि नए साल की पूर्व संध्या पर उसके कड़ी निगरानी और चौकसी के दावे के बावजूद एक युवती को इस तरह सरेआम कार से कुचल दिया गया और पुलिस को कुछ दिखाई भी नहीं दिया। जब घोषित चौकसी के बावजूद ऐसी जघन्य घटनाएं दिल्ली में हो रही हैं, तो सामान्य दिनों में पुलिस की तत्परता और महिला सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्धता का अंदाजा लगाने में कोई कठिनाई नहीं होना चाहिए। जब पुलिस अपने दायित्वों का ठीक से निर्वहन नहीं कर पाता तो इसी तरह अपराधियों के हौसले बुलंद हो जाते हैं। इसलिए सबसे पहले दिल्ली पुलिस के ही पेंच टाइट करने की जरूरत महसूस की जाने लगी है।

प्रतिभा पलायन भारत के लिए एक चुनौती

संजीव ठाकुर

विगत दो दशकों में प्रतिभा पलायन भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है शिक्षा के क्षेत्र में बड़े शिक्षा संस्थानों में भारी-भरकम खर्च के बाद शिक्षित युवक विदेशों में अपनी सेवाएं प्रदान करने को सदैव तत्पर रहते हैं इसका बड़ा कारण विदेशी मुद्रा की कमाई और विदेशी चकाचौंध के तरफ आकर्षण ही होता है। इससे भारत के आर्थिक तंत्र पर बड़ा भार प्रत्यारोपित होता है। इतना खर्च कर के पढ़ाई करने के बाद भारतीय युवा मस्तिष्क भारत के विकास में योगदान न दे तो देश के लिए विडंबना की भांति है। भारत के इतिहास पर नजर डालें, तो नालंदा,तक्षशिला, शांति निकेतन,और पाटलिपुत्र जैसे बड़े शिक्षा के केंद्र रहे हैं। सदैव अलग-अलग देशों से शिष्य शिक्षा प्राप्त करने भारत आते रहे हैं। अब ऐसा क्या हो गया है कि भारत से तकनीकी, चिकित्सकीय और संचार माध्यमों, मैनेजमेंट की पढ़ाई के लिए, भारत से लगभग दो से ढाई लाख छात्र विदेश में पढ़ने के लिए जाने लगे हैं। वहीं भारत सरकार का सदैव प्रयास रहा है की विदेशी छात्र हिंदुस्तान में पढ़ाई के लिए देश में आए और और हिंदुस्तानी डिग्री लेकर अपने देश में लौटे। इस तरह भारत सरकार द्वारा भारत को एक बड़ा शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। और किसके लिए एक अभियान फेलोशिप कार्यक्रम चलाया गया है। इसके अलावा सरकार द्वारा एक प्रोजेक्ट डेस्टिनेशन इंडिया भी शुरू किया गया है। जिसके अंतर्गत विदेशी छात्रों की प्रवेश की प्रक्रिया को अत्यंत सरल सुगम बनाना है जिससे ज्यादा से ज्यादा छात्र भारत में पढ़ कर डिग्री हासिल करें अभी वर्तमान में भारत में आसियान देशों के निवासी छात्रों की संख्या लगभग सवा दो लाख के करीब है मानव संसाधन विभाग द्वारा इसे आगामी वर्षों में चार गुना करना चाहती है। आसियान देशों के छात्र भारत में पढ़ने से थोड़ा हिचकिचाते भी हैं,जिसके अनेक कारणों में से अपराधिक गतिविधियां, प्रदूषण, गर्मी, प्रवेश की लंबी लंबी प्रक्रिया, और भारतीय डिग्री की मान्यता नहीं होना भी शामिल है भारत में बारह से चौदह ऐसे शिक्षा संस्थान हैं, जो विश्व के 200 मान्यता प्राप्त संस्थानों में शामिल हैं। भारत में शिक्षा प्राप्त करना कम ख़र्च में संभव है, पर भारत के छात्र अ मे रि का , ऑ स्ट्रे लि या , कनाडा,सिंगापुर में पढ़ना चाहते हैं जहां पढ़ने का खर्च डॉलर में यहां से चार गुना पड़ता है। जबकि भारत में आए छात्रों का पढ़ाई तथा खाने-पीने रहने का खर्च लगभग एक चौथाई होता है, फिर भी भारत के अभिभावक अपने बच्चों को विदेश भेजने में वरीयता देते हैं। भारत द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है कि भारत के विश्वविद्यालयों की शिक्षा की गुणवत्ता विदेशी स्तर पर हो,पर इसमें काफी समय लगने की गुंजाइश भी है। यह भी संभव होगा कि विदेशी विश्वविद्यालयों की शाखाएं भारत में खोल दी जाए, और भारत के छात्र भारत में ही रह कर अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें। असल चिंता की बात यह है कि विदेश में जाने वाले छात्र वहां पढ़कर वही के संस्थानों में अपनी नौकरी खोज कर वहीं रहने लगते है।

आरईवीएम चुनाव आयोग की शानदार पहल

सुरेश गांधी

हो जो भी सच तो यही है कि तमाम जागरुकता अभियान के बावजूद 60 से 65 फीसदी मतदान हो पाता है। या यूं कहे कई चुनाव क्षेत्रों में तकरीबन आधी आबादी की मतदान में सहभागिता नहीं हो पाती है। इसकी बड़ी वजह है कि अधिकांश मतदाता किसी न किसी बीमारी, समस्या, शिक्षा या रोजगार आदि के सिलसिले में बाहर रहते है। लेकिन अब यदि आयोग मशीन को त्रुटिहीन बनाते हुए रिमोट इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (आरईवीएम) सिस्टम लागू किया तो यह चुनाव आयोग की क्रांतिकारी पहल कहलायेगी। या यूं कहे शत-प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को हासिल करने में कामयाबी मिलेगी। बता दें, किसी भी राष्ट्र के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण है। या यूं कहे लोकतंत्र की मजबूती का रीढ़ होता है। इसमें राष्ट्र के प्रत्येक मतदाता को अपना संविधान प्रदत्त नेता चुनने की आजादी होती है। यह तभी संभव है जब शत-प्रतिशत मताधिकार का प्रयोग हो, लेकिन इसे संयोग कहें या दुर्भाग्य 50 से 60 फीसदी मतदाता ही इस महायज्ञ में शामिल हो पाते है। लेकिन अब चुनावों के दौरान यह मशीन उन घरेलू प्रवासियों के लिए वरदान साबित होगी, जो शिक्षा, चिकित्सा और रोजगार के सिलसिले में अपने चुनाव क्षेत्रों से बाहर रहते हैं। आरईवीएम को चुनाव प्रक्रिया में शामिल करने के बाद जो प्रवासी जहां है, वहीं से मतदान कर सकेगा। निश्चित ही इसके लागू होने से मतदान का प्रतिशत बढ़ेगा एवं लोकतंत्र में जनभागीदारी अधिकतम होने लगेगी। चुनाव आयोग के मुताबिक अपने चुनाव क्षेत्रों से बाहर रहने के कारण करीब 30 करोड़ मतदाता मतदान से वंचित रह जाते हैं। शिक्षा या रोजगार की व्यस्तता के कारण उनके लिए अपने क्षेत्र में पहुंचकर मतदान करना सुविधाजनक नहीं होता। आरईवीएम के जरिए ऐसे मतदाताओं को चुनाव प्रक्रिया में शामिल कर मतदान प्रतिशत बढ़ाने में काफी मदद मिलेगी, जो भारतीय लोकतंत्र को अधिक सशक्त एवं प्रभावी बना सकेगा। चुनाव आयोग 16 जनवरी को नई दिल्ली में इस मॉडल का प्रदर्शन कर राजनीतिक पार्टियों से सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित करेगा। इसके बाद देश में चुनाव प्रक्रिया के एक और क्रांतिकारी कदम की दिशा में आगे बढ़ा जाएगा। इसी तरह की क्रांति की शुरुआत 1982 में हुई थी, जब केरल के एक विधानसभा क्षेत्र में पहली बार ईवीएम का प्रायोगिक तौर पर इस्तेमाल किया गया था। जिस तरह ईवीएम ने चुनाव प्रक्रिया की तस्वीर बदली, उसी तरह का बड़ा बदलाव आरईवीएम का दौर शुरू होने के बाद देखने को मिलेगा। यह अलग बात है कि धांधली व बूथ कैपचरिंग न कर पाने वाले राजनेता या उनकी पार्टियां आज भी इवीएम का रोना रोते रहती है। और शायद यही ववज भी हो कि राजनीतिक पार्टियां आयेग के इस ऐतिहासिक फैसले पर नुख्ती-चीनी करे। मतलब साफ है आयोग को इस कड़े फैसले के लिए माता सीता जैसी इन राजनीतिक दलों के समक्ष अग्नि परीक्षा देनी पड़े। ठीक उसी तरह जैसे नोटबंदी व मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से जोडने के दौरान हुआ था। प्रस्ताव पर सवाल उठे थे, उसी तरह अब आरईवीएम को लेकर भी विपक्षी दल शंकाएं उठा रहे हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का कहना है, विभिन्न क्षेत्रों की ईवीएम दूसरे स्थानों पर होंगी तो संदेह पैदा हो सकता है। इससे लोगों का चुनाव प्रणाली में भरोसा कमजोर होगा। दूसरी तरफ पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस. वाई. कुरैशी ने इसे शानदार पहल बताते हुए कहा कि यह अच्छी बात है कि आयोग यह सब लोकतांत्रिक तरीके से कर रहा है। लोकतंत्र का हित इसी में है कि घरेलू प्रवासियों के मतदान से दूर रहने की समस्या के समाधान के लिए नकारात्मक की बजाय सकारात्मक रवैया अपनाया जाए। मेरा माना है कि बूथ कैपचरिंग व मतदाताओं को धमकी देकर बूथ तक न पहुंचने देने व शराब-शवाब व नोटो का सब्जबाग दिखाकर मतदान को प्रभावित करने वाले नेता या उनकी पार्टी कभी नहीं चाहेंगे चुनाव प्रक्रिया साफ सुथरी हो। हालांकि 80 फीसदी मतदाता यही चाहता है कि चुनाव स्वच्छ हो। उसका कहना है कि आरईवीएम की शुरुआत से चुनाव प्रक्रिया की तस्वीर बदलेगी, मतदाता जहां ज्यादा जागरूक होगा, राजनीतिज्ञ भी ज्यादा समझदारी से चुनाव में हिस्सेदारी करेंगे। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है. इसकी जनसंख्या भी काफी ज्यादा है लेकिन चुनावी रजिस्ट्रेशन और वोटर्स में बढ़ोतरी होने के बावजूद वोटिंग प्रतिशत में गिरावट एक मुख्य समस्या बनी हुई है. इसका कारण प्रवासी मतदाता हैं. 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में 45.36 करोड़ भारतीय (37 प्रतिशत) प्रवासी हैं, जो काम या किसी अन्य कारण के चलते अपने घरेलू निर्वाचन क्षेत्र से दूर रह रहे हैं. हालांकि चुनाव आयोग के समक्ष ऐसे लोगों की पहचान करने में समस्या आड़े आयेगी जो बाहर रह रहे है या वहां मतदान केंद्र की स्थापना करना। लेकिन मेरा मानना है आयोग यदि ऑनलाइन वोटिंग सिस्टम कर दें तो समस्या काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके लिए आयोग को चाहिए कि जिस तरह वह मतदान से पूर्व घर-घर पर्ची भेजती है उसी तरह बंद पर्ची के साथ लोगों को मतदान के लिए यूजर्स एवं पासवर्ड देकर मतदान की समयावधि सुनिश्चित कर दें और जो बाहर है वे अपना मतदान पहचान पत्र दिखाकर उस इलाके के बीएलओं या संबंधित मतदान कर्मी से यूजर्स एंड पासवर्ड हासिल कर लें। फिरहाल इस बड़ी बाधा को दूर करना चुनाव आयोग के सम्मुख एक बड़ी चुनौती होगी। सिख नेता एवं व्यापारी नेता अजीत सिंह बग्गा कहना है कि जनतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण पहलू चुनाव है, जनतंत्र में स्वस्थ मूल्यों को बनाये रखने के साथ उसमें सभी मतदाताओं की सहभागिता को सुनिश्चित करना जरूरी है। इसके लिये आरईवीएम के प्रयोग का प्रस्ताव सैद्धांतिक तौर पर एक सराहनीय एवं जागरूक लोकतंत्र की निशानी है। क्योंकि आजादी के बाद से ही जितने भी चुनाव हुए है, उनमें लगभग आधे मतदाता अपने मत का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं, ऐसा हर चुनाव में होता आया है। इसलिए लंबे समय से मांग उठती रही थी कि ऐसे लोगों के लिए मतदान का कोई व्यावहारिक एवं तकनीकी उपाय निकाला जाना चाहिए। उसी के मद्देनजर निर्वाचन आयोग के द्वारा घरेलू प्रवासियों के लिए आरवीएम का प्रस्ताव एक सूझबूझभरा एवं दूरगामी सोच एवं विवेक से जुड़ा उपक्रम है। जरूरत है राजनीतिक दल ऐसे अभिनव उपक्रम का विरोध करने या अवरोध खड़ा करने की बजाय उसका अच्छाइयों को स्वीकार करते हुए स्वागत करें। चुनाव आयोग को चाहिए कि ईवीएम की तरह आरवीएम में भी होने वाले भ्रम को दूर कर इसे भी पारदर्शी बनाने की पहल करें। आरवीएम को भी ईवीएम की तरह भरोसेमंद बनाना होगा। सबसे बड़ा विरोध कांग्रेस की ओर से इसके भरोसेमंद एवं निष्पक्ष होने के लेकर है, जाहिर है, कांग्रेस के साथ-साथ दूसरे दलों की तरफ से भी ऐसे एतराज उठने की संभावना है। मगर यह प्रस्ताव अगर किन्हीं वजहों से व्यावहारिक रूप नहीं ले पाता, तो ऐसे करोड़ों लोगों का मताधिकार फिर अंधेरों में रहेगा। तमाम अपीलों और जागरूकता अभियानों के बावजूद हर चुनाव में कई निर्वाचन क्षेत्रों में पचास प्रतिशत से भी कम मतदान हो पाता है। इस तरह जन प्रतिनिधित्व का मकसद ही अधूरा हो जाता है। इसे दूर करना जितना निर्वाचन आयोग का नैतिक और संवैधानिक दायित्व है, उतना ही राजनीतिक दलों को भी इसे सुनिश्चित करने में अपनी सकारात्मक पहल करनी चाहिए।

अब प्रवासी वोटर्स भी दे सकेंगे वोट

बता दें, चुनाव आयोग घरेलूप्रवासी वोटर्स के लिए नई सुविधा शुरू करने जा रहा है. इसके तहत अब चुनाव के दौरान प्रवासी मतदाताओं को वोट डालने के लिए गृह राज्य जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी. चुनाव आयोग इसके लिए रिमोट वोटिंग सिस्टम शुरू करने जा रहा है. इसके लिए चुनाव आयोग ने दूरस्थ ईवीएम का प्रोटोटाइप तैयार किया है. योग ने 16 जनवरी को सभी पार्टियों के लिए इसका लाइव डेमो भी रखा है.चनाव आयोग के मुताबिक घरेलू प्रवासी मतदाताओं के लिए मल्टी कॉन्सिट्यूएंसी रिमोट ईवीएम तैयार की है. यह एक सिंगल रिमोट पोलिंग बूथ से 72 निर्वाचन क्षेत्रों को संभाल सकती है. इसके अंतर्गत यानी रिमोट वोटिंग सिस्टम से कहीं से भी मतदाता वोट डाल सकेंगे। इसकी मदद से प्रवासी मतदाताओं को वोटिंग प्रक्रिया में भाग लेने के लिए अपने गृह राज्य आने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बच्चों की मौत का जिम्मेदार कौन? जवाब दें फार्मा कंपनियां

आर.के. सिन्हा

बीते कुछ दिनों में दो खबरें आईं, जिससे भारत के फार्मा सेक्टर की छवि पर गहरा असर पड़ा है। पहले तो अफ्रीकी देश गाम्बिया में एक भारतीय फार्मा कंपनी का सिरप पीने के कारण 60 से अधिक शिशुओं का निधन हो गया। कहना न होगा कि उस घटना से देश के फार्मा सेक्टर की भारी बदनामी हुई है। हालांकि, सिरप बनाने वाली कंपनी का दावा है कि उसकी सिरप में कोई गड़बड़ नहीं थी। अब उज्बेकिस्तान ने भी आरोप लगाया कि भारत में बना कफ सिरप देने की वजह से उनके देश में भी 18 बच्चों की जान चली गई। इस मामले में हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने जांच में सहयोग करने की बात कही। वहीं, भारत सरकार ने भी उज्बेकिस्तान सरकार के आरोपों की जांच का फैसला किया है। उज्बेकिस्तान ने कहा नोएडा की एक फार्मा कंपनी में बना कफ सिरप पीने से उनके यहां बच्चों की जान चली गई है। उज्बेकिस्तान का दावा है कि कफ सिरप में एथिलीन ग्लाइकॉल है, जो कि विषैला पदार्थ होता है। इसके इस्तेमाल से उल्टी, बेहोशी, ऐंठन, किडनी फेलियर और दिल से जुड़ी समस्या हो सकती है। जब बच्चों को यह सिरप पिलाई गई तो एक दर्जन से ज्यादा बच्चों की जान चली गई। बेशक, ये दोनों मामले बहुत गंभीर और दुखद हैं। इनकी तह तक जाँच भी होनी चाहिए और दोषियों को सख्त सजा भी मिलनी चाहिये I कहना न होगा कि भारत के संबंधित विभागों को सारे मामले की निष्पक्ष जांच करनी होगी। जांच के बाद अगर कोई दोषी पाया जाता है तो उस पर कठोर एक्शन भी लेना होगा। इन घटनाओं पर लीपापोती नहीं की जा सकती। ये अक्षम्य अपराध है। भारत का फार्मा क्षेत्र का निर्यात 1.83 लाख करोड़ रुपये से अधिक का माना जाता है। पर यह याद रखना होगा कि हमारे फार्मा सेक्टर की ग्रोथ पर नकारात्मक असर पड़ सकता है, अगर हमने आगे चलकर अपने उत्पाद विश्व स्तरीय न बनायें। वैसे भी हमारी फार्मा कंपनियों पर आरोप लगता ही है कि वे अनुसंधान पर बहुत कम धन खर्च करती हैं। हां, इस बाबत कुछ ही कंपनियां अपवाद हैं। किसी भी ईमानदार जांच से पता चल जाएग कि हमारी अधिकतर फार्मा कंपनियां नई दवाओं को ईजाद करने में बहुत कम निवेश करती हैं। याद रखिए कि बड़ी कंपनी वही होती है जो नई-नई दवाओं को ईजाद करती है। किसी कंपनी की पहचान इसलिए नहीं होती कि उसका मुनाफा या निर्यात कितना है और कितना बढ़ रहा है। बड़ी कंपनी वही मानी जाती है जो अनुसंधान कर नई नई असरदार दवायें मार्केट में लाये I बहरहाल, बच्चों की मौतों के बाद उज्बेकिस्तान और भारत में जांच शुरू हो चुकी है। उत्तर प्रदेश ड्रग कंट्रोलिंग एंड लाइसेंसिंग अथॉरिटी ने एक जॉइंट इन्क्वायरी शुरू कर दी है। देखिए, भारत का मित्र है उज़्बेकिस्तान। सोवियत संघ के विघटन के बाद से भारत-उज़्बेकिस्तान के सम्बन्ध लगातार करीब आते रहे हैं। प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने 1993 में उज़्बेकिस्तान की यात्रा की थी। उस दौरान, दोनों देशो के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग पर हस्तक्षार हुए साथ ही ताशकंद के विश्व आर्थिक और कूटनीति विश्वविद्यालय में इंडियन चेयर की घोषणा और ताशकंद में भारतीय सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना की गयी। इसी प्रकार भारत और उज़्बेकिस्तान के रिश्तो को मजबूती प्रदान करने के लिए 2006 में 8 समझौतों पर हस्ताक्षार किया गया। उज़्बेकिस्तान के राष्ट्रपति करीमोव द्वारा 1994, 2000, 2005 व 2011 में भारत की यात्रा की गयी। उनकी 2011 में की गयी यात्राएं बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है I क्योंकि, भारत और उज़्बेकिस्तान के बीच सामरिक साझेदारी पर हस्ताक्षर हुए, जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय सहयोग को गति देना था। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2015 में उज़्बेकिस्तान की सफल यात्रा की। यानी भारत-उज़्बेकिस्तान के संबंध लगातार मतबूत होते रहे। जिस तरह भारत का मित्र है उज़्बेकिस्तान। उसी तरह से अफ्रीकी देश गाम्बिया भी भारत का मित्र देश है। भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 2015 में गाम्बिया की यात्रा पर गए थे। उन्होंने वहां पर गाम्बिया की संसद को संबोधित करते हुए कहा था कि अफ्रीका का भविष्य का आर्थिक अनुमान और भारत का विकास दोनों ही एक दूसरे के पूरक हो सकते हैं। भारत-गाम्बिया के व्यापार और निवेश संबंधों में प्रगति हो रही है। गाम्बिया से युवा शिक्षा, कौशल और डिजिटल क्षेत्र में ज्ञान प्राप्ति के लिए भारत आते हैं। वहां भारतीय मूल के लोग भी हैं। दरअसल समूचा अफ्रीका भारत का गांधी जी के रंगभेद के खिलाफ किए आंदोलन के कारण आदर करता है। भारत सभी 54 अफ्रीकी देशों से बेहतर संबंध स्थापित करने को लेकर प्रतिबद्ध है। भारत अफ्रीका में बड़ा निवेशक भी है। अफ्रीका में टाटा, महिन्द्रा, भारती एयरटेल, बजाज आटो, ओएनजीसी जैसी प्रमुख भारतीय कंपनियां कारोबार कर रही है। भारती एयरटेल ने अफीका के करीब 17 देशों में दूरसंचार क्षेत्र में 13 अरब डालर का निवेश किया है।

भारतीय कंपनियों ने अफ्रीका में कोयला, लोहा और मैगनीज खदानों के अधिग्रहण में भी अपनी गहरी रुचि जताई है। इसी तरह भारतीय कंपनियां दक्षिण अफ्रीकी कंपनियों से यूरेनियम और परमाणु प्रौद्योगिकी प्राप्त करने की राह देख रही है। दूसरी ओर अफ्रीकी कंपनियां एग्रो प्रोसेसिंग व कोल्ड चेन, पर्यटन व होटल और रिटेल क्षेत्र में भारतीय कंपनियों के साथ सहयोग कर रही हैं। पहले गाम्बिया और अब उज़्बेकिस्तान में भारतीय फार्मा कंपनियां सवालों के घेरे में हैं। हमें मित्र देशों की भावनाओं को समझना होगा और यथोचित सम्मान भी करना होगा । अगर ये हमारी फार्मा कंपनियों पर कोई आरोप लगा रहे हैं, तो उसे नजरअंदाज करना मुश्किल है। गाम्बिया और उज़्बेकिस्तान की घटनाओं को सारी दुनिया के मीडिया ने जगह दी है। सच में यह एक विकट और गंभीर स्थिति है।

कश्मीर में ताजा आतंकी वारदातों से उपजे सवाल

मनोज कुमार अग्रवाल

साल के पहले ही दिन जम्मू-कश्मीर में तीन आतंकी घटनाएं हुई हैं जबकि दूसरे दिन आज सोमवार को भी आतंकियों ने कश्मीर में आइईडी ब्लास्ट किया है । रविवार को देर शाम राजौरी में आतंकियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें मरने वालों की तादाद चार थी लेकिन आज के ब्लास्ट में छह और लोगों की मौत हो गई है। दर्जनों लोग घायल हैं। अतिरिक्त डीजीपी मुकेश सिंह के मुताबिक साल के पहले दिन आतंकियों ने 3 हिन्दुओं के घरों को निशाना बनाया था। सर्च ऑपरेशन जारी है। पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल व सैना के जवानों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर ली है। इससे पहले रविवार शाम को ही श्रीनगर के हवाल चौक में आतंकियों ने केरिपुबल की 28वीं बटालियन के बंकर पर ग्रेनेड से हमला किया। इसमें एक नागरिक घायल हो गया। इसके अलावा पुलवामा के राजपोरा इलाके में केरिपुबल के एक जवान से राइफल छीनने का मामला सामने आया था। ये सभी वारदातें जिस तरह नए साल के पहले दिन सुनियोजित तरीके से अंजाम देने की कोशिश की गई है उससे आतंकियों के खतरनाक मंसूबों का पता चलता है और एक बार फिर घाटी को हिन्दुओं से विहीन करने की साजिश को अंजाम दिया जा रहा है। राजौरी में आतंकियों ने जिस तरह आम नागरिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की उस का मकसद दहशत फैलाने से जुड़ा है । आपको बता दें कि हाल ही में तालिबान द्वारा भारत के खिलाफ जबरदस्त विषवमन किया गया था जिसमें हिंदुओं भारत सरकार और खाड़ी देशों में काम कर रहे भारतीयों के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए सबक सिखाने की बात कही गई थी। लगता है कि पाकिस्तान तालिबान के सहयोग से काश्मीर में आतंक को बढ़ावा देकर भारत में अशांति फैलाने का ईरादा रखता है। साल के पहले दिन ही कश्मीर धधक उठा। राजौरी के डांगरी में आतंकियों ने देर शाम करीब 6-7 बजे के आसपास गांव के लोगों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इसमें 3 ग्रामीण मारे गए और 7 घायल हुए हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। राजौरी के एसोसिएटेड हॉस्पिटल के मेडिकल ऑफिसर डॉ. महमूद के हवाले से बताया गया है कि राजौरी के डांगरी इलाके में फायरिंग की घटना में 3 लोगों की मौत हुई है। 7 अन्य घायल हैं। घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। हालांकि स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, 4 लोगों की मौत हुई है, जबकि 9 घायल हैं। श्रीनगर के भीड़भाड़ वाले इलाके में आतंकियों ने सीआरपीएफ के वाहन पर ग्रेनेड फेंके।दूसरी आतंकी वारदात श्रीनगर में शाम करीब 6 बजे की है। यहां के हवाल चौक में आतंकियों ने केरिपुबल की 28वीं बटालियन के बंकर पर ग्रेनेड से हमला किया। इस हमले में जवानों को तो कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन एक आम नागरिक समीर अहमत मल्ला घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। फिलहाल इसकी कोई तस्वीर सामने नहीं आई है। वहीं एक अन्य वारदात पुलवामा में जवान से राइफल छीनी। इससे पहले रविवार सुबह पौने 12 बजे दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के राजपोरा इलाके में केरिपुबल के जवान से AK-47 राइफल छीनने का मामला सामने आया था। इसके बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में घेराबंदी कर आतंकियों की तलाश शुरू कर दी। बीते साल आतंकियों को सुरक्षा बलों ने कड़ी शिकस्त दी। कश्मीर में आतंकियों के साथ साल 2022 में सुरक्षाबलों की 93 मुठभेड़ हुई, जिनमें 172 आतंकी मारे गए। इनमें 42 विदेशी थे। वहीं, आतंकवादियों ने इस साल 29 नागरिकों की हत्या कर दी, जिनमें से 3 कश्मीरी पंडितों सहित 6 हिंदू थे। कश्मीर के ADGP विजय कुमार के मुताबिक मारे गए आतंकियों में सबसे ज्यादा 108 आतंकी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और इसी से जुड़े संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट के थे जबकि जैश-ए-मोहम्मद के 35, हिजबुल- मुजाहिदीन के 22, अल-बद्र के 4 और अंसार गजवत उल-हिंद के 3 आतंकियों को सुरक्षाबलों ने ढेर किया। कश्मीर में बीते साल कोई हड़ताल नहीं हुई। न ही हिंसा हुई। खासतौर पर सुरक्षाबलों पर पत्थरबाजी की कोई घटना सामने नहीं आई। 2022 में कश्मीर में इंटरनेट बंद नहीं हुआ और न ही किसी आतंकवादी का अंतिम संस्कार से जुड़ा कोई मामला सामने आया है। यह आतंक के सरपरस्तोंके लिए बर्दाश्त करना मुश्किल हो रहा है । घाटी में अब हिजबुल मुजाहिदीन के चीफ फारूक नल्ली और लश्कर कमांडर रियाज सेत्री को छोड़कर आतंकी संगठनों के सभी प्रमुख और शीर्ष कमांडर मार दिए गए हैं।इस सबसे आतंकवाद को कश्मीर की छाती पर जिंदा रखने का मंसूबा रखने वाले पाक परस्त कट्टरपंथी विचारधारा से जुड़े आतंकवाद समर्थकों को गहरा धक्का लगा। वहीं, 17 आतंकवादी गिरफ्तार किए गए हैं।

राष्ट्रीयता के लिए

अलग-अलग भाषा, संस्कृति, रीति-रिवाज और परंपराओं के बावजूद राष्ट्रीय चरित्र को अपने स्वाभाविक आचरण में आत्मसात करने के प्रति आम नागरिकों में समर्पण के भाव सदैव विद्यमान रहे हैं। राजनीतिक कारणों से क्षेत्र तथा भाषा के आधार पर वर्ग भेद करते हुए क्षेत्रीय क्षत्रपों द्वारा क्षेत्रवाद को बढ़ावा जरूर दिया गया, लेकिन आम नागरिकों की राष्ट्रवादी भावनाएं मुख्यधारा के विपरीत नहीं जा सकी। बावजूद इसके वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों के मद्देनजर हमें और अधिक चौकन्ना रहने की नितांत आवश्यकता है। देश की एकता और अखंडता को तार-तार करने की कोशिशें राजनीतिक संरक्षण पाती जा रही हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर अलगाववाद को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राजनीतिक दलों द्वारा अपने-अपने प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के वर्चस्व को कम करने के लिए राष्ट्रीय हितों को तिलांजलि देने का अनुक्रम जारी है। राष्ट्र के प्रति निष्ठा और समर्पण के भाव बौद्धिक जुगाली की विषयवस्तु बनते जा रहे हैं।अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग विचारधारा के राजनीतिक दलों की सत्ता अपनी अपनी नीतियों को क्रियान्वित कर रही है। राजनीतिक स्वार्थ सिद्धि की ऐसी होड़ राष्ट्रवाद की भावनाओं को आहत करती जा रही है। ऐसे में राष्ट्रवादी सोच को प्रोत्साहित करने की रीति-नीति अपनाने की सख्त आवश्यकता है। राजनीति में नैतिक मूल्यों का विलोपन हो रहा है। व्यक्ति केंद्रित राजनीतिक दल सशक्त बनते जा रहे हैं। प्रकारांतर से लोकतंत्र के नाम पर एकतांत्रिक व्यवस्था भी मूर्त रूप ले रही है। अक्सर क्षेत्रीय मुद्दों को उछालकर आम नागरिकों की भावनाओं को भड़काने का दौर भी जारी है। केंद्र व राज्यों में अलग अलग दल की सरकार होने पर केंद्र तथा राज्य के संबंधों में तकरार स्वाभाविक रूप से हो सकती है।लेकिन ऐसी तकरार अपने अहम की तुष्टि के लिए होने लगे, तब समस्याएं विकट होती जाती हैं। दशकों पूर्व केंद्र व राज्य संबंधों की समीक्षा के लिए बहुतेरे प्रयास किए गए। लेकिन जैसे-जैसे क्षेत्रीय नेतृत्व की राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा बढ़ती रही, वैसे-वैसे इन संबंधों में दूरियां बनने लगीं। वर्तमान व्यवसायिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक रूप से विभिन्न प्रांतवासी परस्पर बेहतर तालमेल रखते हैं। कहीं कोई पूर्वाग्रह या कटुता के भाव नहीं होते। साथ ही एक दूसरे की संस्कृति को आपस में साझा करने की उत्कंठा का परिचय भी मिलता है। परस्पर जिज्ञासु भाव के आकर्षण के चलते अलग-अलग तौर-तरीकों को सीखने-समझने का व्यापक अनुभव पाने की भावना भी बलवती होती देखी जाती है। दरअसल, जो भी कुछ अवरोध है, वह राजनीतिक स्तर पर है। राजेंद्र बज, हाटपीपल्या, देवास, मप्र जिनको अपने बुजुर्गों का साथ मिलता है, उनको लंबे काल का अनुभव कम समय में मिल जाता है। वे बुजुर्ग दादा-दादी, नाना-नानी आदि रूप में हो सकते हैं। भारतीय परिवारों में बच्चों का जीवन सामान्यतः दादी की गोद में ही व्यतीत होता रहा है, जिनसे रात में सोने से पहले कहानी, गीत आदि सुनने को मिलते हैं।

इससे बच्चे का दो स्तर पर विकास होता है। पहला फायदा यह है कि इससे बच्चों की स्मरण शक्ति दृढ़ होती है, दूसरा यह कि भारत की नैतिकता से परिपूर्ण कहानियां बच्चे के नैतिक विकास में सहायक साबित होती हैं।

किसने दिए थे श्री गणेश को शस्त्र ?

भगवान गणेश का पूजन करना सबसे अहम माना जाता है। कहा जाता है किसी भी काम को शुरू करने से पहले श्री गणेश का पूजन किया जाना चाहिए क्योंकि अगर उनके पूजन से काम की शुरुआत की जाए तो सभी काम अच्छे से हो जाते हैं। हालाँकि क्या आप जानते हैं कि श्री गणेश जी को किसने दिए थे उनके शस्त्र? शायद ही आपको इसके पीछे की कहानी पता होगी। हालाँकि आज हम आपको इसी के बारे में बताने जा रहे हैं।
किसने दिए थे श्री गणेश को शस्त्र- एक बार शिव जी कैलाश त्याग कर वन में जाकर रहने लगे। एक दिन शिव जी से मिलने विश्वकर्मा आए। उस समय गणेश जी की आयु मात्र छह वर्ष थी। गणेश जी ने विश्वकर्मा से कहा कि मुझसे मिलने आए हो तो मेरे लिए क्या उपहार लेकर आए हो।
विश्वकर्मा ने कहा कि भगवान मैं आपके लिए क्या उपहार ला सकता हूं। आप तो स्वयं सच्चिदानंद हो। विश्वकर्मा ने गणपति का वंदन किया और उनके सामने भेंट स्वरूप कुछ वस्तुएं रखें जो उनके हाथ से बनी हुई थीं। ये वस्तुएं थीं एक तीखा अंकुश, पाश और पद्म। ये आयुध पाकर गणपति जी को बहुत प्रसन्नता हुई। इन आयुधों से सबसे पहले छह वर्ष के गणेश जी ने अपने मित्रों के साथ खेलते हुए एक दैत्य बृकासुर का संहार किया था।
जी हाँ और इस तरह श्री गणेश को विश्वकर्मा ने शस्त्र उपहार में दिए वह भी वो जो उन्होंने खुद बनाए थे। कहा जाता है इन शास्त्र को पाने के बाद श्री गणेश जी ने उन्हें आशीर्वाद दिया था।

गजमुख ने माचाया उत्पात

अब समस्त ब्रह्माण्ड पर विजय श्री पाने के लिए उसने सभी देवी-देवताओं पर आक्रमण कर उन्हें परेशान करना प्रारम्भ कर दिया जिससे परेशान हो सभी देवता एकत्रित होकर भगवान शिव की शरण में पहुंचे। भगवान शिव को भी उसपर बहुत अधिक क्रोध आया परंतु वे खुद कुछ भी करने में असमर्थ थे क्योकि उसे यह सब दिव्य शक्तियां उन्होंने ही वरदान स्वरूप प्रदान की थीं।
कुछ शक्तियां प्रदान की जिससे वह अत्यंत शक्तिशाली हो गया। अब उसकी सबसे बड़ी ताकत थी कि उसे किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र से नहीं मारा जा सकता था।

मूषक कैसे बना भगवान श्री गणेश का वाहन

मान्यता है कि अगर भगवान गणेश की आराधना सर्वप्रथम ना की जाए जाए तो कोई भी कार्य सफल नहीं होता। भगवान गणेश रिद्धि-सिद्धि के स्वामी हैं तो अगर आप भी अपने जीवन में रिद्धि-सिद्धि की कामना करते हैं तो उसके लिए भी आपको विघ्नहर्ता श्री गणेश जी महाराज के ही शरणागत होना पड़ेगा। पौराणिक कथाओं के अनुसार, गजमुख नामक एक दैत्य हुआ जो असुरो का राजा था। वह परम शक्तिशाली बनने का इच्छुक था जिसके चलते उसने वरदान प्राप्ति के लिए सब कुछ त्याग कर भगवान शिव की बिना कुछ खाए पिए कठिन तपस्या की।

भगवान शिव ने दिया वरदान

कुछ सालों के बीतने के बाद भगवान भोलेनाथ गजमुख पर रीझ गए और उसके सम्मुख प्रकट हुए और उसे उसकी इच्छानुसार

बुध प्रदोष व्रत, शुभ मुहूर्त में करें शिव पूजा

नए साल 2023 का पहला प्रदोष व्रत कल 04 जनवरी दिन बुधवार को है। यह बुध प्रदोष व्रत है, जो पौष माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर है। पंचांग के अनुसार, हर माह में त्रयोदशी तिथि को प्रदोष व्रत रखा जाता है इस बार बुध प्रदोष व्रत पर रवि योग समेत तीन शुभ योग बन रहे हैं, जो इस व्रत की महत्ता को और भी विशेष बनाते हैं। वैसे तो भगवान शिव की पूजा करने से समस्त मनोकामनाओं की पूर्ति हो जाती है, लेकिन ये योग प्रदोष व्रत के दिन को मनोकामना पूर्ति में और भी सहायक बना देते हैं।

बुध प्रदोष व्रत 2023

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, पौष शुक्ल त्रयोदशी तिथि आज रात 10 बजकर 01 मिनट से शुरू हो रही है, जो कल 04 जनवरी बुधवार को रात 12:00 बजे तक मान्य होगी। प्रदोष काल की पूजा का समय कल प्राप्त हो रहा है, इसलिए बुध प्रदोष व्रत कल 04 जनवरी के रखा जाएगा।

बुध प्रदोष व्रत का पूजा मुहूर्त

नए साल के पहले बुध प्रदोष व्रत के दिन शिव जी की पूजा का शुभ मुहूर्त 04 जनवरी को शाम 05:37 बजे से लेकर रात 08:21 बजे तक है। इस मुहूर्त में प्रदोष व्रत की पूजा करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और भक्तों के मन की मुराद पूरी कर देते हैं।

प्रदोष व्रत के दिन प्रीति, आयुष्मान और रवि योग

बुध प्रदोष के दिन रवि योग सुबह 07:08 बजे से प्रारंभ हो रहा है और उसका समापन सुबह 09:16 बजे होगा। रवि योग में सूर्य का प्रभाव अधिक होता है और वे कार्यों को सफल करने वाला योग है। वहीं प्रदोष व्रत के दिन प्रीति योग प्रातःकाल से लेकर दोपहर 01:53 बजे तक है, उसके बाद से आयुष्मान योग प्रारंभ होगा, जो अगले दिन सुबह तक रहेगा। प्रीति और आयुष्मान योग भी शुभ माने जाते हैं। आयुष्मान योग में किए गए कार्यों का फल लंबे समय तक प्राप्त होता है।

प्रदोष व्रत क्यों रखते हैं?

ज्योतिषाचार्य भट्ट कहते हैं कि प्रदोष व्रत रखने और शिव जी की पूजा विधिपूर्वक करने से व्यक्ति के सभी प्रकार के रोग और ग्रह दोष नष्ट हो जाते हैं। भगवान शिव महाकाल हैं, वे तो अपने भक्तों को अकाल मृत्यु से भी अभय प्रदान करते हैं। उन्होंने तो चंद्रमा के दोषों को भी दूर किया था। वे त्रिकालदर्शी है, मनुष्य यदि सच्चे मन से उनकी आराधना करें तो महादेव उनको खाली हाथ नहीं लौटने देंगे।

महिलाएं रोजाना करें ये 3 उपाय चमकेगी पति की किस्मत

शास्त्रों की बात, जानें धर्म के साथ
हमारे हिंदू धर्म शास्त्रों में पत्नी को पति का आधा अंग बताया गया है। इसलिए इन्हें भी अर्धांगिनी कहा जाता है। माना जाता है कि पत्नी के भाग्य का पति के भाग्य पर बहुत असर पड़ता है। यही कारण है कि शादी के बाद हर पुरुष के जीवन में बदलाव आता है। मान्यता तो ये भी है कि पतिव्रता पत्नी चाहे तो पति की बिगड़ी किस्मत को एक पल में बदल सकती है। जिसके चलते हम आपको इसी के बारे में बताने जा रहे हैं कि अगर किसी व्यक्ति का भाग्य साथ नहीं दे रहा है। लाख कोशिशों के बाद भी सफलता नहीं मिल रही। तो ज्योतिष में कुछ उपाय बताए गए हैं, अगर वो उपाय पत्नी रोजाना करती है तो कुछ ही दिनों में पुरुष का भाग्य चमकने लगता है। तो आइए जानते हैं उन उपायों के बारे में।
शास्त्रों में स्त्रियों को लक्ष्मी का दर्जा दिया गया है। कहते हैं जिस घर की स्त्री नियमित रूप से रोजाना पूजा-पाठ करती हैं तो उसका फल उसके पति को मिलता है और उसका बिगड़ा काम भी बनना शुरू हो जाता है।
इसी के साथ पति की तरक्की के लिए पत्नियों को रोजाना स्नान करके बिना कुछ खाए तुलसी की पूजा करनी चाहिए। और जल चढ़ाकर फूल व चावल अर्पित करके पति की परेशानियों को दूर करने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। फिर शाम के समय नित्य दिन तुलसी के नीचे सरसों या देसी घी का दीपक अवश्य जलाना चाहिए। इससे घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है। और पति का भाग्य उदय होता है।
पत्नियां रोजाना माता गौरी यानि कि मां पार्वती की पूजा करें और उन्हें सिंदूर चढ़ाएं। बता दें कि जो महिलाएं निश्चित तौर पर मां गौरी की पूजा करती है और उन्हें सिंदूर चढ़ाती है वह सदा सुहागन रहती है और सभी प्रकार की मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। मान्यताओं के अनुसार हर सुहागिन महिला के लिए गौरी पूजन का विशेष महत्व होता है। रोजाना मां पार्वती की पूजा करने से पति की सोई किस्मत जाग जाती है और व्यापार में धन लाभ होने लगता है।
घर की महिला सूखे नारियल का खोपड़ा लेकर उसमें चीनी भरकर शनिवार के दिन संध्या के समय पीपल पेड़ के नीचे रख दें। इससे वैवाहिक जीवन में खुशियां आती है। और जिस घर की लक्ष्मी प्रसन्न होती है। उस घर की तरक्की दिन भर दिन बढ़ती जाती है। और पति के जीवन की हर परेशानियां दूर हो जाती है।
इसके अलावा धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, घर की महिलाएं रोजाना तांबे के लोटे में जल भरकर पूरे घर में इसका छिड़काव करें। इससे घर का वातावरण शुद्ध रहता है। किसी तरह की नकारात्मक शक्ति का वास नहीं होता है। जिससे परिवार में सुख-संपन्नता बढ़ती है।
महिलाओं को बिना स्नान किए रसोई घर में नहीं जाना चाहिए। इससे पति के जीवन में दुर्भाग्य छाने लगता है।

भूलकर भी किचन में न करें ये गलतियां

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की रसोई बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान मानी जाती है। वास्तु में दिशाओं का भी महत्व माना जाता है। वास्तु शास्त्र की मानें तो रसोई के लिए सबसे अच्छा स्थान अग्नि कोण यानि दक्षिण पूर्व है। यदि इस दिशा का उपयोग रसोई के लिए किया जाता है तो स्वचालित रूप से अग्नि तत्व मजबूत हो जाता है। अग्नि क्षेत्र नकद तरलता का भी पारिवारिक स्वास्थ्य और जीवन शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। यह घर की महिलाओं के मानसिक और शारीरिक दोनों स्वास्थ्य को भी दर्शाता है। यदि यहां रसोई देना संभव नहीं है तो वायुवाय कोन (उत्तर-पश्चिम)। वह भी संभव नहीं है तो पूर्वी क्षेत्र को भी अनुमति है। दक्षिण भी किचन ठीक है क्योंकि दक्षिण दिशा में अग्नि का तत्व है।

इस दिशा में न हों किचन

वास्तु के अनुसार, उत्तर-पूर्व में कभी भी अपना किचन न बनवाएं। ऐसा करने से परिवार में भारी नुकसान या असामंजस्य पैदा हो सकता है। यहां तककि उत्तर दिशा भी रसोई के लिए सही नहीं है क्योंकि उत्तर एक जल दिशा है इसलिए यह पानी और आग का टकराव होगा। रसोई में सबसे मौलिक तत्व आग हैं और पानी। वहीं ,खाना बनाते समय रसोई का मुंह पूर्व या दक्षिण पूर्व की ओर होना चाहिए। इससे सभी की ऊर्जा और जीवन

शक्ति बढ़ती है और विशेष रूप से घर की महिला। यह पाचन में भी सुधार करती है। जबकी सिंक उत्तर या उत्तर पूर्व की ओर होना चाहिए इससे धन के प्रवाह में सुधार होता है घर।

रंग का रखें खास ध्यान

रंग योजना तटस्थ सफेद क्रीम या हाथीदांत सफेद होना चाहिए। आप हल्के पीले, नारंगी के लिए भी जा सकते हैं। वास्तु के अनुसार सबसे अच्छी लकड़ी की अलमारी होती है। काला रंग उपयोग करने बचे। रात को सोने से पहले अपनी रसोई को गंदा न छोड़ें। अशुद्ध बर्तनों को छोड़ने से आप में दुर्भाग्य आता है जीवन। एक और दिलचस्प तथ्य यह है कि आपकी गैस के बर्नर की जांच करना यदि वे अवरुद्ध हैं तो यह धन की आमद को प्रभावित करता है। रसोई में नल लीक नहीं होने चाहिए क्योंकि इससे हमें वित्तीय नुकसान भी होता है। बिजली के उपकरणों को दक्षिण-पूर्व में रखा जाना चाहिए यदि संभव न हो तो अपनी रसोई के पूर्व की ओर। इससे आपको मरम्मत से बचने में मदद मिलती है। किराने का सामान दक्षिण या पश्चिम कोने में रखा जाना चाहिए। कभी भी बाथरूम के ऊपर या नीचे रसोई न बनाएं सोई घर का उत्तर और पूर्व हल्का और भार मुक्त होना चाहिए। यदि आप पूर्व या दक्षिण पूर्व में गैस स्टोव का पता नहीं लगा सकते हैं, तो इस क्षेत्र में रसोई में एक दीया जलाएं ताकि अग्नि तत्व इन दिशा में मौजूद हो। पानी के सिंक को स्थानांतरित नहीं किया जा सकता है, तो अपने रसोई घर के उत्तर या उत्तर पूर्व क्षेत्र में एक कलश रखें पानी से भरा हुआ तो यह प्रतीकात्मक रूप से सिंक से संबंधित वास्तु दोष को हटा देगा। पानी और आग को एक ही मंच पर न रखें। यह एक बड़ा वास्तु दोष है। बाथरूम के ऊपर या नीचे रसोई बनाने से बचें। इन बातों को ध्यान में रखते हुए समग्र जीवन शक्ति और स्वास्थ्य में सुधार होगा आपके परिवार में।

जो लोग घर-परिवार और रिश्तों में मर्यादा नहीं रखते हैं, उन्हें दंड जरूर मिलता है

रामायण का प्रसंग है। हनुमान जी ने श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता करा दी थी। श्रीराम ने सुग्रीव की मदद करने का वचन दिया था। इसके बाद श्रीराम ने सुग्रीव को बालि से युद्ध करने के लिए भेजा। पहली बार में तो बालि ने सुग्रीव को मार-मारकर भगा दिया था। दूसरी बार में श्रीराम ने सुग्रीव को एक माला पहना दी, ताकि बालि से युद्ध करते समय सुग्रीव को पहचानना संभव रहे।
बालि और सुग्रीव दोनों भाई लड़ रहे है, उस समय श्रीराम ने एक पेड़ के पीछे से तीर चलाया और वह सीधे बालि की छाती में जाकर लगा। बालि घायल हो गया।
बालि का अंतिम समय चल रहा था, उस श्रीराम उसके पास पहुंचे। बालि ने श्रीराम को देखा तो उसने कहा कि आप तो धर्म के अवतार हैं, आपने मुझे शिकारी की तरह छिपकर क्यों मारा?
श्रीराम ने बालि के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि

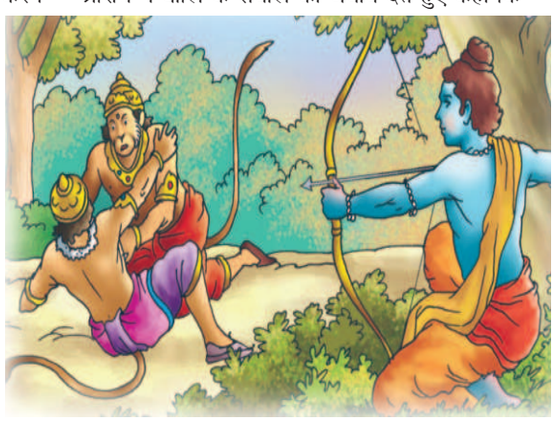

बालि तुम्हारी पत्नी तारा ने तुम्हें समझाया था कि तुम्हें मुझसे लड़ना नहीं चाहिए, लेकिन तुमने पत्नी की सलाह नहीं मानी। ये बात सुनते ही बालि को याद आया कि तारा ने उससे कहा था कि श्रीराम भगवान हैं, उनसे बैर मत करो। बालि सोचने लगा कि जो बात मेरी पत्नी के साथ एकांत में हुई है, उसके बारे में राम को कैसे मालूम हुआ? उसने फिर पूछा कि बताइए सुग्रीव आपका प्यारा क्यों हो गया? और मैं आपका दुश्मन क्यों बन गया?'
श्रीराम बोले कि जो इंसान अपने छोटे भाई की पत्नी, बहन, पुत्र की पत्नी, पुत्री के लिए गलत भावना रखता है, उसे दंड जरूर मिलता है। ये चारों रिश्ते एक जैसे होते हैं। तुमने अपने छोटे भाई सुग्रीव की पत्नी का अपहरण किया था और जो लोग इन रिश्तों का सम्मान नहीं करते हैं, उन्हें दंड देने पर पाप नहीं लगता है। इसीलिए मैंने तुम्हें दंड दिया है।

उर्वशी रौतेला की मां ने ऋषभ के लिए मांगी दुआ

यूजर्स बोले- दामाद जी ठीक हो जाएंगे आप टेंशन मत लो

30 दिसंबर की सुबह ऋषभ पंत का एक्सीडेंट हो गया। खबर सामने आने के बाद से ही फैंस से लेकर सेलेब्स तक उनके जल्द से जल्द रिकवर होने की दुआ कर रहे हैं। बीते दिनों उर्वशी रौतेला ने भी पोस्ट साझा कर उनके ठीक होने की दुआ की थी, जिसके बाद वो काफी में सुर्खियों थी। इसी बीच अब उर्वशी की मां मीरा रौतेल ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर ऋषभ पंत के जल्द ठीक होने की दुआ मांगी है। मीरा के इस पोस्ट के बाद यूजर्स उन्हें तसल्ली दे रहे हैं कि उनके दामाद जल्द ही ठीक हो जाएंगे।

ऋषभ पंत की फोटो शेयर करते हुए मीरा रौतेला ने लिखा- 'सोशल मीडिया की अफवाह एक तरफ और आपका स्वस्थ होकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखंड का नाम रोशन करना दूसरी तरफ। सिद्धबली बाबा आप पर विशेष कृपा करें। आप सभी लोग भी प्रार्थना करें, गॉड ब्लेस यू ऋषभ पंत।' उर्वशी की मां मीरा के इस पोस्ट पर फैंस जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। एक यूजर ने पोस्ट में लिखा- 'दामाद जी लिखना भूल गईं आप।' दूसरे यूजर ने लिखा- 'दामाद जी जल्दी ठीक हो जाएंगे आप प्लीज टेंशन न लो।' वहीं तीसरे यूजर ने लिखा- 'उर्वशी आप ओरिजिनल आईडी से आओ।' एक अन्य यूजर ने लिखा- 'बेटी तो बेटी अब मां भी शुरू हो गई।' मीरा के इस पोस्ट पर ऐसे कमेंट्स की भरमार लगी हुई है।

दरअसल, एक्सीडेंट की खबर के कुछ देर बाद उर्वशी ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक खूबसूरत फोटो शेयर की थी। पोस्ट में उर्वशी ने लिखा था- 'प्रेइंग(प्रार्थना कर रही हूं)।' हालांकि, उन्होंने पोस्ट में कहीं ऋषभ का नाम नहीं लिया, लेकिन यूजर्स का मानना है कि उर्वशी का यह पोस्ट ऋषभ पंत के लिए लिखा गया था। पोस्ट पर जहां कुछ लोग कमेंट सेक्शन में ऋषभ के ठीक होने की दुआएं कर रहे थे, तो वहीं कई लोग उर्वशी के इस रवैए के लिए उन्हें ट्रोल भी किया।

ऋतिक को ग्रीक गॉड यूं ही नहीं कहा जाता

48 साल की उम्र में 8 पैक एब्स फ्लॉन्ट किए, अनिल कपूर बोले- ये आ गया रियल फाइटर

बॉलीवुड के ग्रीक गॉड कहे जाने वाले एक्टर ऋतिक रोशन ने अपनी फोटोज से सोशल मीडिया पर सनसनी फैला दी है। इन फोटोज में ऋतिक अपना एट पैक्स एब्स फ्लॉन्ट करते दिखाई दे रहे हैं। 48 साल की उम्र में उनकी ऐसी बॉडी देखकर हर कोई हैरान है। ऋतिक ने ऐसी दमदार बॉडी अपनी अपकमिंग फिल्म फाइटर के लिए बनाई है। ये फिल्म जनवरी 2024 में रिलीज होगी। इस पॉवर पैक्ड एक्शन फिल्म में ऋतिक के अपोजिट दीपिका पादुकोण भी नजर आएंगी।

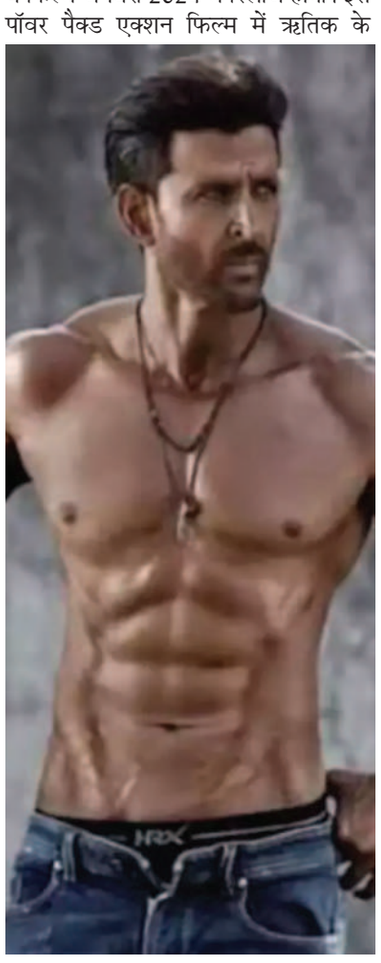

ऋतिक रोशन इस तस्वीर में शीशे के सामने खड़े नजर आ रहे हैं। उन्होंने ये तस्वीर जिम में क्लिक की है। ऋतिक ब्लैक टी, ब्लैक कैप और ट्रैक पैंट में हमेशा की तरह हैंडसम लग रहे हैं। क्लीन शेव लुक में वो नए नवेले एक्टर्स को कड़ी टक्कर देते दिखाई दे रहे हैं। ऋतिक ने फोटो के कैप्शन हैशटैग 2023 लिखते हुए कहा - चलो फिर चलते हैं। फाइटर में उनके को स्टार अनिल कपूर ने ऋतिक के इस लुक की तारीफ करते हुए लिखा- 'ये आ गया रियल फाइटर।'

ऋतिक रोशन की फिल्म फाइटर को एक्शन-डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद डायरेक्ट कर रहे हैं। सिद्धार्थ आनंद के साथ ऋतिक की ये दूसरी फिल्म होगी। इससे पहले सिद्धार्थ के डायरेक्शन तले बनी फिल्म वार में ऋतिक बतौर लीड एक्टर नजर आए थे। ऋतिक और दीपिका के अलावा फिल्म में अनिल कपूर भी नजर आएंगे।

फाइटर यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स के तहत बन रही पांचवी फिल्म है। इससे पहले टाइगर जिंदा है, एक था टाइगर, वार और शाहरुख की अगली फिल्म पठान पहले ही इस स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा बन चुकी हैं। पठान के डायरेक्टर भी सिद्धार्थ आनंद ही हैं। ऋतिक रोशन के रिसेंट प्रोजेक्ट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार फिल्म विक्रम वेधा में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ सैफ अली खान भी नजर आए थे। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म कुछ ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाई थी। ऋतिक काफी समय से सबा आजाद को डेट कर रहे हैं। दोनों के एज गैप को लेकर काफी चर्चा होती है। ऋतिक जहां 48 साल के हैं वहीं सबा 37 की हैं। दोनों को अक्सर एक साथ बॉलीवुड पार्टीज में स्पॉट भी किया जाता है। हाल ही में खबर आई थी ऋतिक,सबा के साथ एक ही फ्लैट में शिफ्ट होने जा रहे हैं लेकिन बाद में दोनों ने इन खबरों का बेबुनियाद बता दिया था।

सिटाडेल सीरीज से सामंथा ने नहीं किया बैकआउट:टीम ने खबरों को बताया बकवास, जनवरी से शुरू होगी शूटिंग

कई दिनों से यह खबरें आ रहीं थी कि सामंथा रुथ प्रभु अपने बिगड़ते स्वास्थ्य के चलते फिल्मों से कुछ समय का ब्रेक लेने वाली हैं। इस बीच खबरें सामने आईं थी कि मायोसाइटिस बीमारी के कारण उन्होंने वरुण धवन स्टारर सिटाडेल वेब सीरीज से भी बैकआउट कर लिया है। लेकिन अब सामंथा से जुड़े एक सूत्र ने खुलासा किया है कि उनके फिल्मों से बैकआउट करने की खबरें गलत हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार एक सूत्र ने हाल ही में क्लियर किया कि सिटाडेल में उन्हें रिप्लेस करने और उनके ब्रेक से जुड़ी खबरों के बारे में जो कुछ भी लिखा गया है, वो सब बकवास है। वह जनवरी की दूसरे हफ्ते से फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगी। बता दें कि सामंथा और वरुण पहली बार अमेजॉन प्राइम वीडियो की भारतीय श्रृंखला में एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। यह सीरीज रूसो ब्रदर्स के ग्लोबल सिटाडेल यूनिवर्स का हिस्सा होगी। सिटाडेल सीरीज के जरिए वरुण ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करेंगे। सामंथा और वरुण के अलावा इस सीरीज में प्रियंका चोपड़ा भी नजर आएंगी।

सामंथा ने 2 महीने पहले ही खुलासा किया था कि वो मायोसाइटिस नाम की बीमारी से जूझ रही हैं। एक्ट्रेस ने इस बात का खुलासा खुद अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए किया था। पोस्ट में एक्ट्रेस अस्पताल में बैठी नजर आ रहीं थी, फोटो के साथ सामंथा ने अपने संघर्षों पर खुलकर बात की और बताया था कि वो जल्द ही ठीक हो जाएंगी। वर्कफ्रंट की बात करें तो सामंथा जल्द ही रोमांटिक ड्रामा फिल्म कुशी में विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म का डायरेक्शन शिवा नरवाना ने किया है। यह फिल्म पहले दिसंबर में रिलीज होने वाली थी, लेकिन एक इंटरव्यू के दौरान विजय ने बताया कि फिल्म फरवरी 2023 में रिलीज

बीजेपी नेता के आरोपों पर उर्फी जावेद का रिएक्शन

बोलीं- ये लोग मुझे आत्मघाती बना रहे हैं, मैं खुद को मार लूंगी

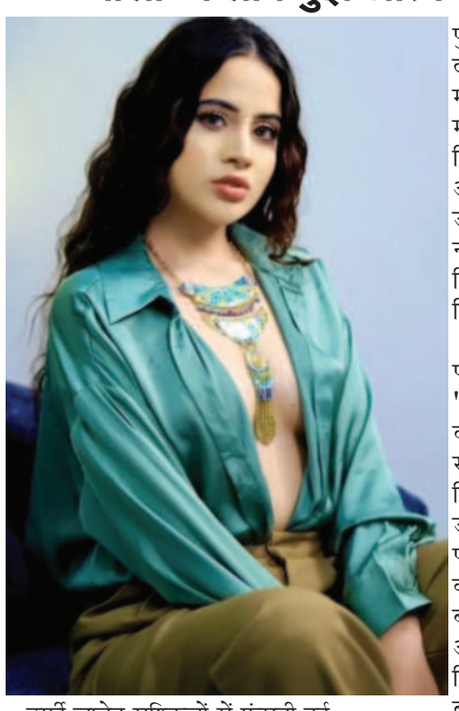

उर्फी जावेद मुश्किलों में फंसती हुई नजर आ रही हैं। दरअसल नए साल की शुरुआत के साथ उर्फी के खिलाफ पुलिस में एक नई शिकायत दर्ज हुई है। ये शिकायत महाराष्ट्र की बीजेपी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष चित्रा वाघ ने की है। उन्होंने अपने आरोपों में कहा कि उर्फी मुंबई की सड़कों पर न्यूडिटी फैलाती हैं। इस शिकायत पर अब उर्फी का रिएक्शन सामने आया है।

उर्फी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'यह वही महिला है, जब वो NCP में थी, तो संजय राठौड़ की गिरफ्तारी के लिए चिल्ला रही थी। फिर उसका पति रिश्वत लेते पकड़ा गया था, अपने पति को बचाने के लिए वो बीजेपी में शामिल हो गई और उसके बाद संजय और चित्रा काफी अच्छे दोस्त बन गए। मैं भी बस बीजेपी ज्वाइन करने की वाली हूं। तब हम सबसे अच्छे दोस्त होंगे।'

उर्फी ने अगले पोस्ट में लिखा, 'मुझे पता है कि पॉलिटिशियन्स के खिलाफ कुछ भी अपलोड करना काफी खतरनाक है, लेकिन ये लोग मुझे आत्मघाती बना रहे हैं, इसलिए या तो मैं खुद को मार लूंगी या मैं अपने मन की बात कहूंगी और उनके द्वारा मरूंगी। लेकिन मैं फिर से याद दिला दूं कि मैंने इसे शुरू नहीं किया। मैंने कभी भी किसी का कुछ गलत नहीं किया। वो बिना किसी कारण के मेरे पास आ रहे हैं।'

उर्फी ने इससे पहले भी चित्रा वाघ की शिकायत की कॉपी दिखाती हुई एक फोटो शेयर की थी। इस फोटो को शेयर करते हुए उर्फी ने कैप्शन में लिखा था, 'मुझे खुद पर बहुत गर्व है।' वहीं एक दूसरी फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने चित्रा पर तंज कसते हुए लिखा था, 'गुड जॉब चित्रा वाघ।' इसके साथ ही उर्फी ने कहा था कि ये लोग केवल मीडिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए ऐसा कर रहे हैं।

गुड्डू पंडित की बहन डिंपी यानी हर्षिता गौर ने न्यू ईयर पर बढ़ाया इंटरनेट का पारा

'मिर्जापुर' अमेजन प्राइम की सबसे चर्चित वेब सीरीज में से एक है, जिसके 2 सीजन पहले ही दर्शकों के बीच तहलका मचा चुके हैं. अब इस सीरीज का तीसरा सीजन आने वाला है, जिसे लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त बज बना हुआ है. इस वेब सरीज के दोनों सीजन ने खूब सुर्खियां बटोरीं और साथ ही इसके एक्टर भी खूब चर्चा में रहे. फिर चाहे वे गुड्डू भैया हों, कालीन भैया या फिर गुड्डू पंडित की बहन डिंपी. सीरीज में डिंपी का किरदार हर्षिता गौर ने निभाया है. सीरीज में सीधी-सादी दिखने वाली डिंपी रियल लाइफ में बेहद ग्लैमरस हैं और इसका सबूत है उनका सोशल मीडिया अकाउंट. गुड्डू पंडित की बहन डिंपी यानी हर्षिता गौर ने इंस्टाग्राम पर अपनी बेहद खूबसूरत तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह पीच कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं. गुड्डू पंडित की बहन डिंपी यानी हर्षिता गौर ने इंस्टाग्राम पर अपनी बेहद खूबसूरत तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह पीच कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं. हर्षिता का यह अंदाज फैंस के बीच खूब पसंद किया जा रहा है. हर्षिता की ये तस्वीर सोशल मीडिया पर तहलका मचा रही है.

हर्षिता का यह अंदाज फैंस के बीच खूब पसंद किया जा रहा है. हर्षिता की ये तस्वीर सोशल मीडिया पर तहलका मचा रही है. तस्वीर में अभिनेत्री का बोल्ड लुक देखकर फैंस हैरान हैं. कई ने कॉमेंट करते हुए हर्षिता के लेटेस्ट लुक की तारीफ की है. तस्वीर में अभिनेत्री का बोल्ड लुक देखकर फैंस हैरान हैं. कई ने कॉमेंट करते हुए हर्षिता के लेटेस्ट लुक की तारीफ की है. फोटो में हर्षिता बीच पर नजर आ रही हैं और तस्वीरों के लिए पोज दे रही हैं. हालांकि, इसमें उनका पूरा लुक नजर नहीं आ रहा है. लेकिन, यूजर्स के बीच उनका लुक तहलका मचा रहा है. फोटो में हर्षिता बीच पर नजर आ रही हैं और तस्वीरों के लिए पोज दे रही हैं. हालांकि, इसमें उनका पूरा लुक नजर नहीं आ रहा है. लेकिन, यूजर्स के बीच उनका लुक तहलका मचा रहा है. हर्षिता अक्सर ही सोशल मीडिया पर फैंस के साथ अपनी खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं. हर्षिता अक्सर ही सोशल मीडिया पर फैंस के साथ अपनी खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं. हर्षिता, मिर्जापुर में गुड्डू पंडित यानी अली फजल की बहन डिंपी का रोल प्ले कर रही हैं. इस रोल से हर्षिता घर-घर में अपनी पहचान बना चुकी हैं. हर्षिता, मिर्जापुर में गुड्डू पंडित यानी अली फजल की बहन डिंपी का रोल प्ले कर रही हैं. इस रोल से हर्षिता घर-घर में अपनी पहचान बना चुकी हैं।

न्यासा देवगन डीप नेक ड्रेस में ओरी संग दिखीं इतनी क्लोज़, सोशल मीडिया पर होने लगी बातें

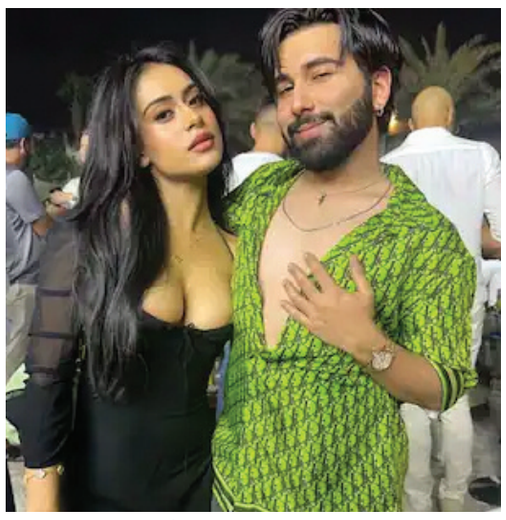

अजय देवगन और काजोल की बेटी न्यासा अपने न्यू ईयर सेलिब्रेशन वीडियो के बाद से सुर्खियों में बनी हुई है. खासकर अपनी ड्रेसिंग सेंस और बेस्ट फ्रेंड ओरहान अवतारमणि को लेकर मीडिया गलियारों में उनकी चर्चा हो रही है. ओरी और न्यासा की एक फोटो इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. इसमें न्यासा डीप नेक शॉर्ट ड्रेस में नजर आ रही हैं. ओरी के साथ उनकी ये फोटो चर्चा का विषय बनी हुई है. हमेशा लड़कियों से घिरे रहने वाले ओरी सोशल मीडिया पर छाए रहते हैं.

ओरी इंस्टाग्राम पर तस्वीरें और वीडियो शेयर करते रहते हैं. उन्होंने अपने सोशल अकाउंट पर न्यू ईयर पार्टी की कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं. ओरी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर न्यू ईयर सेलिब्रेशन के दौरान की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं. इनमें से एक फोटो में न्यासा ब्लैक शॉर्ट ड्रेस में नजर आ रही हैं. इस डीप नेक ड्रेस में उनका लुक बेहद बोल्ड लग रहा है. साथ ही वे ओरी को हग कर रही हैं. सोशल मीडिया पर ये फोटो तेजी से वायरल हो रही है.

मनी लॉन्ड्रिंग केस में चाहत खन्ना हुईं कोर्ट में हाजिर

200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग केस में हाल ही में एक्ट्रेस चाहत खन्ना से पूछताछ हुई। इसके बाद उन्होंने मंगलवार (3 जनवरी) को दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में अपना बयान दर्ज करवाया है। उनका ये बयान सीआरपीसी की धारा 164 के तहत दर्ज कराए जा रहे हैं। इस केस में बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज और नोरा फतेही से भी पूछताछ हो चुकी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिंकी ईरानी ने चाहत खन्ना को सुकेश से मिलवाया था। ये मुलाकातें सुकेश के अलग-अलग नामों से करवाई गई थीं। इसके बदले में कॉनमैन ने एक्ट्रेस को पैसे और गिफ्ट दिए थे। इस केस में ED पहले भी चाहत से पूछताछ कर चुकी है। सुकेश से जैकलीन समेत अन्य अभिनेत्रियों को मिलाने का काम पिंकी ईरानी ही करती थीं। पिंकी पहले टीवी शो में एंकर हुआ करती थी। बॉलीवुड के कई बड़े चेहरों से उसकी अच्छी दोस्ती है।

ईडी ने चार्जशीट में बताया था कि चाहत, सुकेश से 2018 में मिली थीं। तब सुकेश ने खुद को जयललिता का रिश्तेदार बताया था। चाहत को ठग ने आगे बताया था कि उसे किसी चुनावी वोटिंग घोटाले में फंसाया गया है और वो 4-5 दिन में बाहर आ जाएगा। उसने अपना पूरा नाम सुकेश चंद्रशेखर रेड्डी और सन टीवी का मालिक बताया था। वहीं, पिंकी ईरानी ने अपना नाम आ फ री न बताया। उस दौरान सुकेश ने चाहत को दो लाख रुपए कैश और एक ब्लू कलर की वर्साचे घड़ी गिफ्ट की थी।

पंडित महेशचंद शर्मा

आर्थिक जीवन

धनु राशि के अनुसार, इस साल आपके घर में किसी मांगलिक कार्यक्रम जैसे बच्चे का जन्म, शादी या अन्य किसी शुभ कार्य की वजह से आपके खर्चों के बढ़ने की संभावना है। साथ ही आपकी आय का प्रवाह कुछ चुनौतियों के कारण बाधित हो सकता है। हालांकि, फिर भी आप अपनी आय में धीमी गति से प्रगति देखेंगे। पुराने समय में किया गया कोई निवेश इस साल आपको लाभ देगा। लेकिन जो भी धन आपको प्राप्त होगा उसे खर्चने से बचें क्योंकि राहु आपके पांचवें भाव में बैठा होगा जो निवेश का भाव है। इसलिए बेहतर होगा कि इस पैसे को आप सुरक्षित शेयर और म्यूचुअल फंड जैसे दीर्घकालिक निवेश में लगाएं, चूंकि पैसे का निवेश करना आपके लिए हानिकारक साबित हो सकता है। जोखिम उठाने से अच्छा है कि अपनी जमा पूंजी ऐसी जगह लगाएं जहाँ आपको मुनाफा मिल सके।

करियर

धनु राशि के अनुसार, इस साल नौकरीपेशा जातक कार्यस्थल पर शानदार प्रदर्शन करेंगे। ऐसे में पुरस्कार के रूप में आर्थिक लाभ होने की संभावना प्रबल है। जो लोग परामर्श या फिर टीचर, मेंटर, शादी या करियर काउंसलर आदि क्षेत्रों से जुड़े हैं वे अपने करियर में बुलंदियां हासिल करेंगे। 2023 के दौरान धनु राशि के जातक समाज के प्रभावी लोगों के साथ मज़बूत संबंध स्थापित करेंगे जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भविष्य में लाभ प्रदान करेंगे।

जिन जातकों का खुद का व्यापार है, उन्हें अपने बिज़नेस पार्टनर से हर कदम पर पूरा सहयोग मिलेगा। हालांकि, अगर आप पहले किसी के साथ पार्टनरशिप में थे तो, वह आपके जीवन में कोई नया बिज़नेस प्रपोजल लेकर वापस आ सकता है और दोबारा आपके साथ पार्टनरशिप में आने की कोशिश करेगा। लेकिन किसी भी प्रकार के लालच में न आते हुए इस प्रस्ताव से जुड़ा कोई भी फैसला बहुत सोच-समझकर लेने की सलाह दी जाती है। कुल मिलाकर पेशेवर जीवन के लिए ये साल अच्छा रहेगा।

शिक्षा

धनु राशि की श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र भविष्यवाणी करता है कि इस साल अप्रैल के महीने में शिक्षा का भाव यानी पांचवां भाव बृहस्पति के गोचर के साथ सक्रिय हो जाएगा और शनि की तीसरी दृष्टि कुंभ राशि से इस भाव पर पहले से है। ऐसे में बृहस्पति और शनि के दोहरे गोचर होने की वजह से इस राशि के छात्रों को सभी ग्रहों का आशीर्वाद मिलेगा। कुल मिलाकर 2023 धनु राशि के छात्रों के लिए फलदायी साबित होगा।

अगर आप उच्च शिक्षा और मास्टर की पढ़ाई करने के लिए दाखिला लेना चाहते हैं या फिर विदेश जाने के इच्छुक हैं तो ये अवधि आपके लिए फलदायी रहेगी। मास्टर और पीएचडी की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए भी ये वर्ष अनुकूल साबित होगा क्योंकि आपको अपने टीचर्स का पूरा साथ मिलेगा। हालांकि, धनु राशि के छात्रों को पढ़ाई के प्रति एकाग्रचित्त होने की सलाह दी जाती है क्योंकि अक्टूबर तक राहु आपके पांचवें भाव में विराजमान होंगे जिसकी वजह से आपका ध्यान लक्ष्यों से भटक सकता है।

स्वास्थ्य

धनु राशि के अनुसार, यह साल

सामान्य रहेगा लेकिन बृहस्पति की दृष्टि आपके लग्न भाव पर होगी जिसके परिणामस्वरूप आपका वजह बढ़ने की संभावना ज़्यादा है, जो भविष्य में कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। इसलिए आपको सलाह दी जाती है कि खुद को स्वस्थ और फिट बनाए रखने के उद्देश्य से अपनी पसंद के अनुसार शारीरिक गतिविधि करें जैसे योग, जिम, वॉक आदि। इन सभी गतिविधियों को करने से आपके शरीर में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेंगे।

इस साल संतुलित भोजन लें और कोल्ड ड्रिंक, मदिरा आदि के सेवन से बचें। किसी भी तरह की लत पालना इस समय आपकी सेहत पर भारी पड़ सकता है। जो लोग सिगरेट पीते हैं उन्हें स्मोकिंग से दूर रहने की सलाह दी जाती है। धनु राशि के बुजुर्ग जातकों को 2023 में किसी बड़ी स्वास्थ्य समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा लेकिन फिर भी सतर्क रहते हुए समय-समय पर रूटीन चेकअप जरूर कराएं।

पारिवारिक जीवन

धनु राशि के अनुसार, यह साल धनु राशि वालों के लिए यादगार रहेगा क्योंकि आप अपने परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताएंगे। जो लोग लंबे समय से संतान सुख प्राप्ति के लिए प्रयास कर रहे हैं, उनकी ये इच्छा इस साल पूरे हो सकती है।

हालांकि, साल के आखिरी में यानी 30 अक्टूबर को जब राहु मीन राशि में चौथे भाव में प्रवेश करेंगे, उस समय आपको थोड़ा सावधान रहने की जरुरत होगी। आशंका है कि किसी चीज़ के प्रति आपका लापरवाह रवैया घर का वातावरण ख़राब कर देगा। आपको सलाह दी जाती है परिवार के सदस्यों के साथ बहुत प्यार और देखभाल के साथ पेश आएं, वरना आपकी छवि ख़राब हो सकती है। इसके अलावा नवंबर और दिसंबर के महीनों में घर में किसी भी तरह के टूट-फूट या रिपेयरिंग का काम करवाने से बचें।

वैवाहिक जीवन

धनु राशि के अनुसार, वर्ष 2023 शादीशुदा जातकों के लिए औसत से थोड़ा अच्छा रहने वाला है, विशेष रूप से जनवरी से मार्च के समय जब आपके लग्न भाव के स्वामी चौथे भाव में बैठे होंगे, जो घर-परिवार का भाव होता है। इस दौरान जीवनसाथी हर स्थिति में आपका समर्थन करेगा और आप दोनों बेझिझक होकर अपने मन के विचार एक-दूसरे के साथ शेयर करेंगे। इससे आपके रिश्ते में प्रेम ही प्रेम देखने को मिलेगा।

धनु राशि के नवविवाहित जातकों को गर्भधारण का शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है। ऐसे में पेरेंटिंग के छोटे-मोटे लेकिन खुबसूरत अनुभव आप दोनों के रिश्ते को मज़बूत बनाएंगे। साथ ही आप अपने पार्टनर के साथ तीर्थ स्थल पर जाने की योजना बना सकते हैं या फिर घर में कोई धार्मिक अनुष्ठान जैसे पूजा आदि रख सकते हैं।

उपाय

प्रतिदिन 108 बार बृहस्पति बीज मंत्र का जाप करें।

गुरुवार के दिन भगवान विष्णु की पूजा करें और उन्हें पीले फूल अर्पित करें।

बृहस्पतिवार के दिन केले के पेड़ की पूजा करें और उसमे जल चढ़ाएं।गुरुवार के दिन सोने की अंगूठी में पुखराज को तर्जनी अंगुली में पहनें।

चने की दाल और गुड़ की लोई बनाकर गुरुवार के दिन गायों को खिलाएं।

आर्थिक जीवन

आर्थिक जीवन की बात करें तो मकर राशि के अनुसार, आपके लग्न भाव और दूसरे भाव के स्वामी शनि हैं, जो एक लंबे अरसे के बाद आपके दूसरे भाव में प्रवेश करेंगे इसलिए साल की शुरूआत में धन लाभ होने और रुका हुआ धन वापस मिलने की संभावना अधिक है। हालांकि, अप्रैल महीने के बाद जब बृहस्पति आपके चौथे भाव में गोचर करेंगे और साथ ही आपके आठवें और बारहवें भाव पर दृष्टि डालेंगे, उस समय आपका पैसा घर के रिनोवेशन, नया घर या नया वाहन खरीदने, किसी कार्य या फिर यात्रा आदि पर खर्च होने की संभावना अधिक है।

आपका आठवां भाव सक्रिय होगा इसलिए कहीं भी धन निवेश करने से पहले अच्छे से सोच-विचार ज़रूर करें और बेहतर होगा कि जोखिम भरा निवेश करने से बचें। कुल मिलाकर सालभर धन का प्रवाह अच्छा बना रहेगा लेकिन खर्चों में भी बढ़ोतरी हो सकती है।

शिक्षा

मकर राशि के अनुसार, इस साल छात्रों को अच्छे परिणाम मिलेंगे। साल के शुरुआती महीनों में प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल होगी। मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्रों को परीक्षा की तैयारियां अच्छे से करने के लिए एक्स्ट्रा क्लास लेने की सलाह दी जाती है।

साल के दूसरे भाग में मकर राशि के छात्रों को अपनी पढ़ाई एकाग्रचित्त होकर करने की आवश्यकता होगी क्योंकि आपका ध्यान भटकने के कारण गलती होने की आशंका है, जिसका सीधा असर आपके परीक्षा के अंकों पर पड़ेगा। आपको सलाह दी जाती है कि साल के अंत में अपने स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखें चूंकि सेहत के प्रति लापरवाही की वजह से आपको कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जो आपकी पढ़ाई को प्रभावित करेगी।

करियर

करियर की दृष्टि से, इस साल मकर राशि के जो जातक फ्रेशर हैं, उनके पेशेवर जीवन की शुरुआत अच्छी रहेगी। वहीं जो लोग अभी तक अपने करियर में उतार-चढ़ावों का सामना कर रहे थे, उन्हें वर्ष 2023 में अचानक से वृद्धि देखने को मिलेगी। हालांकि दुश्मन आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे लेकिन अपने मकसद में वे कामयाब नहीं होंगे।

इस वर्ष योग बन रहे हैं कि आप अपने मौजूदा करियर से ब्रेक लेते हुए उन रचनात्मक क्षेत्रों में आगे बढ़ना चाहेंगे, जो आपका पैशन हैं और जिन्हें करने से आपको ख़ुशी मिलती है। जिन लोगों का अपना व्यापार है, उन्हें नए-नए आईडिया मिलेंगे।

आप जिन भी कार्यों को करेंगे उनमें सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे। इस साल आपको पार्टनरशिप का कोई नया प्रस्ताव और डील मिलने की भी संभावना है, जिसका आप लंबे समय से इंतज़ार कर रहे थे। 2023 आपके लिए शानदार रहेगा क्योंकि उतार-चढ़ाव का दौर खत्म होगा और पेशेवर जीवन में स्थिरता आएगी।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के लिहाज़ से, इस साल शनि और बृहस्पति के गोचर के कारण आपका आठवां भाव (सिंह राशि) सक्रिय हो जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप यह साल आपके लिए खुशियां और मुश्किलें दोनों लेकर आएगा। ऐसे में आपको अपने स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहना होगा। अस्वस्थ खानपान से दूर रहते हुए व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना होगा और गाड़ी चलाते समय भी सावधानी बरतनी होगी।

सामान्य तौर पर, श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र आपको सलाह देता है कि समय-समय पर अपने रूटीन चेकअप करवाते रहें, विशेष रूप से अगस्त और दिसंबर के महीने में।

साथ ही माता जी के स्वास्थ्य का भी विशेष ख्याल रखें। मकर राशि के बच्चों को सलाह दी जाती है कि घर से बाहर खेलते समय या अगर कैंपिंग ट्रिप पर जा रहे हैं तो सावधान रहें क्योंकि साल के मध्य में आपको चोट लगने की आशंका है। इसलिए अगर आप किसी शारीरिक गतिविधि में शामिल हैं तो आपके परिवार को आपकी सुरक्षा को लेकर सभी आवश्यक कदम उठाने होंगे।

पारिवारिक जीवन

मकर राशि के अनुसार, यह साल पारिवारिक जीवन के साथ-साथ उन मामलों के लिए भी अच्छा रहेगा जिसका संबंध चौथे भाव से है क्योंकि बृहस्पति आपके चौथे भाव में गोचर करेंगे। ऐसे में अगर आप अपने घर को रेनोवेट कराने या फिर नया घर, नया वाहन खरीदने के बारे में सोच रहे हैं तो यह साल अनुकूल है। हालांकि, वहां राहु भी मौजूद है जिसके परिणामस्वरूप छल-कपट और धोखधड़ी होने की आशंका है इसलिए कागज़ी कार्यवाही करते समय सावधान रहें।

2023 में आप अपने परिवार की सुख-सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए लक्ज़री सामान खरीदेंगे। इस वर्ष के दौरान बृहस्पति की दृष्टि आपके बारहवें भाव पर होगी, जिसके चलते आप अपना कर्ज़ या लोन चुकाने में सक्षम होंगे। आपको अपने परिवार का हर कदम पर समर्थन मिलेगा, विशेष रूप से माता का। इसलिए आपको सलाह दी जाती है कि माँ के साथ ज्यादा समय बिताएं और उनका आशीर्वाद लें।

वैवाहिक जीवन

वैवाहिक जीवन की बात करें तो शनि की दृष्टि आपके सातवें भाव पर होने की वजह से आप जिन समस्याओं और दबाव को लंबे समय से झेल रहे थे, इस साल आपको उनसे राहत मिलेगी। हालांकि, अब ये अगली राशि में प्रवेश करेंगे और इनकी दृष्टि ज्यादा देर तक सातवें भाव पर नहीं होगी। इसके परिणामस्वरूप, इस साल आप पार्टनर के साथ आनंददायक लम्हें बिताएंगे। लेकिन आपको कठोर और रूखे शब्दों के उपयोग से बचना होगा वरना ये आपके लिए समस्याएं पैदा कर सकता है।

साल के मध्य तक आप अपने जीवनसाथी के साथ छोटी या लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। तीर्थ यात्रा के भी योग बन रहे हैं।

इसलिए पार्टनर के साथ मिलने वाले इस समय का पूरा लुत्फ़ उठायें। जो लोग अपने परिवार को बढ़ाना चाहते हैं इस साल के मध्य के बाद आपके विचार बदल सकते हैं। हालांकि संतान के जन्म के लिए वर्ष 2024 ज़्यादा अनुकूल रहेगा।

उपाय

समाज के वृद्ध और विकलांग लोगों की सहायता करें।

प्रतिदिन शनि बीज मंत्र ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः का जप करें।

शनिदेव का आशीर्वाद पाने के लिए दैनिक जीवन में काले रंग के कपड़े पहनें और अपने सहयोगियों, नौकर एवं श्रमिक वर्ग आदि को प्रसन्न रखें।

परिवार के बुजुर्गों समेत पिता तुल्य हर व्यक्ति का आदर करें।

मांस, मदिरा, अंडे, मछली आदि तामसिक चीज़ों से दूरी बनाकर रखें।

आर्थिक जीवन

2023 मे कुंभ राशि की आर्थिक स्थिति की बात करें तो, बृहस्पति आपके धन से जुड़े मामलों को नियंत्रित करते हैं, जो आपके ग्यारहवें भाव और दूसरे भाव के स्वामी भी हैं और अब ये तीसरे भाव में प्रवेश करेंगे। इस दौरान आपके पास भरपूर पैसा होगा और धन की बचत करने में भी आप सक्षम होंगे। लेकिन ये राहु के साथ विराजमान होंगे, जो अनिश्चितता और कष्टों का कारक होता है। ऐसे में आपको सलाह दी जाती है कि धन संबंधित मामलों में किसी भी तरह का जोखिम न उठाएं, विशेष रूप से सट्टा (शेयर बाज़ार, स्टॉक मार्केट), निवेश आदि के जाल में फंसने से बचें।

ज्यादा से ज्यादा लाभ कमाने के लिए अपने धन को रियल एस्टेट या सुरक्षित शेयरों जैसे म्यूच्यूअल फंड, बॉन्ड आदि में निवेश करें। हालांकि यह साल आपके लिए मिलाजुला रहेगा, जहाँ एक तरफ आपको धन से जुड़े मामलों में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेंगे तो दूसरी तरफ आप स्थिर आर्थिक स्थिति का आनंद लेते हुए भी दिखाई देंगे।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के लिहाज़ से देखा जाए तो आपके लग्न भाव के स्वामी शनि पिछले साल आपके बारहवें और पहले भाव के बीच गोचर कर रहे थे। इस वर्ष शनि का गोचर वास्तविकता से आपका आमना-सामना कराएगा। यदि आप लंबे समय से सेहत के प्रति लापरवाही बरत रहे हैं तो अब समय आ गया है अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने का, ताकि आप भविष्य में आने वाली स्वास्थ्य समस्याओं से बच सकें। समय-समय पर रूटीन चेक करवाएं और जरुरत पड़ने पर डॉक्टर से परामर्श करें। स्वस्थ जीवनशैली अपनाते हुए जंक फ़ूड या तला-भुना खाने से बचें और नियमित रूप से व्यायाम करें।

इस अवधि में आप वो सब काम करें जिन्हें करने से आपको सुकून मिलता हो, आपके दिल को अच्छा लगता हो जैसे किताबें पढ़ना, गार्डनिंग करना आदि क्योंकि मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य भी उतना ही जरुरी है जितना कि शारीरिक स्वास्थ्य। कुल मिलाकर इस साल आपका स्वास्थ्य आपके हाथों में होगा इसलिए बेहतर होगा कि सेहत में सुधार करने के लिए रोज़ाना किसी न किसी शारीरिक गतिविधि में शामिल अवश्य हों।

करियर

करियर के लिहाज़ से, यह साल थोड़ा उतार-चढ़ाव से भरा रहने उम्मीद है। संकेत मिल रहे हैं कि कार्यस्थल पर आप कड़ी मेहनत करते दिखाई देंगे, लेकिन फिर भी आपको मनचाहे परिणामों की प्राप्ति नहीं होगी। करियर की धीमी रफ़्तार के कारण आप निराश हो सकते हैं। अगर आप नौकरी में बदलाव करना चाहते हैं तो आपको थोड़ा और इंतज़ार करने की सलाह दी जाती है। व्यापारी वर्ग के जो लोग नया व्यापार करने के बारे में सोच रहे हैं, उनके लिए इस प्लान को स्थगित करना ही ठीक रहेगा। साथ ही कोई बड़ा निवेश करने से भी बचने की सलाह दी जाती है। कुंभ राशि के अनुसार, यह साल व्यापार में नई पार्टनरशिप की शुरुआत करने के लिए अच्छा साबित होगा। साथ ही जो लोग पहले से किसी के साथ बिज़नेस पार्टनरशिप में हैं, उनके संबंध अपने साझेदार के साथ मधुर बने रहेंगे। साल के अंत में चीज़ें आपके पक्ष में होनी शुरू हो जाएंगी क्योंकि 16 नवंबर को आपके दसवें भाव के स्वामी मंगल स्वराशि वृश्चिक में प्रवेश करेंगे और दसवें भाव के कारण आपको जीवन में कई तरह के सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। ऐसे में आपको उन समस्याओं से राहत मिलेगी जिनका आप काफी समय से सामना कर रहे थे।

शिक्षा

कुंभ राशि के अनुसार, कुंभ राशि छात्रों के लिए 2023 एक ऐसा साल साबित होगा जब आपको परीक्षा की तैयारियों के दौरान प्राप्त हुई उपलब्धियां ख़ुशी देंगी। आपको अपनी मेहनत का मनचाहा परिणाम मिलेगा, जो लक्ष्यों को पाने के लिए ज्यादा मेहनत करने के लिए प्रेरित करेगा। जैसे ही आपका तीसरा भाव सक्रिय होगा, आप उन कौशलों में उत्कृष्टता हासिल करेंगे जो हाथों से जुड़ी हैं जैसे कि लेखन, मार्शल आर्ट्स और कुकिंग आदि। इन रुचियों को पेशेवर रूप देने के लिए आप कोर्स भी कर सकते हैं।

जो छात्र अकाउंटिंग, मास कम्युनिकेशन, थिएटर, डाटा साइंस या भाषा से जुड़ा कोई कोर्स कर रहे हैं, उनके लिए यह साल फलदायी साबित होगा। कुंभ राशि के छात्र जो प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे बैंकिंग या एनआईआईटी, कैट, मेट आदि की तैयारियों में जुटे हैं, वे इन परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन के लिहाज़ से, आपके दूसरे भाव या चौथे भाव पर किसी प्रकार का अशुभ प्रभाव नहीं दिखाई दे रहा है, इसलिए आपका पारिवारिक जीवन पूरे साल शांति और प्रेम से भरे रहने की संभावना है। अक्टूबर के बाद जब राहु आपके दूसरे भाव में प्रवेश करेगा, उस समय आपको अपने शब्दों को लेकर सावधान रहना होगा क्योंकि आपके मुंह से निकले शब्द परिवार के सदस्यों और करीबियों के दिल को दुखा सकते हैं। इन सभी परिस्थितियों की मुख्य वजह बृहस्पति के प्रवेश से तीसरे भाव का सक्रिय होना और राहु का पहले से इस भाव में मौजूद होना है, जो संकेत दे रहा है कि भाई-बहनों के साथ संबंध में भी आपको उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है।

कुंभ राशि के मुताबिक, संभावना है कि आपका छोटा भाई या बहन पेरेंटिंग की दुनिया में कदम रख सकता है। घर-परिवार में नए सदस्य के आगमन से परिवार का विस्तार होगा, जिसके चलते माहौल खुशहाल बना रहेगा। इस साल आपका सातवां भाव भी सक्रिय होगा, जिसके चलते यह साल आपके पार्टनर के लिए फलदायी साबित होगा और आपको हर छोटे-बड़े कदम पर उनका साथ मिलेगा। विशेष रूप से, अप्रैल माह में जब आपके चौथे भाव के स्वामी शुक्र अपनी ही राशि वृषभ और चौथे भाव में गोचर करेंगे। इस दौरान आप प्रेम और खुशियों का आनंद लेते नज़र आएंगे।

वैवाहिक जीवन

वैवाहिक जीवन की बात करें तो कुंभ राशि की,श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र भविष्यवाणी करता है कि इस साल जब अप्रैल में बृहस्पति मेष राशि में प्रवेश करेंगे और अपनी पांचवीं दृष्टि आपके सातवें भाव पर डालेंगे, उस समय बृहस्पति और शनि के दोहरे गोचर के कारण आपका सातवां भाव सक्रिय हो जाएगा। साल की शुरुआत से ही शनि की सातवीं दृष्टि आपके सातवें भाव पर होगी इसलिए यह साल उन लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है, जो शादी के बंधन में बंधना चाहते हैं। लेकिन ऐसा तब ही संभव होगा जब आपकी दशा भी आपका साथ देगी। जो लोग पहले से शादीशुदा हैं और जीवन में मतभेदों का सामना कर रहे हैं, उनके लिए यह अवधि राहत लेकर आएगी क्योंकि वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याओं का अंत होगा।। सभी बाधाएं आपके रास्ते से दूर होंगी और हालात पहले की तरह सामान्य होंगे।

उपाय

बुजुर्ग, दिव्यांग और जरूरतमंद लोगों की मदद करें।प्रतिदिन शनि बीज मंत्र का जाप करें।दैनिक जीवन में काले रंग के कपड़े पहनें, यदि संभव न हो तो काले रंग का रुमाल अपने पास रखें। शनिदेव का आशीर्वाद पाने के लिए अपने आसपास के श्रमिक वर्ग, नौकरों आदि को प्रसन्न रखें। शनिवार के दिन कौवे को कुछ खाने को दें।

मांस, मदिरा, मछली, अंडे आदि तामसिक भोजन का सेवन न करें।

आर्थिक जीवन

मीन 2023 राशि के अनुसार, इस वर्ष मीन राशि के जातकों को अपने आर्थिक जीवन में कई तरह के उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में आपको फिजूलखर्ची से बचना चाहिए अन्यथा भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र भविष्यवाणी करता है इस साल अप्रैल के महीने में आपका दूसरा भाव जो बचत का भाव है और लोन का भाव यानी छठा भाव सक्रिय हो जाएगा। साथ ही आपके लग्न भाव के स्वामी 22 अप्रैल को आपके दूसरे भाव में प्रवेश करेंगे और शनि की दृष्टि पहले से इस भाव पर पड़ रही होगी। इसके अलावा आपके ग्यारहवें भाव के स्वामी बारहवें भाव में गोचर करेंगे, जो व्यय का भाव है। दुःख और कष्टों का कारक राहु पहले से ही दूसरे भाव में मौजूद है। ऐसे में हम कह सकते हैं कि धन में वृद्धि तो होगी, लेकिन इसके साथ ही आपको विवाद, धोखाधड़ी और नुकसान का सामना भी करना पड़ सकता है। इसलिए आपको सचेत रहने की सलाह दी जाती है। यदि आप पैसे के मामले में विदेशी भूमि के साथ काम कर रहे हैं तो भी आपको थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत होगी। इसलिए सलाह दी जाती है कि अपने स्तर से हर एक चीजों की जांच पड़ताल कर लें अन्यथा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

स्वास्थ्य

मीन राशि के अनुसार इस वर्ष आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति ध्यान देने की बेहद जरूरत है क्योंकि दूसरे भाव में बृहस्पति की उपस्थिति होने के कारण आप अधिक चिकनाईयुक्त व मीठी चीजों का ज्यादा सेवन कर सकते हैं, जो आपको कई मायनों में नुकसान पहुंचा सकता है। इससे मोटापा, वजन बढ़ना, पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। आपका छठा भाव भी सक्रिय हो रहा है। ऐसे में खानपान पर विशेष रूप से ध्यान देने की जरूरत है। नियमित व्यायाम करें और स्वच्छता बनाए रखें और सुरक्षित रूप से ड्राइव करें।

स्वस्थ रहने के लिए आपको नियमित रूप से सभी रूटीन चेकअप करवाना चाहिए। यदि आप अपनी समस्याओं को नज़रअंदाज़ कर रहे हैं तो ऐसा न करें अन्यथा आपको बड़ी स्वास्थ्य समस्या से गुजरना पड़ सकता है। एक भी लापरवाही भरा गलत कदम आपके स्वास्थ्य पर प्रभाव डाल सकता है।

करियर

करियर की दृष्टि से यह साल आपके लिए आशाओं से भरा रहने वाला है। इस वर्ष भाग्य आपका साथ देगा। यदि आप पदोन्नति और वेतन वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं तो यह उम्मीद आपकी पूरी हो सकती है क्योंकि आपके दसवें भाव के स्वामी और लग्न भाव के स्वामी बृहस्पति दूसरे भाव में गोचर करेंगे, धन की बचत करने में आपकी मदद करेंगे।

2023 में राहु जो कि विदेश का कारक होता है, आपके दूसरे भाव में मौजूद है और आपके ग्यारहवें भाव के स्वामी शनि भी आपके बारहवें भाव में गोचर कर रहे हैं, जिसके चलते यदि आप किसी बहुराष्ट्रीय कंपनी या विदेशी कंपनी के लिए काम कर रहे हैं तो आपको लाभ मिल सकता है। साथ ही आपको काम के सिलसिले में विदेश यात्रा करने का भी मौका मिल सकता है।

मीन राशि के अनुसार जो जातक ख़ुद का व्यवसाय चला रहे हैं, उनके लिए यह वर्ष औसत रूप से फलदायी सिद्ध होगा। आपको सलाह दी जाती है कि किसी भी तरह का रिस्क न लें और साथ ही जो भी फैसला लें उसे बहुत सोच-समझकर लें। आपका व्यवसाय धीरे-धीरे बढ़ेगा और आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा।

शिक्षा

मीन राशि के अनुसार, जो छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें इस वर्ष सफलता मिलने की उम्मीद है, लेकिन पढ़ाई पर ज्यादा से ज्यादा ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। आपको सलाह दी जाती है कि इधर-ऊधर मन न भटकाएं वरना लक्ष्य से विचलित हो सकते हैं। साथ ही उन लोगों से दूरी बनाएं, जिनकी रुचि शिक्षा की ओर कम है। इसके अलावा पढ़ाई में आने वाली समस्याएं व बाधाएं अपने माता-पिता के साथ शेयर करें। इसके अलावा अपने वरिष्ठों और शिक्षकों से भी मार्गदर्शन जरूर लें।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन की दृष्टि से यह साल इस राशि के जातकों के लिए बेहतर रहने वाला है। आपका दूसरा भाव बृहस्पति के गोचर और शनि की दृष्टि से अत्यधिक सक्रिय है। ऐसे में आपके परिवार का विस्तार होने की संभावना भी अधिक है। संभव है कि विवाह या किसी बच्चे के जन्म से आपके परिवार में नया सदस्य जुड़ेगा और परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा।

मीन 2023 राशि के अनुसार राहु आपके दूसरे भाव में मौजूद है। ऐसे में आपको बोलने से पहले सोचने विचारने की जरूरत होगी। साथ ही परिवारों के बीच गलतफहमी उत्पन्न होने की आशंका है, जिसके चलते परिवार में कलह पैदा हो सकती है। आपका छठा भाव भी सक्रिय है, इसलिए आपको ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है। साथ ही अपने स्वास्थ्य पर भी विशेष रूप से ध्यान दें क्योंकि खराब सेहत के चलते बनी बनाई चीजें भी खराब हो सकती हैं।

वैवाहिक जीवन

मीन राशि के अनुसार जिन जातकों की नई-नई शादी हुई है, उन्हें इस साल अपने वैवाहिक जीवन में तनाव का सामना करना पड़ सकता है, विशेष रूप से अक्टूबर में जब राहु-केतु आपके 1/7 अक्ष पर स्थित होंगे। इसके चलते कुछ गलतफहमियां पैदा हो सकती हैं। ऐसे में स्वभाव पर नियंत्रण रखें और समझदारी से काम लें। गुस्से में आकर अपने पार्टनर का अनादर न करें अन्यथा रिश्ते में मतभेद पैदा हो सकते हैं। साथ ही अपने रिश्ते को प्राथमिकता दें। शांति और धैर्य बनाएं रखें। पार्टनर की चिंता को समझने की कोशिश करें और छोटी-छोटी गलतियों से बचें।

उपाय

बृहस्पति के बीज मंत्र का हर रोज 108 बार जाप करें।गुरुवार के दिन प्रार्थना करें और भगवान विष्णु को पीले फूल चढ़ाएं।गुरुवार के दिन केले के पेड़ की पूजा करें और जल चढ़ाएं। गुरुवार के दिन पीले नीलम रत्न को सोने की अंगूठी में अपनी तर्जनी उंगली में धारण करें।गुरुवार के दिन गायों

श्री पंचागुली ज्योतिष केंद्र
हैदराबाद व सिकंदराबाद

बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी:सेंसेक्स 126 अंक बढ़कर 61,294 पर बंद

निफ्टी 35 अंक चढ़ा; स्टेट बैंक ऑफ इंडिया लाइफ टॉप गेनर

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में दूसरे कारोबारी दिन, यानी मंगलवार (3 जनवरी) को तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 126 अंक बढ़कर 61,294 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 35 अंक की तेजी के साथ 18,232 के स्तर पर आ गया। बाजार में लगातार दूसरे कारोबारी दिन यह तेजी आई है। सेंसेक्स के 30 में से 18 शेयरों में तेजी रही। वहीं 12 शेयरों में गिरावट देखने को मिली। एचडीएफसी लाइफ, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया लाइफ, एक्सिस बैंक, टाइटन, टीसीएस, टेक महिंद्रा, सन फार्मा, इंडसइंड बैंक समेत निफ्टी-50 के 26 शेयरों में तेजी देखने को मिली। वहीं हिंडाल्को,जेएसडब्ल्यू स्टील, ब्रिटानिया, एम एंड एम, रिलायंस, ग्रासिम, टाटा स्टील, हिंदुस्तान यूनिलीवर समेत निफ्टी के 24 शेयरों में गिरावट रही। एनएसई के 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से 7 में तेजी रही। बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज,आईटी फार्मा, पीएसयू बैंक, प्राइवेट बैंक और रियल्टी सेक्टर में तेजी देखने को मिली। वहीं ऑटो, एफएमसीजी,मीडिया और मेटल सेक्टर में गिरावट रही।

इससे पहले शेयर बाजार में साल 2023 के पहले कारोबारी दिन, यानी सोमवार (2 जनवरी) को तेजी देखने को मिली थी। सेंसेक्स 327 अंक बढ़कर 61,167 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी 92 अंक की तेजी के साथ 18,197 के स्तर पर पहुंच गया था।

भारत का केंद्रीय बजट क्या है

यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है? आसान भाषा में जानें बारीकियां

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 (Article 112) के तहत हर वित्तीय वर्ष की शुरुआत से पहले सरकार को संसद में केंद्रीय बजट या बजट पेश करना जरूरी होता है। केंद्रीय बजट किसी वित्तीय वर्ष में होने वाली आमदनी और खर्चों से जुड़ा दस्तावेज है। यह वित्तीय वर्ष हर साल 1 अप्रैल से शुरू होकर अगले साल 31 मार्च को समाप्त होता है। उम्मीद है वर्ष 2023-24 के लिए आम बजट यानी यूनियन बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2023 को संसद के बजट सत्र के दौरान पेश करेंगी। संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू हो सकता है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, संसद का बजट सत्र छह अप्रैल तक चल सकता है। सत्र की शुरुआत लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र से होगी। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू दोनों सदनों को संबोधित करेंगी। यह उनका संसद के दोनों सदनों में पहला संबोधन होगा। जानकारी के मुताबिक, बजट सत्र के पहले दिन दोनों सदनों में इकोनॉमिक सर्वे को पेश किया जाएगा। इसके बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में केंद्रीय बजट पेश करेंगी। बजट एक फरवरी को पेश किया जा सकता है। सत्र का पहला भाग 10 फरवरी तक जारी रह सकता है। इसके बाद

बजट सत्र का दूसरा भाग छह मार्च को शुरू होगा और यह 6 अप्रैल तक चल सकता है। केंद्रीय बजट किसी विशेष वित्तीय वर्ष में सरकार की अनुमानित प्राप्तियों और देय राशियों का विवरण होता है। यूनियन बजट को दो प्रमुख भागों में विभाजित किया किया जाता है। वे हैं पूंजीगत बजट और राजस्व बजट । पूंजीगत बजट : पूंजीगत बजट सरकार से संबंधित पूंजीगत भुगतान और प्राप्तियों से जुड़ा होता है। पूंजीगत प्राप्तियों में जनता से या भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से लिए जाने वाले ऋण आते हैं। वहीं दूसरी ओर, पूंजीगत भुगतान के अंतर्गत स्वास्थ्य सुविधाओं, उपकरणों के विकास और रखरखाव के साथ-साथ शैक्षणिक सुविधाओं के लिए किए गए खर्च शामिल किए जाते हैं। राजस्व बजटः राजस्व बजट जैसा कि नाम से पता चलता है राजस्व बजट सभी राजस्व व्यय और प्राप्तियों से जुड़ा होता है। इसमें टैक्स और दूसरे माध्यमों से होने वाली आमदनी और उसके खर्चे को दर्शाया जाता है। यदि राजस्व व्यय राजस्व प्राप्तियों से अधिक है, तो सरकार को राजस्व घाटे का सामना करना पड़ता है। केंद्रीय बजट का उद्देश्य सामाजिक न्याय और समानता के साथ-साथ हमारे देश का तेज और संतुलित आर्थिक विकास सुनिश्चित करना होता है। यह देश की दशा और दिशा तय करने के लिए महत्वपूर्ण होता है। केंद्रीय बजट के माध्यम से सरकार अपने यहां उपलब्ध संसाधनों को देश के सर्वोत्तम हित में विभिन्न मदों में आवंटन सुनिश्चित करने की कोशिश करती है।

संसाधनों का तर्कसंगत आवंटन सरकार को उन संसाधनों से अधिकतम लाभ अर्जित करने में मदद करता है। ऐसा कर देश में सार्वजनिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए चल रही योजनाओं को वित्तपोषित करने के लिए राशि जुटाई जाती है। बजट सब्सिडी और करों के माध्यम से आय के वितरण को प्रभावित करता है। बजट में सरकार ये सुनिश्चित करने की कोशिश करती है कि अमीर वर्ग पर कर की उच्च दर लगाई जाए।

जिससे उनकी डिस्पोजेबल आय एक हद में रहे। दूसरी ओर सरकार निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए करों की दर कम रखने की कोशिश करती है ताकि उनके पास अपने खर्चे चलाने के लिए पर्याप्त आमदनी बनी रहे।

जोमैटो के सह-संस्थापक गुंजन पाटीदार ने दिया इस्तीफा, कंपनी के शेयर और लुढ़के

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो लिमिटेड ने कहा कि उसके सह-संस्थापक और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी गुंजन पाटीदार ने सोमवार को पद से इस्तीफा दे दिया है। जोमैटो ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि पाटीदार जोमैटो के उन कुछ कर्मचारियों में से एक थे जिन्होंने कंपनी के लिए कोर टेक सिस्टम का निर्माण किया था। जोमैटो ने कहा है कि पिछले दस से अधिक वर्षों में उन्होंने एक शानदार तकनीकी नेतृत्व टीम का भी पोषण किया जो आगे चलकर तकनीकी कार्य का नेतृत्व करने में सक्षम है। जोमैटो के निर्माण में उनका योगदान अमूल्य रहा है। पिछले साल नवंबर में कंपनी के एक अन्य सह-संस्थापक मोहित गुप्ता ने इस्तीफा दे दिया था। साढ़े चार साल पहले जोमैटो से जुड़ने वाले गुप्ता को 2020 में इसके फूड डिलीवरी बिजनेस के सीईओ के पद से बढ़ाकर को-फाउंडर बनाया गया था। जोमैटो से पिछले एक वर्ष के दौरान कुछ शीर्ष पदधारकों ने अपना इस्तीफा दिया है। इनमें राहुल गंजू, जो नई पहल सेगमेंट के प्रमुख थे, सिद्धार्थ झावर, पूर्व उपाध्यक्ष और इंटरसिटी प्रमुख और सह-संस्थापक गौरव गुप्ता आदि शामिल हैं।

दुनिया का सबसे महंगा फैब्रिक

4 लाख से ज्यादा की होती है इससे बनी शर्ट, राजवंश और अमीरों के पहनावे में शामिल

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। सर्दियों में पहने जाने वाले फैब्रिक की बात करें तो भारत के कश्मीरी पशमीना बकरी से मिलने वाले ऊन को सबसे सॉफ्ट और महंगे फैब्रिक में शुमार किया जाता है। लेकिन, दक्षिण अमेरिका की एंडीज पर्वत श्रृंखला में पाए जाने वाले विकुना नाम के जानवर का ऊन दुनिया का सबसे महंगा फैब्रिक है। विकुना फैब्रिक सदियों से राजवंश और अमीरों के पहनावे में शामिल रहा है। अब भी इसका यह रुतबा कायम है। लग्जरी और महंगे फैब्रिक से कपड़े बनाने वाली इटली की कंपनी लोरो पियाना की वेबसाइट पर विकुना से बने मोजों की जोड़ी की कीमत लगभग 80,000 रुपए है। विकुना से बनी शर्ट 4.23 लाखप रुपए की है। यह इतना दुर्लभ और महंगा है कि किसी भी मॉल पर आपको विकुना से बने कपड़े डिस्काउंट पर नहीं मिलेंगे।एंडीज पर्वत श्रृंखला में पाए जाने वाले छोटे ऊंट जैसे विकुना, दुनिया के लुप्त प्रायः प्राणियों की श्रेणी में आते हैं। इनका ऊन काफी सॉफ्ट, महीन और आरामदेह होता है। औपनिवेशिक काल में इनकी बड़े पैमाने पर फार्मिंग के कारण इनकी संख्या बहुत कम हो गई और 1960 में इन्हें दुर्लभ घोषित

कर दिया गया। इसके बाद इन्हें पालने, रखने और ऊन निकालने के लिए बहुत सख्त नियम बना दिए गए हैं। इनका ऊन काफी हल्का और पतला होता है।

एक कोट बनाने के लिए 35 विकुना से निकालना पड़ता है ऊन

एक कोट बनाने के लिए लगभग 35 विकुना से ऊन निकालना पड़ता है। इटली की कंपनी लोरो पियाना ने पेरू की एंडीज श्रृंखला के पास 5,000 एकड़ जमीन पर विकुना के लिए एक अभयारण्य बनाया है। यहां विकुना को पाला जाता है और बहुत सख्त नियमों के तहत इनका ऊन निकाला जाता है।

पश्मीना या अन्य ऊन से कितना अलग है विकुना

सबसे उच्च गुणवत्ता वाले विकुना ऊन की मोटाई 12-14 माइक्रॉन होती है। सभी प्राकृतिक रेशों में यह सबसे आरामदायक होता है। इसका कम्फर्ट फैक्टर 100 में से 99 है। इसकी तुलना में कश्मीरी पशमीना की मोटाई 15-19 माइक्रॉन और बेबी अल्पाका की मोटाई 22.5 माइक्रॉन तक होती है।

घरेलू कच्चा तेल, डीजल और एटीएफ के निर्यात पर सरकार का बड़ा फैसला, अप्रत्याशित लाभ कर में इजाफा

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। सरकार ने वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल के साथ-साथ डीजल और विमान इंधन (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाला अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ा दिया है। सरकार की ओर से दो जनवरी को जारी आदेश में कहा गया है कि ऑयल व नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) जैसी कंपनियों से उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर को 1,700 रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 2,100 रुपये प्रति टन कर दिया गया है। कच्चे तेल को परिष्कृत कर पेट्रोल, डीजल और एटीएफ जैसे इंधन में बदला जाता है। सरकार ने डीजल के निर्यात पर भी कर पांच रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 6.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया है। इसी तरह एटीएफ के निर्यात पर इसे 1.5 रुपये प्रति लीटर बढ़ाकर बढ़ाकर 4.5 रुपये प्रति लीटर किया गया है। कर की नई दरें तीन जनवरी से प्रभावी हैं। इससे पहले, 16 दिसंबर को पिछली समीक्षा में, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने के मद्देनजर कर की दरों में कटौती की गई थी। लेकिन इसके बाद से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल के दामों में तेजी आई है जिसके चलते सरकार को कर बढ़ाना पड़ा। भारत ने पहली बार एक जुलाई को अप्रत्याशित लाभ कर लगाया था। इसके साथ ही यह उन कुछ देशों में शामिल हो गया था जो ऊर्जा कंपनियों के अत्यधिक लाभ पर कर वसूलते हैं। उस समय पेट्रोल और एटीएफ पर छह रुपये प्रति लीटर (12 डॉलर प्रति बैरल) और डीजल पर 13 रुपये प्रति लीटर (26 डॉलर प्रति बैरल) का निर्यात शुल्क लगाया गया था। घरेलू कच्चे तेल के उत्पादन पर 23,250 रुपये प्रति टन (40 डॉलर प्रति बैरल) का अप्रत्याशित लाभ कर लगाया गया था। पेट्रोल पर निर्यात कर को समाप्त कर दिया गया है।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद वृद्धि की राह पर अर्थव्यवस्था

आगामी तिमाहियों में होगा और सुधार

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। कोरोना महामारी से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के बाद 2022 में भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ है। यह आगामी तिमाहियों में भारत की विकास दर में और सुधार की उम्मीद है। हालांकि, अर्थव्यवस्था के समक्ष भू-राजनीतिक तनाव, डॉलर में मजबूती और उच्च महंगाई जैसे जोखिम भी हैं। फिर भी आर्थिक वृद्धि के सकारात्मक रुझान और बुनियादी गतिविधियों में सुधार आने से देश को वैश्विक स्तर की उन प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में मदद मिलेगी, जिनका आने वाले महीनों में भारत के निर्यात पर बुरा असर पड़ सकता है। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने कहा, अगर बजट में कुछ ऐसा नहीं होगा, जिसका नकारात्मक असर पड़े तो वर्ष 2023 में सात फीसदी की वृद्धि दर कायम रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्च महंगाई के साथ डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में गिरावट नीति निर्माताओं के लिए परेशानी का सबब रहा। इससे आयात महंगा हुआ और देश के चालू खाते का घाटा (कैड) बढ़ गया। आने वाले महीनों में भी रुपये पर दबाव बना रहेगा।

भारत के सामने ऊंची ब्याज दरें और महंगाई जैसे जोखिम

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स में सॉवेरन एंड इंटरनेशनल पब्लिक फाइनेंस रेटिंग्स के निदेशक एंड्रयू वुड ने कहा, बाजार मूल्य पर जीडीपी में तेज वृद्धि और राजस्व में बढ़ोतरी का भारत को लाभ मिल रहा है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर नरमी, ऊंची ब्याज दरें और महंगाई जैसे जोखिम भी भारत के सामने हैं। सितंबर तिमाही में भारत की विकास दर सबसे ज्यादा 9.7 फीसदी रही। वहीं, यूरो मुद्रा के चलन वाले क्षेत्रों की विकास दर 3.2 फीसदी रही। प्रमुख देशों की विकास दर।

नकदी संकट से जूझ रहे पड़ोसी ने ऊर्जा खपत रोकने के लिए उठाया बड़ा कदम, बल्ब-पंखे भी नहीं बनेंगे

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने ऊर्जा खपत रोकने केलिए मंगलवार को बाजारों और शादी-विवाह हॉलों को जल्द बंद करने की घोषणा की है। बिजली की खपत पर लगाम लगाने और आयातित तेल पर निर्भरता कम करने के लिए राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण योजना को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा, "बाजार रात 8.30 बजे बंद हो जाएंगे, जबकि शादी के हॉल रात 10.00 बजे तक बंद हो जाएंगे, इससे हमें 60 अरब रुपये की बचत होगी।उपायों की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि एक फरवरी से अधिक बिजली खपत वाले बल्बों का निर्माण बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा जुलाई महीने से अधिक बिजली खपत वाले पंखों का उत्पादन भी बंद कर दिया जाएगा। इन उपायों से 22 अरब रुपये की और बचत होगी। सरकार शंक्वाकार गीजर का उपयोग एक वर्ष के भीतर अनिवार्य कर देगी, जिससे कम गैस का उपयोग होगा और 92 अरब रुपये की बचत होगी। स्ट्रीट लाइट के वैकल्पिक उपयोग से 4 अरब रुपये की बचत होगी। आसिफ ने कहा कि योजना के तहत सभी सरकारी भवनों और कार्यालयों में भी ऊर्जा का इस्तेमाल कम किया जाएगा और घर से काम करने की नीति भी 10 दिन में पूरी हो जाएगी।

मस्क को जल्द पीछे छोड़ सकते हैं अडाणी:दुनिया के दूसरे सबसे अमीर आदमी बनेंगे गौतम

मस्क की नेटवर्थ 200 बिलियन डॉलर घटी

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया के तीसरे नंबर के रईस गौतम अडाणी कुछ ही हफ्तों में नंबर-2 पायदान पर पहुंच सकते हैं। फिलहाल लग्जरी इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला के सीईओ एलन मस्क दुनिया के दूसरे सबसे अमीर आदमी हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, अडाणी की संपत्ति सालभर में 57.5% बढ़कर 10 लाख करोड़ रुपए हो गई है। इसी अवधि में मस्क की संपत्ति 49.3% घटकर 11.34 लाख करोड़ रुपए रह गई है।

अडाणी-मस्क की नेटवर्थ में सिर्फ
₹1.34 लाख करोड़ का अंतर

यानी मस्क और अडाणी की संपत्ति के बीच अब बस 1.34 लाख करोड़ रुपए का ही अंतर रह गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मस्क की संपत्ति घटने और अडाणी की बढ़ने की मौजूदा रफ्तार कायम रही तो मस्क को पीछे छोड़ने में अडाणी को ज्यादा समय नहीं लगेगा। ब्लूमबर्ग की ओर से एशियाज बिजिएस्ट डीलमेकर का खिताब पाने वाले गौतम अडाणी दुनिया के टॉप-10 अमीरों की सूची में एकमात्र व्यक्ति हैं, जिनकी संपत्ति बीते साल बढ़ी है। दूसरी तरफ एलन मस्क की संपत्ति 2022 में 11 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा घटी है। 162 बिलियन डॉलर (13.4 लाख करोड़ रुपए) की संपत्ति के साथ बर्नार्ड अरनॉल्ट ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स लिस्ट में टॉप पर काबिज हैं। ब्लूमबर्ग के अनुसार, ट्विटर के मालिक एलन मस्क 200 बिलियन डॉलर गंवाने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति भी बन गए हैं। जनवरी 2021 में मस्क की पर्सनल नेटवर्थ 200 बिलियन डॉलर से ज्यादा हो गई थी, तब उन्होंने अमेजन के मालिक जेफ बेजोस को भी पीछे छोड़ा था। इसके बाद उनकी नेटवर्थ 300 बिलियन डॉलर के पार पहुंच गई थी। टेस्ला के शेयरों में हालिया गिरावट के बाद मस्क की टोटल नेटवर्थ 137 बिलियन डॉलर पर आ गई है। 27 दिसंबर को टेस्ला के शेयरों में 11% की गिरावट आई थी। टेस्ला के शेयर साल 2022 में 65% से ज्यादा गिरे हैं। ये साल 2022 की शुरुआत में 400 डॉलर के करीब थे और अभी 125 डॉलर के करीब पहुंच गए हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	में	धनु---	05-28 बजे
चंद्र-	वृष	में	मकर-	07-30 बजे
मंगल	वृष	में	कुंभ -	09-31 बजे
बुध-	धनु	में	मीन...	10-55 बजे
गुरु-	मीन	में	मेष--	12-34 बजे
शुक्र-	मकर	में	वृष--	14-20 बजे
शनि-	मकर	में	मिथुन.	16-21 बजे
राहु-	मेष	में	कर्क...	18-32 बजे
केतु-	तुला	में	सिंह...	20-45 बजे
			कन्या..	21-55 बजे
			तुला	01-01 बजे
			वृश्चिक	03-12 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- 2079
शक संवत -1944, कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426878
कलियुग संवत् -5123 वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् -1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885123
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1443
ऋतु-शिशिरदिशाशूल- उत्तर-धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी - 00 -00 तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - पौष शुक्ल पक्ष , बुधवार Jan 04
नक्षत्र - रोहिणी-18 -48 तक उपरान्त मृगशिरा
योग - शुभ - 07 - 05 - तक उप शुक्ल
करण- कौलव -10 - 59 - तक उप- तैतिल
विशेष:- प्रदोष व्रत
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ सिद्ध योग-अहोरात्र

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:21 से 13:44 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ.	06:50 - 08:12 शुभ	उत्पात	17:50 - 19:30 अशुभ
अमृत.	08:12 - 09:35 शुभ	शुभ	19:30 - 21:07 शुभ
काल.	09:35 - 10:58 अशुभ	अमृत	21:07 - 22:44 शुभ
शुभ..	10:58 - 12:21 शुभ	चंचल	22:44 - 00:21 शुभ
रोग.	12:21 - 13:44 अशुभ	रोग	00:21 - 01:58 अशुभ
उत्पात	13:44 - 15:07 अशुभ	काल	01:58 - 03:35 अशुभ
चंचल	15:07 - 16:30 शुभ	लाभ	03:35 - 05:12 शुभ
लाभ	16:30 - 17:50 शुभ	उत्पात	05:12 - 06:50 अशुभ

आपका राशिफल

मेष धू धे धो ला ली लू ले लो आ

आज आपके मुख्य शुब्द आराम और राहत रहेंगे ।आप पिछले कुछ दिनों से बहुंत मेहनत रहे हैं। और सब इस मेहनत का आनंद लेने की बारी है, बहुत बडी पार्टी ना रखें । छुट्टी का दिन शांति से बिताएं ।अपने किसी विशेष प्रियजन से बात कर लेने से आपको बहुत संतुष्टि मिलेगी ।

वृष ई उ ए जो वा वी वू वे वो

आज आप किसी भी , अच्छी-बुरे तरीके से अपना लक्ष्य पा लेने के मूड में हैं। काफी समय तक हाशिये पर रहने के बाद आपको आज अपने ग्रहों की बदौलत काफी आत्मविश्वास का अनुभव होगा। आप अपनी प्रवृति के आधार पर फैसले ले सकते हैं, यकीन मानिए वे सही ही साबित होंगें।

मिथुन का की कू घ ङ झ के को हा

अपने जैसी रुचियों और सत्तासीन व्यक्तियों से साझेदारी बनाने की कोशिश करें। कुछ आदमी आपको झूठी आशाएं देने की कोशिशें कर रहे हैं लेकिन आपको उनकी बातों पर ध्यान नहीं देना है। अपने आप से फैसले लें और उनपर जमे रहें। आप काफी समय से घर खरीदने की सोच रहें हैं, अब आप ऐसा कर सकते हैं।

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आपका सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सकारात्मक कदम उठाने के लिए ही प्रेरित करेगा। इससे आपको भविष्य में बहुत लाभ मिलेगा । अगर कोई उलझने की कोशिश करता भी है तो आप शांति बनाये रखें और दृढ़ता से अपनी बात सामने रखें। आज आपकी धार्मिक तथा रहस्य विज्ञान के कार्यों में रूचि बनेगी।

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

प्रयास करने वाले भी पहले व्यक्ति बनें और उसका श्रेय लेने में भी आगे रहें । अपने आप को ज्यादा ना थकाएं और कम महत्वपूर्ण विषयों के लिए अधिक मेहनत ना करें। दूसरों को अच्छी ना लगने वाली बातें कहकर उनका दिन ना दुखाएं । सास से जुडी छोटी-मोटी समस्याएं हो सकती हैं।

कन्या टो पा पी पू ष ण ट पे पो

आज आप किसी असम्भाव्य साझेदारी की ओर कदम बढ़ा सकते हैं। इससे आपको रोमांस रोमांच और साहसी होने की अनुभूति तो होगी परन्तु यह देखना होगा कि यह साझेदारी कितनी होगी । किसी अप्रत्याशित श्रोत से समर्थन सहायता प्राप्त हो सकती है। हालाँकि यह अवसर बहुत कम समय तक ही मिलेगा।

तुला स री रु रे से ता तू ते

आपकी जीभ तेज है और मस्तिष्क तार्किक है लेकिन आपकी यह योग्यता आज आपकी असुरक्षित प्रवृति के कारण प्रभावित होगी । हमेशा की तरह बहाव का विरोध करने के स्थान पर उसके साथ चलें। आपको अनुभव से काफी कुछ सीखने को मिल सकता है जबकि अभिमान से आपको कुछ नही मिलेगा।

वृश्चिक तो मा मी मू मे मो य यी यू

आज आप सोझेदारी के अंतर्गत घर और आफिस दोनों ही में बहुत अच्छा काम करेंगे । यदि अकेले काम करेंगे तो अस्पष्ट और असंभव सी लगने वाली मुसीबतों में फंस सकते हैं। टीम के रूप में काम करने घर ये बाधाएं परेशान नहीं करेंगी । आपसी सहयोग से आज किसी भी प्रयास में सफलता हासिल कर पायेंगे।

धनु ये यो भा भी मू धा फा ढा भे

अपने जीवन पर नियंत्रण रखें और सब क कहने या कुछ करने की कोई भी पवाह ना करें । इसके स्थान पर आराम से खुद की इच्छाओं और आवश्यकताओं को समझने की कोशिश करें और उन का विश्लेष्ण करें ताकि किसी स्पष्ट निष्कर्ष पर पहुंच सकें। इस बात का विशेष ध्यान रखें

मकर भे जे जी खी खू खो मा मी

आप सच्चे और ईमानदार लोगों से मिलना पसंद करते हैं। लेकिन आज आपकी मुलाकात उनसे होगी जो मुखौटे लगाये रखते हैं। उन्हें पहचानने की कोशिश करें। आपसे जल्दी फैसले लेना समय की मांग रहेगी। किसी भी फैसले को अंतिम रूप देने से पहले अच्छी तरह सोच लें और फैसले लेने तक कोई भी अन्य काम न करें।

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

आज आप आकर्षण का केंद्र रहेंगे। फोकस का केंद्र रहना आपकी सहज विशेषता है जिसके कारण कई लोग आपसे इर्ष्या करेंगे। जब आप सहज रूप से वर्त्तमान, भूतकाल और भविष्य के बारे में सोचेंगे तो आपको बहुत से अपने जवाब और समाधान मिल जायेंगे। आपको आज रिएक्शन और एलर्जी हो सकती है।

मीन ढी ढू ध ज्ञ ञ दे दो घ घी

आप आज आसानी से सब काम करके जीवन के स्कोप को बडा कर सकते हैं। अपनी एकाग्रता बनाएं रखें और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगा दें, ऐसा कुछ भी किसी को न कह बैठें, जो आपको भावनात्मक उलझन में फंसा दें। बिजनेस का विस्तार हो सकता है या पहले से खुले आउटलेट्स को नया रूप दे सकते हैं।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

ईरान ने लेखक मेहदी बहमन को दी मौत की सजा

जासूसी का लगाया आरोप, इजरायल के टीवी चैनल पर सरकार की आलोचना की थी

तेहरान, 3 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान में जारी हिजाब विरोधी प्रदर्शनों के बीच वहां के काफी मशहूर लेखक मेहदी बहमन को मौत की सजा सुनाई गई है। मेहदी बहमन ने इजरायल के एक टीवी चैनल को इंटरव्यू दिया था, जिसमें उन्होंने ईरान की सरकार की बुराई की थी। ईरान ने इंटरव्यू के तुरंत बाद बहमन को गिरफ्तार कर लिया था। बहमन ने अपने इंटरव्यू में ईरान में इस्लामिक कानून लागू करने की निंदा की थी। साथ ही उन्होंने इजरायल और ईरान के बीच रिश्तों को ठीक करने पर जोर दिया था। मेहदी बहमन ईरान के जाने-माने लेखक हैं। वो शिया धर्मगुरू मासूमी तेहरानी के साथ कई धर्मों से जुड़े आर्ट वर्क पर काम कर चुके हैं। ईरान ने उन पर जासूसी का आरोप लगाया है। मेहदी बहमन को जिस इटंरव्यू के लिए मौत की सजा सुनाई गई है। वह हिजाब विरोधी प्रदर्शन शुरू होने से पहले अप्रैल 2022 में दिया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनको मौत की सजा देने के लिए हिजाब विरोधी प्रदर्शनों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

अमेरिकी महिला ने तीन साल की बच्ची को धक्का देकर ट्रेन की पटरी पर गिराया

ओरेगॉन, 3 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के ओरेगॉन प्रांत से दिल दहलाने वाली खबर व वीडियो सामने आया है। एक रेलवे प्लेटफॉर्म पर खड़ी अनजान महिला ने तीन साल की मासूम बच्ची को ट्रेन की पटरी पर धक्का दे दिया। इस घटना का वीडियो अब सामने आया है। इसमें महिला मासूम बच्ची को पटरी पर धक्का देती नजर आ रही है। आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। अमेरिका में यह हृदय विदारक घटना 28 दिसंबर को हुई थी। इसकी वीडियो क्लिप मुल्तानोमाह काउंटी के डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी कार्यालय ने अपनी वेबसाइट पर पोस्ट की है। जिला अभियोजन कार्यालय के अनुसार 3 साल की लड़की अपनी मां के साथ प्लेटफॉर्म पर खड़ी होकर ट्रेन के आने का इंतजार कर रही थी, तभी एक अजनबी महिला उसे रेलवे ट्रैक पर धकिया देती है। आरोपी महिला की पहचान 32 साल की ब्रायना लेस वर्कमैन के रूप में हुई है।

अब इंदौर से भी हज की सीधी फ्लाइट एमपी हज कमेटी ने लिखा लेटर

भोपाल, 3 जनवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश से हज यात्रा पर जाने वालों के लिए यह काम की खबर है। हज यात्रा के लिए जनवरी के दूसरे सप्ताह से ऑनलाइन आवेदन भरने शुरू हो जाएंगे। इस बार इंदौर से भी सीधी फ्लाइट उड़ेगी। इसे लेकर एमपी हज कमेटी ने नेशनल हज कमेटी के चेयरमैन एपी अब्दुल्ला कुट्टी को लेटर लिखा है। भोपाल से सीधी फ्लाइट उड़ने का आश्वासन पहले ही मिल चुका है। नागपुर (महाराष्ट्र) से भी सीधी फ्लाइट उड़ाने की मांग की जा रही है। ताकि छिंदवाड़ा, सिवनी-मालवा, बैतूल आदि जिलों के हज यात्रियों फायदा मिल सके। हज कमेटी के अध्यक्ष रफत वारसी ने बताया कि 8 जनवरी के बाद आवेदन भरे जाने की शुरुआत होने की उम्मीद है।

गैंगरेप के झूठे केस में काटी 2 साल जेल

रतलाम, 3 जनवरी (एजेंसियां)। रतलाम के जिला न्यायालय में 6 करोड़ 2 लाख रुपए का क्षतिपूर्ति दावा लगाया गया है। मध्यप्रदेश सरकार और पुलिस पर यह दावा आदिवासी व्यक्ति ने अपने वकील के जरिए लगाया। व्यक्ति को गैंगरेप के झूठे मामले में 2 साल जेल की सजा काटना पड़ी। कोर्ट ने अब उसे बाइज्जत बरी कर दिया है। उसका कहना है कि बेगुनाह होने के बाद भी उसने सजा काटी। प्रताड़ना सही। इसकी क्षतिपूर्ति के लिए दावा किया है। केस की सुनवाई 10 जनवरी को होगी। रतलाम के घोड़ाखेड़ा निवासी कांतिलाल सिंह उर्फ कांतु को 2 साल पहले गैंगरेप के मामले में आरोपी बनाया गया था।

हरियाणा में कोविड-टीबी के लक्षण एक जैसे

स्वास्थ्य विभाग शुरू करेगा विशेष ड्राइव, घरों में सर्वे कर मरीजों की होगी स्क्रीनिंग

चंडीगढ़, 3 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के कोविड-टीबी के लक्षण एक जैसे होने को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने एक विशेष ड्राइव शुरू की है। इस ड्राइव में घर-घर सर्वे किया जाएगा और टीबी ग्रसित मरीजों की स्क्रीनिंग की जाएगी। चूंकि एनसीआर एरिया का गुरुग्राम अभी तक सबसे सेंसिटिव है इसलिए इसकी शुरुआत वहीं से की गई है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने 500 टीमों का गठन किया है। हरियाणा स्वास्थ्य विभाग ने विशेष ड्राइव के तहत पहले दिन 504 लोगों की स्क्रीनिंग की।

पानीपत में मकान से कैश और चांदी चोरी

पानीपत, 3 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत शहर के सेक्टर 25 पार्ट 2 में दो दिन से बंद एक मकान को चोरों ने अपना निशाना बनाया है। चोरों ने मकान से कैश और चांदी चुरा ली है। जिसकी कुल कीमत करीब 80 हजार रुपए है। परिवार जब दिल्ली से वापस लौटा तो मामले का खुलासा हुआ। मामले की शिकायत पुलिस को दी गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। चांदनीबाग थाना पुलिस को दी शिकायत में पंकज नागपाल ने बताया कि वह सेक्टर 25 पार्ट 2 का रहने वाला है।

गुरदासपुर सेक्टर में सीमा पार का प्रयास कर रहे पाक घुसपैठिए को

बीएसएफ ने किया ढेर

चंडीगढ़, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के गुरदासपुर में मंगलवार सुबह लगभग 8.30 बजे बीएसएफ के जवानों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया। जानकारी के अनुसार, सुबह साढ़े आठ बजे बीएसएफ जवानों ने बीओपी चन्ना में बीएस फेंस के आगे एक सशस्त्र पाक घुसपैठिए की संदिग्ध गतिविधि देखी। घुसपैठिया पाकिस्तान की ओर से बीएस फेंस की ओर आ रहा था। बीएसएफ के जवानों ने उसे चुनौती दी और मार गिराया। इलाके की सघन तलाशी जारी है।

ब्रिटेन सरकार ईरान के रेवोल्यूशनरी गार्ड के खिलाफ जल्द लेगी बड़ा फैसला

यूके से जुड़े 7 लोगों की गिरफ्तारी पर पीएम सुनक सख्त

लंदन, 3 जनवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन की ऋषि सुनक सरकार जल्द ही ईरान के खिलाफ बड़ा फैसला लेगी. ब्रिटेन आधिकारिक तौर पर ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी ग्रुप घोषित करेगा. टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट में सूत्रों का हवाला देते हुए बताया गया है कि ब्रिटेन आधिकारिक तौर पर ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड को टेररिस्ट ग्रुप घोषित करेगा, जिसने सरकार विरोधी प्रदर्शनों को लेकर यूनाइटेड किंगडम (यूके) से संबंध रखने वाले सात लोगों को गिरफ्तार किया था. रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रिटेन की ओर से इस कदम की घोषणा कुछ ही दिनों के अंदर की जाएगी. जानकारी के मुताबिक इस प्रस्ताव को लेकर ब्रिटेन के सुरक्षा मंत्री टॉम तुगेंदत और गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन का समर्थन है.

रिवोल्यूशनरी गार्ड को टेररिस्ट ग्रुप घोषित करेगा

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन जल्द ही फैसला लेते हुए ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड को टेररिस्ट ग्रुप घोषित कर उस पर शिकंजा कसेगा. ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड को एक आतंकवादी समूह के रूप में प्रतिबंधित करने का अर्थ होगा कि इस ग्रुप से संबंध रखना, उसकी बैठकों में भाग लेना और सार्वजनिक तौर से उसका लोगो रखना एक अपराध बन जाएगा. यूके होम ऑफिस ने टेलीग्राफ की रिपोर्ट पर फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की है.

ऋषि सुनक ने क्या कहा?

ब्रिटेन के प्रधान मंत्री ऋषि सुनक ईरान के रवैये को लेकर काफी नाराज और सख्त दिख रहे हैं. पीएम सुनक ने पिछले हफ्ते ईरान से अपने नागरिकों को हिरासत में लेने से रोकने की भी अपील की थी. ऋषि सुनक ने कहा था कि इस अभ्यास का इस्तेमाल राजनयिक लाभ प्राप्त करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए.

ब्रिटेन के 7 लोगों की हुई थी गिरफ्तारी

ईरान ने हिजाब विरोधी आंदोलन के लिए ब्रिटेन को जिम्मेदार ठहराया है. ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स ने पिछले हफ्ते सात लोगों को सरकार विरोधी प्रदर्शनों को लेकर ब्रिटेन से जुड़े लोगों को गिरफ्तार किया था. 22 वर्षीय कुर्द ईरानी महसा अमिनी की मौत के बाद देश में काफी विरोध प्रदर्शन हुए थे.

महसा अमिनी को ईरान के सख्त इस्लामिक कानून के तहत उचित कपड़े न पहनने के जुर्म में गिरफ्तार किया गया था. आरोप है कि पुलिस की पिटाई से उनकी मौत हो गई थी.

1800 गांवों में रेगुलर पुलिस संभालेगी कानून व्यवस्था

अंकिता हत्याकांड के बाद सरकार ने उठाया कदम

देहरादून, 3 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के 1800 राजस्व गांवों में कानून व्यवस्था अब रेगुलर पुलिस संभालेगी। सरकार ने राजस्व पुलिस की व्यवस्था को समाप्त कर इन गांवों को रेगुलर पुलिस के अधीन करने के लिए अधिसूचित कर दिया है। पहले चरण में 52 थाने और 19 पुलिस चौकियों का सीमा विस्तार किया जाएगा। राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में लगभग 7500 गांव ऐसे हैं, जहां पर कानून व्यवस्था का जिम्मा राजस्व पुलिस के पास है। लेकिन अब वर्षों पुरानी राजस्व पुलिस व्यवस्था समाप्त कर सरकार इन गांवों को रेगुलर पुलिस के अधीन लाने जा रही है। सरकार मानना है कि इन गांवों में नियमित पुलिस व्यवस्था होने से अपराध व असामाजिक गतिविधियों में कमी आएगी। दूसरे चरण में 6 नए थाने व 20 पुलिस चौकियों का गठन किया जाएगा। इसके तहत नए थाने व चौकियों का गठन कर लगभग 1444 राजस्व ग्राम नियमित पुलिस व्यवस्था के अधीन करने की प्रकिया जल्द पूरी की जाएगी। विशेष सचिव रिद्धिम अग्रवाल ने इसकी पुष्टि की है।

जिलावार राजस्व गांवों की संख्या

सरकार की ओर से नियमित पुलिस व्यवस्था के लिए अधिसूचित राजस्व गांवों में देहरादून जिले के 4, उत्तरकाशी के 182, चमोली के 262, टिहरी के 157, पौड़ी के 148, रुद्रप्रयाग के 63, नैनीताल के 39, अल्मोड़ा के 231, पिथौरागढ़ के 595, बागेश्वर के 106, चंपावत के 13 गांव शामिल हैं।

अंकिता हत्याकांड के बाद सरकार ने उठाया कदम

अंकिता भंडारी हत्याकांड में राजस्व पुलिस पर उठे सवालों के बाद सरकार ने इस मामले में बड़ा कदम उठाया है। दरअसल, उत्तराखंड को तीन क्षेत्रों में डिवाइड किया गया है। इन तीनों में अलग-अलग अधिनियम लागू होते हैं, जो राजस्व अधिकारियों को गिरफ्तारी और जांच का अधिकार देते हैं। पहला क्षेत्र है कुमाऊं और गढ़वाल डिवीजन की पहाड़ी पट्टी। दूसरा, टिहरी और उत्तरकाशी जिले की पहाड़ी पट्टी और तीसरा क्षेत्र है देहरादून जिले का जौनसार-बावर क्षेत्र।

चांद पर कब्जा न जमा ले चीन

रोक सकता है अन्य देशों की लैंडिंग, नासा को सता रही है चिंता

वाशिंगटन, 3 जनवरी (एजेंसियां)। चांद की सतह पर इंसानी जिंदगी ढूंढने के लिए दुनिया के तमाम देशों के बीच दौड़ जारी है। हालांकि, अमेरिका और चीन इस दौड़ में सबसे आगे हैं। सही मायनों में देखा जाए तो चीन, अमेरिका से भी आगे निकलता दिख रहा है, जिसकी नासा को चिंता सता रही है। नासा को डर है कि कहीं चीन चंद्रमा पर अपना कब्जा न जमा ले और वहां मौजूद संसाधनों पर अपना दावा ठोककर अन्य देशों की लैंडिंग तक को रोक दे। नासा के प्रमुख बिल नेल्सन ने इसको लेकर चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका और चीन के साथ एक अंतरिक्ष दौड़ में शामिल हैं और देश को देखने की जरूरत है कि उसका प्रतिद्वंद्वी चांद पर पैर जमाने की कोशिश न करे। नेल्सन ने कहा कि चीन अंततः चंद्रमा के संसाधनों व समृद्ध क्षेत्रों पर स्वामित्व का दावा कर सकता है। नासा प्रमुख नेल्सन ने कहा, अमेरिका और चीन के बीच प्रतिस्पर्धा तेज हो रही है और अगले दो साल यह निर्धारित कर सकते हैं कि कौन सा देश इस दिशा में लाभ प्राप्त करता है। उन्होंने कहा, यह एक तथ्य है कि हम एक अंतरिक्ष दौड़ में हैं और यह सच है कि हमें बेहतर ढंग से देखने की जरूरत है कि चीन वैज्ञानिक अनुसंधान की आड़ में चंद्रमा पर कब्जा न जमा ले। और इस संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि चीन कह दे कि यह हमारा क्षेत्र है, यहां से बाहर रहो। नेल्सन ने दक्षिण चीन सागर में चीनी आक्रामकता का हवाला देते हुए कहा कि अगर किसी को संदेह है कि चीन ऐसा नहीं करेगा, तो इस बात पर गौर किया जाना चाहिए कि उसने स्प्रैटली द्वापों के साथ क्या किया? उन्होंने कहा, बीजिंग ने अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षा के तहत वहां सैन्य ठिकाने स्थापित किए हैं।

चीन ने खारिज किया दावा

उधर, वाशिंगटन में चीनी दूतावास के प्रवक्ता लियू पेंग्यू ने कहा कि अमेरिका के दावे झूठे हैं। उन्होंने कहा, कुछ चीनी अधिकारियों ने चीन के सामान्य और वैध अंतरिक्ष प्रयासों को गलत तरीके से पेश किया है। यह गैर-जिम्मेदाराना है। चीन हमेशा बाहरी अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग की वकालत करता है।

कनाडा में पार्ट टाइम जॉब करने वाले भारतीयों पर हमले

डेढ़ महीने में तीन हत्याएं, देर रात बाहर रहने से हिंसा का जोखिम बढ़ा

टोरंटो, 3 जनवरी (एजेंसियां)। कनाडा में भारतीय मूल के लोगों पर जानलेवा हमलों की बढ़ती घटनाओं से भारतीय समाज में डर का माहौल बन गया है। पिछले डेढ़ महीने में हमलों की तीन घटनाएं हुई हैं। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि भारतीय ही निशाने पर हैं या वे नस्लीय नफरत का शिकार हो रहे हैं। चिंता का कारण है कि बड़ी संख्या में अप्रवासी भारतीय युवा आजीविका के लिए पार्ट टाइम नौकरियां कर रहे हैं। ज्यादातर देर रात तक काम करते हैं। दिसंबर में अल्बर्टा में सनराज सिंह (24) की हत्या की गई। दिसंबर में ही ओंटारियो के मिसिसौगा में पवनप्रीत कौर (21) की गोली मारकर हत्या की गई। नवंबर में ब्रिटिश कोलंबिया में महकप्रीत सेठी (18) की छुरा घोंपकर हत्या की गई।

यूरोप में बुरा हाल, जनवरी में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, नए साल में दर्ज किए गए सबसे गर्म दिन

लंदन, 3 जनवरी (एजेंसियां)। इसे जलवायु परिवर्तन का असर मानें या यूक्रेन जंग की गर्मी कि समूचे यूरोप में कड़ाके की ठंड के दिनों में रिकॉर्डतोड़ गर्मी पड़ रही है। जनवरी के पहले दो दिन जबर्दस्त गर्म रहे। नए साल के पहले दो दिन सबसे गर्म दिन के रूप में दर्ज किए गए। यूरोप के कम से कम आठ देशों में ऐसे हालात देखे गए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पोलैंड, डेनमार्क, चेक गणराज्य, नीदरलैंड, बेलारूस, लिथुआनिया और लातविया में जनवरी का अब तक का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया। यूरोप के मौसमविदों ने 'द गार्जियन' को बताया कि पिछले कुछ दिनों में पूरे यूरोप में मौसम का रिकॉर्ड हैरान करने वाले ढंग से टूट रहा है। तापमान पर नजर रखने वाले मौसम वैज्ञानिक मैक्सिमिलियानो हेरेरा के अनुसार पोलैंड के कोरबिएलोव गांव में तापमान 19 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। यह मई में यहां रहने वाले तापमान से अधिक है। तापमान जनवरी के औसत 1 डिग्री तापमान से यह 18 डिग्री ज्यादा है। इसी तरह चेक गणराज्य के जवोर्निक में पारा 19.6 डिग्री सेल्सियस तक चढ़ गया, जबकि इन दिनों में यह औसत 3 डिग्री सेल्सियस रहता है। बेलारूस में जनवरी में तापमान शून्य डिग्री के आसपास रहता है, जो नव वर्ष 2023 के पहले दिन रविवार को 16.4 डिग्री सेल्सियस पर जा पहुंचा। इसने देश के जनवरी के पिछले रिकॉर्ड 4.5 डिग्री सेल्सियस को तोड़ दिया। जर्मनी, उत्तरी स्पेन और फ्रांस के दक्षिण में भी जनवरी में भी रिकॉर्डतोड़ गर्मी पड़ रही है। नॉर्वे, ब्रिटेन, आयरलैंड, इटली और दक्षिण-पूर्व

भूमध्यसागरीय देशों में ऐसा कोई रिकॉर्ड टूटा या नहीं बना है। मौसमविद हेरेरा के अनुसार इसे यूरोपीय इतिहास की सबसे प्रचंड गर्मी माना जा सकता है। एक अन्य मौसमविद एलेक्स बर्किल ने भी हेरेरा के दावे का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि यूरोप के बड़े हिस्से में जबर्दस्त गर्मी पड़ रही है, जो अब तक की अनसुनी है। एक अन्य यूरोपीय मौसम वैज्ञानिक स्कॉट डंकन के अनुसार यूरोप का यह तापमान चौंकाने वाला है। पिछले साल भी बहुत गर्म नया साल था, लेकिन इस बार यह रिकॉर्ड तोड़ रहा है। हालांकि, इसका कोई खास कारण पता लगाना मुश्किल है, लेकिन ला नीना और गर्म समुद्री सतहों की इसमें भूमिका है। जलवायु परिवर्तन पर नजर रखने वाले प्रोफेसर बिल मैकगायर ने कहा कि गर्मी के हालात बदतर होने का पूर्वानुमान था। सबसे चिंताजनक बात यह है कि ग्लोबल वार्मिंग तेजी बढ़ रही है। यह भविष्य की एक छोटी सी झलक है, जो सर्दियों को कुछ महीनों के सूखे, नम और हल्के मौसम में परिवर्तित कर देगी। इनमें ठंड, बर्फ या बर्फीले रास्ते बहुत कम दिखाई देंगे।

छतरपुर में तेज रफ्तार बाइक ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई, तीन युवकों ने मौके पर तोड़ा दम

छतरपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। छतरपुर में रात भीषण हादसा हो गया। इस सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को मोर्चरी में रखवाया है। बड़ामलहरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मेलवार के पास खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से तेज रफ्तार पल्सर बाइक टकरा गई। हादसे में बाइक पर सवार तीन युवकों की मौत हो गई। तीनों युवक बाइक से सोमवार रात आठ बजे भीमकुण्ड से लौट रहे थे। तभी मेलवार गांव के पास सड़क पर पत्थर से भरी खड़ी ट्रॉली से टकरा गए। जिससे तीनों की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई।

तालिबान गा रहा भारतीय सेना की शौर्य गाथा, 1971 युद्ध की तस्वीर शेयर कर पाकिस्तान को दी बड़ी धमकी

कहा- हम पर हमला किया तो...

इस्लामाबाद, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने बड़े अरमानों के साथ तालिबान को पाला था. उसे उम्मीद थी कि अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद तालिबान उसके पिट्ठू के रूप में काम करेगा. लेकिन अब वही तालिबान उसे औकात बताने में लगा है. पाकिस्तानी नेताओं की ओर से टीटीपी आतंकियों के सफाये के लिए अफगानिस्तान में घुसकर हमला करने के बयानों पर तालिबान ने पलटवार किया है. तालिबान ने भारतीय सेना की एक तस्वीर ट्विटर पर शेयर कर कहा है कि जैसे भारत ने वर्ष 1971 में पाकिस्तान को पीटकर इतिहास बनाया था, वैसा ही इतिहास अफगानिस्तान पर हमला करने पर फिर दोहरा दिया जाएगा.

तालिबान ने यूं छिड़का पाकिस्तान के जख्मों पर नमक

तालिबान के डिप्टी प्राइम मिनिस्टर अहमद यासिर ने ट्विटर पर एक फोटो शेयर किया है. इस फोटो में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के कमांडर रहे जनरल नियाजी भारतीय सेना के जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के आगे सरेंडर पेपर पर साइन कर रहे हैं. उनके पीछे भारतीय वायु सेना और नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी खड़े हुए हैं. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह पहली लड़ाई थी, जब 93 हजार सैनिकों ने एक साथ हथियार डाल दिए थे. भारतीय सेना ने अपने दिल्ली आर्मी हेडक्वार्टर में यह तस्वीर लगाई हुई है, जहां पर आर्मी चीफ दूसरे देशों से आने वाले सेना प्रमुखों से मुलाकात करते हैं. पाकिस्तानी सेना को आज भी यह हार बहुत सालती है और उसके अधिकारी इस पर कोई जवाब नहीं दे पाते. अहमद यासिर ने इस तस्वीर के साथ कैप्शन लिखकर पाकिस्तान को धमकी भी दी. यासिर ने लिखा, 'पाकिस्तान के गृह मंत्री, बहुत बढ़िया सर. अफगानिस्तान न तो सीरिया है और न ही पाकिस्तान कोई तुर्की है, जो सीरिया में घुसकर जब चाहे कुर्दों के ऊपर मिलिट्री अटैक कर दें. अफगानिस्तान खुद पर गर्व करने वाले कई बड़े साम्राज्यों का कब्रिस्तान रहा है. अफगानिस्तान के ऊपर हमला करने की न सोचें वरना जिस तरह भारत के साथ सरेंडर एग्रीमेंट पर साइन किए थे, उस तरह का एग्रीमेंट फिर करने को मजबूर होना पड़ेगा.' इस तस्वीर के जरिए पाकिस्तान की दुखती रग को दबाने के साथ ही तालिबान ने उसे सोमवार को दूसरा झटका भी दिया. तालिबान ने कहा कि अफगानिस्तान में टीटीपी के कोई ठिकाने नहीं है. पाकिस्तान के जो भी नेता इन कथित ठिकानों को नष्ट करने के नाम पर अफगानिस्तान पर हमला करने की धमकी दे रहे हैं, वह गलत और भड़काऊ है और तालिबान इस स्थिति को हर्गिज सहन नहीं करेगा. बताते चलें कि पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह खान ने हाल में एक इंटरव्यू में कहा था कि तालिबान को बड़ी धमकी दी थी. सनाउल्ला खान कहा था कि तालिबान ने टीटीपी से लड़ने में पाकिस्तान की मदद नहीं की तो वह अफगानिस्तान में घुसकर टीटीपी को निशाना बना सकता है.पाकिस्तानी मंत्री के इस बयान पर तालिबान ने सोमवार को कड़ा ऐतराज दर्ज करवाया. तालिबान ने कहा कि टीटीपी को अफगानिस्तान नहीं बल्कि पाकिस्तान में शरण मिली हुई है. फिर भी अगर पाकिस्तान उनके देश पर पर हमले का फैसला करता है तो इससे दोनों देशों के बीच अच्छे संबंधों को नुकसान पहुंच सकता है. तालिबान के अंतरिम रक्षा मंत्री मुल्ला याकूब ने भी कहा कि पाकिस्तान की ओर से इस तरह के बयान पहले भी दिए गए हैं, जिन्होंने अतीत में भी दोनों देशों के बीच संबंधों को नुकसान पहुंचाया है. मुल्ला याकूब ने पाकिस्तान नेताओं से कहा कि वह जंग के बजाय आपसी बातचीत के जरिए मामलों को हल करने की कोशिश करे. तालिबानी नेता ने कहा कि अपने देश की रक्षा और आजादी के लिए वे तैयार हैं. अगर पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में कोई दुस्साहस का प्रयास किया गया तो उस हमले का पूरी ताकत से जवाब दिया जाएगा.

मिशन गगनयान के एस्ट्रोनॉट्स की सीक्रेट ट्रेनिंग

10 फीट गहरे पानी में सीख रहे जीरो ग्रैविटी में कैसे जिएं, 2024 में लॉन्च

बेंगलुरु, 3 जनवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरु का ओल्ड एयरपोर्ट रोड। इलाका- मारतल्ली। यहीं वो सीक्रेट जगह है, जहां गगनयान मिशन के लिए 4 भारतीय एस्ट्रोनॉट्स यानी अंतरिक्ष यात्रियों की ट्रेनिंग चल रही है। इन्हें घंटों गहरे पानी में प्रैक्टिस करवाई जा रही है, ताकि जीरो ग्रैविटी यानी गुरुत्वाकर्षण के बिना रहना सीख पाएं। खास तरह के सिम्युलेटर (डमी कैप्सूल) में तेजी से घुमाया जा रहा है, ताकि उन्हें स्पेसक्राफ्ट में परेशानी न हो। हर रोज 4 से 6 घंटे बेहद मुश्किल एक्सरसाइज करवाई जा रही है, ताकि स्पेस में बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन बना रहे। ट्रेनिंग ले रहे चारों टेस्ट पायलट इंडियन एयरफोर्स के हैं।

इस मिशन से जुड़े टॉप सीनियर साइंटिस्ट ने हमें ट्रेनिंग से जुड़ी कई बातें बताई हैं, लेकिन अपना नाम देने से इनकार कर दिया। उन्होंने बताया कि एस्ट्रोनॉट के लिए इंडियन एयरफोर्स के पायलट्स को इसलिए चुना गया, क्योंकि वो इसकी ट्रेनिंग से काफी हद तक वाकिफ होते हैं।

ट्रेनिंग के कोई फिक्स घंटे नहीं होते, ये डे टु डे रिक्वायरमेंट के हिसाब से बदलती है। एक साल रूस में ट्रेनिंग लेने के बाद बीते करीब 5 महीने से बेंगलुरु में ट्रेनिंग चल रही है। सिक्योरिटी रीजन की वजह से एस्ट्रोनॉट्स के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। बीते एक हफ्ते में हमने गगनयान मिशन के बारे में तमाम जानकारियां जुटाईं। बेंगलुरु के उस एरिया में घूमे, जहां एस्ट्रोनॉट्स की ट्रेनिंग हो रही है। उनके लिए कोर्स डिजाइन करने वाले एक्सपर्ट और इसरो के तमाम साइंटिस्ट्स से बात की। 4 लोगों को ट्रेनिंग दी जा रही है, लेकिन अंतरिक्ष में कितने भेजे जाएंगे, यह अभी तय नहीं है। अभी पूरा मिशन डेवलपमेंट स्टेज में है। हो सकता है दो एस्ट्रोनॉट्स जाएं या तीन। वे वहां कितने दिन रुकेंगे, इस पर भी फैसला नहीं हुआ है, क्योंकि अभी कई टेस्ट होने हैं। इनका जो रिजल्ट आएगा, उसी से तय होगा कि एस्ट्रोनॉट कितने दिन रुकेंगे। ये टाइम 12 घंटे से लेकर 72 घंटे तक हो सकता हो। एस्ट्रोनॉट्स गगनयान से बाहर नहीं जाएंगे, सिर्फ यान के अंदर एक्टिविटी करेंगे।

भारत के सपनों का गगनयान, मिशन कामयाब रहा तो चौथे देश होंगे

अब तक रूस, अमेरिका और चीन ही इंसानों को अंतरिक्ष में भेज पाए हैं। सोवियत रूस ने 12 अप्रैल 1961 को यूरी गागरिन को स्पेस में भेजकर पहली बार ये कारनामा किया था। अगले महीने यानी 5 मई 1961 को एलन शेफर्ड अंतरिक्ष में जाने वाले पहले अमेरिकी एस्ट्रोनॉट बने। चीन को ये कामयाबी 2003 में मिली।

अगर गगनयान मिशन कामयाब रहा तो भारत स्पेस में इंसान भेजने वाला चौथा देश होगा। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन यानी ईसरो ने इस पूरे मिशन को सीक्रेट रखा है। एस्ट्रोनॉट्स के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम डिजाइन करने वाले एक्सपर्ट्स को भी उनसे बातचीत करने की इजाजत नहीं दी गई।

70 में से 4 लोग चुने गए, चारों की उम्र 40 साल से कम

इसरो को एस्ट्रोनॉट ट्रेनिंग के लिए 70 फॉर्म मिले थे। बेंगलुरु के इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन में मेडिकल स्क्रीनिंग और फिजिकल टेस्ट के बाद 4 बेस्ट एप्लिकेंट्स को चुना गया। टेस्ट पायलट होने की वजह से इनके पास सबसे ज्यादा जोखिम में जहाज उड़ाने का एक्सपीरियंस है।

रूस में 13 महीने चली ट्रेनिंग, बेसिक वहीं से सीखे

चारों टेस्ट पायलट को फरवरी 2020 में ट्रेनिंग के लिए रूस भेजा गया था। रूस इसलिए, क्योंकि अंतरिक्ष में इंसानों का भेजने का सबसे लंबा और सबसे सफल अनुभव रूस के ही पास है, और वह हमारा सहयोगी भी है। वहां करीब 13 महीने ट्रेनिंग चली। ये ट्रेनिंग रूस के स्पेसक्राफ्ट के मुताबिक थी, जबकि हम इस बार अंतरिक्ष में स्वदेशी स्पेसक्राफ्ट भेजने वाले हैं। इसलिए रूस में सिर्फ उन चीजों से फैमिलियर करवाया गया था, जो कॉमन हैं। जैसे, अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण यानी ग्रैविटेशन फोर्स नहीं होती। इससे आदमी हर समय हवा में उड़ता रहता है। अंतरिक्ष यात्रियों को ग्रैविटेशन फोर्स न होने पर कैसे रहना है, ये सिखाया गया। इसके लिए पानी में 8 से 10 फीट की गहराई में ले जाकर ट्रेनिंग दी गई।

हार्ट रेट बढ़ाने और रिड्यूस करने की भी ट्रेनिंग

हमने स्पेस ग्रुप ऑफ कंपनीज के फाउंडर और चेयरमैन सचिन भांबा से जाना कि एस्ट्रोनॉट बनना कितना मुश्किल है, और इसके लिए किस तरह की ट्रेनिंग दी जाती है। भांबा कहते हैं- 'एस्ट्रोनॉट बनने के लिए अच्छी फिटनेस बहुत जरूरी है। जब हम झूले पर बैठते हैं और झूला गोल-गोल घूमना शुरू करता है तो हमें मितली या उल्टी जैसा फील होने लगता है। इसी तरह स्पेस में जाने के बाद गुरुत्वाकर्षण महसूस नहीं होता और बॉडी रोटेट होती रहती है, ऐसे में दिमाग को इस बात के लिए तैयार करना होता है। दिमाग को सिखाया जाता है कि स्पेस में जाने के बाद वो पेट को ग्रैविटेशनल फोर्स फील नहीं होने का सिग्नल न दें, जिससे उल्टी जैसा फील नहीं होता। इसके लिए एस्ट्रोनॉट्स को कई-कई घंटे मशीनों में गोल-गोल घुमाया जाता है।

न्यू ईयर पार्टी में 15 टन बिरयानी खा गए लोग

24 घंटे बिना रुके फूड पहुंचाते रहे डिलीवरी बॉय, कोई बेहोश हुआ तो किसी की जान गई

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। 31 दिसंबर 2022 को जोमाटो और स्विगी ने फूड ऑर्डर सप्लाई करने में अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। जोमाटो पर सबसे ज्यादा बिरयानी के ऑर्डर आए। जोमाटो कंपनी के सीईओ दीपेंदर गोयल के मुताबिक, 2022 के आखिरी दिन 16,514 ऑर्डर केवल बिरयानी के मिले, जिनका वजन करीब 15 टन यानी एक ट्रक के बराबर होगा। इतना ही नहीं 31 दिसंबर को जोमाटो ने 20 लाख से ज्यादा ऑर्डर डिलिवर किए।

नए साल पर ऑनलाइन फूड डिलीवरी की बाढ़ सी आ गई। पार्टी फूड ऑर्डर के लिए जोमाटो और स्विगी ने 5 लाख से ज्यादा ऑर्डर्स पूरे किए। स्विगी ने 3.5 लाख बिरयानी और 2.5 लाख पिज्जा के ऑर्डर देश के कई शहरों में पहुंचाए। स्विगी को इसके बाद 1.56 लाख बिरयानी के और ऑर्डर्स मिले। साफ जाहिर है जश्न के दौरान बिरयानी कस्टमर्स की पहली पसंद रही।

डॉमिनोज इंडिया ने 61,287 पिज्जा डिलिवर किए। सोचिए कि इन पिज्जा के साथ कितने ऑर्गिनौ और चिली फ्लेक्स के पैकेट भी गए होंगे। स्विगी के अनुसार, करीब 14 हजार पैकेट नाचोज, 15 हजार लेमन और 15 हजार सोडा भी डिलिवर हुए। इसके अलावा स्विगी ने भी 31 दिसंबर की शाम 6:33 बजे तक चिप्स के 1.76 लाख पैकेट डिलिवर किए। जोमाटो ने कहा है कि बीते वर्षों के मुकाबले इस बार फूड डिलीवरी में 47 फीसदी इजाफा हुआ। जोमाटो के सीईओ दीपेंदर गोयल के मुताबिक, कोरोना के चलते पिछले तीन साल में कारोबार ने जो मंदी झेली, उसकी भरपाई साल के आखिरी दिन हो गई।

पिछले साल के आखिरी दिन, जोमाटो को हर मिनट 186 बिरयानी के ऑर्डर मिले। वहीं, इसी दौरान स्विगी को 137 ऑर्डर मिले। स्विगी के सीईओ श्रीहर्षा मजेठी ने बताया कि 31 दिसंबर को 1,22,000 यूजर्स उनके ऐप पर लाइव थे, यानी फूड आइटम्स ढूढ रहे थे। उनका कहना था, हम अपने कस्टमर्स को बेहतरीन सुविधाएं वक्त पर मुहैया कराने में कामयाब रहे। जोमाटो के सीईओ खुद 4 ऑर्डर डिलिवर करने गए, जिसमें से एक ऑर्डर बुजुर्ग दंपती के लिए था, जो अपने पोते-पोतियों के साथ नए साल का जश्न मना रहे थे। फूड डिलीवर करने के बाद जोमाटो के सीईओ ने ट्वीट किया, 'मैं ऑफिस वापस आ गया हूं ।'

चलिए अब बात करते हैं डिलीवरी को लेकर बढ़ती चुनौतियों की-

बीते 26 दिसंबर 2022 को नोएडा में जिला जज के स्टीकर वाली एक तेज रफ्तार कार ने फूड डिलीवरी करने जा रहे बाइक सवार परवेंद्र कुमार को टक्कर मार दी। इसमें बाइक सवार डिलीवरी बॉय ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। 26 दिसंबर को ही दिल्ली मेट्रो स्टेशन जसोला विहार और शाहीन बाग के बीच ट्रैक पर ब्लड सैंपल ले जा रहा ड्रोन पक्षी से टकराकर गिरा तो 1 घंटे तक मेट्रो सेवा ठप हो गई। इस तरह के हादसों से जुड़े और भी मामले दिल्ली, जोधपुर, इंदौर सहित कई शहरों में देखने को मिलते हैं।

नोटबंदी को गैरकानूनी बताने वाली इकलौती जज की कहानी

पिता सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस थे, 5 साल पहले भी पलटा केंद्र सरकार का फैसला

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। 2 जनवरी 2023 यानी सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की संविधान पीठ ने नोटबंदी पर अपना फैसला सुना दिया। संविधान पीठ ने यह फैसला चार-एक के बहुमत से सुनाया है। जस्टिस एस अब्दुल नजीर, बीआर गवई, एएस बोपन्ना और वी रामसुब्रमण्यम ने कहा है कि नोटबंदी की प्रक्रिया में कोई गड़बड़ी नहीं है। सिर्फ जस्टिस बीवी नागरत्ना ने बहुमत से अलग राय देते हुए नोटबंदी के फैसले को 'गैरकानूनी' करार दिया है।

नागरत्ना ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के लॉ डिपार्टमेंट से एलएलबी की है। पढ़ाई पूरी करने के बाद वो बेंगलुरु गईं और 1987 में करियर की शुरुआत एक वकील के तौर पर की। वो बैरिस्टर वासुदेव रेड्डी और तब के पॉपुलर वकील जीवी शांतराजू के साथ काम करती थीं। जस्टिस नागरत्ना 2008 में कर्नाटक हाईकोर्ट में बतौर एडिशनल जज आई थीं। 2009 जस्टिस नागरत्ना के करियर के सबसे कठिन सालों में से एक था। दरअसल, कर्नाटक हाईकोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश पीडी दिनाकरन पद के दुरुपयोग, भ्रष्टाचार और जमीन अधिग्रहण जैसे गंभीर आरोपों में घिर गए थे। जस्टिस दिनाकरन का विरोध करने के लिए वकीलों ने राज्यभर की अदालतों में सभी प्रोसीडिंग्स का विरोध किया। इसके बावजूद जस्टिस दिनाकरन हियरिंग कर रहे थे। इससे नाराज होकर वकीलों ने जस्टिस दिनाकरन, जस्टिस नागरत्ना के साथ एक और जस्टिस को कमरे में बंद कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान जस्टिस नागरत्ना पर हमला भी किया गया था। वहीं जस्टिस दिनाकरन को एक नुकीली चीज चुभोई गई थी, जिससे वो घायल हो गए थे। इस घटना पर जस्टिस नागरत्ना ने कहा, 'हम नाराज नहीं हैं, लेकिन हमें दुख है कि बार ने हमारे साथ ऐसा किया। हमें शर्म से अपना सिर झुकाना पड़ रहा है।'

साल भर बाद 2010 में जस्टिस नागरत्ना को कर्नाटक हाईकोर्ट में स्थायी जज बना दिया गया। 18 अगस्त 2021 को सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने खाली पदों के लिए 9 जजों के नाम रेकमेंड किए। इनमें एक नाम जस्टिस बीवी नागरत्ना का भी था। 30 अगस्त 2021 को भारत के इतिहास में पहली बार नौ जजों ने एक साथ शपथ ली।

अब जस्टिस नागरत्ना के 4 बड़े फैसले

1. 'मंदिर बिजनेस की जगह नहीं, कर्मचारियों को ग्रेच्युटी नहीं मिलेगी'

2018 में जस्टिस नागरत्ना की अध्यक्षता वाली पीठ का एक फैसला खूब चर्चा में रहा था। जब पीठ ने श्री मूकाम्बिका मंदिर बनाम श्री रविराजा शेट्टी के केस की सुनवाई करते हुए अधिनियम 1972 का हवाला देकर कहा कि मंदिर बिजनेस की जगह नहीं हैं, इसलिए इसके कर्मचारी ग्रेच्युटी भुगतान के अधिकारी नहीं माने जा सकते हैं। उनके इस फैसले पर जमकर बहस हुई थी।

2. प्रवासी मजदूरों के मामले में राज्य सरकार को लगाई फटकार

30 मई 2020 को कर्नाटक हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अभय ओका और जस्टिस नागरत्ना ने एक फैसला सुनाया। अपने फैसले में जजों ने लॉकडाउन के बाद प्रवासी मजदूरों की खराब हालत को लेकर राज्य सरकार को फटकार लगाई। जजों ने 6 लाख से ज्यादा मजदूरों के लिए रहने, खाने और इन मजदूरों को उनके घर तक पहुंचाने की उचित व्यवस्था करने का आदेश दिया था। इस फैसले की खूब सराहना हुई थी।

3. 'दुनिया में कोई भी बच्चा बिना मां-बाप के पैदा नहीं होता'

साल 2021 में जस्टिस नागरत्ना की अध्यक्षता वाली एक खंडपीठ ने कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन के एक सर्कुलर के खिलाफ अहम फैसला सुनाया था। दरअसल, सर्कुलर में कहा गया था कि एक कर्मचारी की दूसरी पत्नी या उसके बच्चे अनुकंपा नियुक्ति के पात्र नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'इस दुनिया में कोई बच्चा बिना मां-बाप के पैदा नहीं होता। बच्चे के पैदा होने में खुद उसका कोई योगदान नहीं होता। इसलिए कानून को इस तथ्य को स्वीकार कर लेना चाहिए कि नाजायज मां-बाप हो सकते हैं, लेकिन नाजायज बच्चे नहीं।'

4. केंद्र के फैसले पर 5 साल पहले भी हो चुका है टकराव

ये पहली दफा नहीं है जब जस्टिस नागरत्ना ने केंद्र के किसी फैसले को गलत ठहराया है। इससे पहले भी उनकी अध्यक्षता वाली पीठ ने 2017 में 'द टोबैको इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया' बनाम 'यूनियन ऑफ इंडिया' के केस पर फैसला सुनाते हुए केंद्र के उस फैसले को रद्द कर दिया था, जिसमें केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने तंबाकू उत्पाद की 85% पैकेजिंग को सचित्र स्वास्थ्य चेतावनी के साथ कवर करना अनिवार्य किया था।

नारायणपुर में बवाल के बाद 5000 जवान तैनात; हिरासत में बीजेपी जिलाध्यक्ष

विधानसभा के बाहर प्रदर्शन

रायपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में धर्मांतरण को लेकर सोमवार को हुए बवाल के बाद तनावपूर्ण शांति छाई हुई है। उपद्रव स्थल से लेकर गांवों में करीब पांच हजार जवान तैनात हैं। वीडियो रिकॉर्डिंग के आधार पर आरोपियों की धरपकड़ शुरू हो गई है। भाजपा जिलाध्यक्ष को हिरासत में लिया है। इसके अलावा देर रात 35 से 40 लोगों को भी घर से उठाया गया है। वहीं रायपुर में भी विधानसभा के सामने मंगलवार को भाजपा ने प्रदर्शन किया। दूसरी ओर सर्व आदिवासी समाज ने इस पूरे मामले से पल्ला झाड़ लिया है।

करीब तीन माह से थे तनाव के हालात

बताया जा रहा है कि एड़का के गौर्रा में पिछले करीब तीन माह से धर्मांतरण को लेकर तनाव के हालात बने हुए थे। पुलिस को इस संबंध में तमाम शिकायतें भी की गईं, लेकिन पुलिस ने न तो मामला दर्ज किया और न ही कोई कार्रवाई की। इसके बाद हालात बिगड़ते चले गए। उपद्रवियों ने पहले थाना प्रभारी से मारपीट की। इसके बाद सोमवार को बवाल सड़क पर आ गया। उपद्रवियों ने तीन चर्चों में तोड़फोड़ की है। चर्च में रखा फर्नीचर और वहां लगी मूर्तियों को भी नुकसान पहुंचाया गया।

उपद्रव के बाद गांवों में डर का माहौल

नारायणपुर में बवाल से पहले ही जिले के 40 गांव संवेदनशील बने हुए हैं। बताया जा रहा है कि एड़का, बेनूर और नारायणपुर थाना क्षेत्र के इन गांवों में एक गुट के लोग अपने घर छोड़कर चले गए हैं। कुछ दिन पहले एड़का में ही भीड़ ने थाना प्रभारी पर हमला किया था। इसके बाद सोमवार को बवाल के बाद सीएएफ की 16वीं बटालियन के कमांडेंट फोर्स के साथ पहुंचे और भीड़ को भगाया। इसके बाद ही एसपी को वहां से निकाला जा सका। फिलहाल पुलिस वीडियो फुटेज के जरिए आरोपियों को पकड़ने में जुटी है।

कका बने दादा : मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की बहू ख्याति ने दिया बेटे को जन्म

पोते को देखकर बोले-क्या हाल-चाल हीरो

रायपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजनीति में कका के नाम से प्रसिद्ध मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दादा बन गए हैं। उन्हें पोता हुआ है। भिलाई के एक निजी अस्पताल में उनके पुत्र चैतन्य बघेल और पुत्रवधू ख्याति बघेल को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई है। इस खुशखबरी मिलते ही मुख्यमंत्री को बधाइयां मिलने का सिलसिला शुरू हो चुका। मुख्यमंत्री बघेल भी पत्नी के साथ पोते से मिलने अस्पताल में पहुंचे। उसे देखते ही सीएम बोले- क्या हाल-चाल है हीरो।

अस्पताल सूत्रों के मुताबिक जच्चा-बच्चा दोनों ठीक है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी ट्वीट कर पोते के जन्म की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा है, 'मैं दादा बन गया, पोता हुआ है'। सीएम के बेटे चैतन्य बघेल और ख्याति की शादी पिछले साल फरवरी में हुई थी। दादा बनने की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजधानी रायपुर से विदाई के लिए रवाना हो गए और अस्पताल पहुंचकर उन्होंने पोते को गोद में लिया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पुत्रवधू और चैतन्य बघेल की धर्मपत्नी ख्याति बघेल को मंगलवार सुबह प्रसव पीड़ा होने पर भिलाई के निजी अस्पताल शास्त्री नगर स्थित बीएम शाह अस्पताल एंड मेडिकल रिसर्च सेंटर में सुबह करीब 8 बजे भर्ती कराया गया था। यहां पर ख्याति बघेल ने सुबह 9.42 बजे के करीब एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया है। मां-बेटे को डॉ. नम्रता की निगरानी में रखा गया है।

धर्मांतरण और शराब के मुद्दे पर सदन में हंगामा

एमएलए ने लखमा से पूछा-10 पेटी शराब बाइक में आ जाएगी, मंत्री के जवाब पर हंगामा

रायपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीत सत्र के दूसरे दिन धर्मांतरण के मुद्दे पर जमकर हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित हो गई। नारायणपुर की घटना को लेकर बीजेपी सदस्यों ने कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराते हुए वेल पर आकर नारेबाजी करने लगे। जिसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया। भाजपा नेता बाहर आकर भी नारेबाजी करते रहे।

इससे पहले प्रश्नकाल में पक्ष-विपक्ष के नेताओं के बीच सवाल-जवाब हुए। इस दौरान डीएमएफ फंड में भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर भाजपा ने हंगामा किया। इस पर मंत्री उमेश पटेल को विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत ने जांच कराने के निर्देश दिए। इसके बाद कांग्रेस विधायक के सवाल पर मंत्री कवासी लखमा उलझ गए। विपक्ष ने भी हंगामा शुरू कर दिया और प्रश्नकाल इसी हंगामे के बीच खत्म हुआ। सबसे पहले सदन के माहौल की गर्मी 33 करोड़ के फंड के गलत उपयोग के आरोपों ने बढ़ा दीं। भाजपा विधायक सौरभ सिंह ने कहा कि डीएमएफ 33 करोड़ रुपयों से रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम किए जाने थे, इसमें उन्होंने राशि के गलत उपयोग का आरोप लगाया। जवाब में मंत्री उमेश पटेल ने बताया कि 3 साल में 33 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। भाजपा की ओर से कहा गया कि जांजगीर जिले में प्रशिक्षण पर रुपए खर्च नहीं किए गए।

इसके बाद भाजपा के विधायकों, बृजमोहन अग्रवाल, अजय चंद्राकर समेत अन्य ने मिलकर हंगामा शुरू कर दिया। आरोप लगाया गया कि फंड का गलत उपयोग किया गया। उमेश पटेल पर ठीक से जवाब न देने और जांच न करने की बात कहकर भाजपा विधायकों ने विरोध शुरू कर दिया। इसके बाद दोनों पक्षों को शांत कराते हुए खुद विधानसभा अध्यक्ष चरण दास महंत ने भी इस मामले की जांच को कहा।

17 दिन में 128 विधानसभा क्षेत्रों में बीजेपी की सभाएं

पूनिया, मेघवाल, अरूण सिंह सबसे ज्यादा सक्रिय; राजे की आंदोलन से अब भी दूरी

जयपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में बीजेपी की जनाक्रोश सभाएं अगले 10 दिन तक और चल सकती हैं। कांग्रेस सरकार के 4 साल के विरोध में बीजेपी ने पिछले महीने जनाक्रोश आंदोलन लॉन्च किया था। इस आंदोलन में पूरे प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में जनाक्रोश रथयात्रा निकालने के बाद बीजेपी ने सभी विधानसभा क्षेत्रों में जनाक्रोश सभाएं कीं। 16 दिसम्बर से शुरू हुआ बीजेपी की जनाक्रोश सभाओं का यह दौर जनवरी के दूसरे सप्ताह तक जारी रह सकता है।

बीजेपी अबतक 200 में से 128 विधानसभा क्षेत्रों में अपनी जनाक्रोश सभाएं कर चुकी है। वहीं 72 और विधानसभा क्षेत्रों में ये सभाएं होनी है। मारवाड़ और हाड़ौती क्षेत्र के कई इलाकों में अभी भी जनसभाएं होना शेष है। बीजेपी अपने इस अभियान से कांग्रेस के प्रति माहौल बनाने के साथ-साथ राजस्थान में खुद की

एकता दर्शाने की कोशिश में है। मगर अब भी कई मोर्चों पर बीजेपी में खेमेबंदी और खींचतान दिखाई दे रही है।

वसुंधरा अबतक जनाक्रोश से दूर

1 दिसम्बर से शुरू हुए बीजेपी के इस आंदोलन में पूर्व सीएम वसुंधरा राजे बहुत ज्यादा शामिल होती नजर नहीं आई हैं। आंदोलन की शुरुआत में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा के कार्यक्रम के बाद वसुंधरा ने इस आंदोलन से दूरी बनाई हुई है। हालांकि इसके पीछे बीजेपी उनके पारिवारिक कारण होना बताती है।

मगर यह भी एक सच्चाई है कि वसुंधरा इस बीच अन्य कई राजनीतिक, सामाजिक और निजी कार्यक्रमों में शामिल हुई हैं। मगर जनाक्रोश में वसुंधरा राजे का ज्यादा सक्रियता से शामिल नहीं होना बीजेपी में चर्चा का विषय जरूर है।

सतीश पूनिया, अरूण सिंह, अर्जुन मेघवाल ज्यादा सक्रिय

बीजेपी के जनाक्रोश सभाओं और उससे पहले यात्राओं के दौरान बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ज्यादा सक्रिया नजर आए। उन्होंने इस दौरान कई यात्राएं और दौरे किए। प्रदेश के लगभग हर हिस्से में जाकर पूनिया ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। उनके अलावा प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह, केंद्रीय मंत्री अर्जुनलाल मेघवाल, वरिष्ठ नेता विजया रहाटकर, राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा भी काफी सक्रिय नजर आए।

सीपी जोशी-दीया कुमारी भी सक्रिय, शेखावत-कटारिया सीमित

इसके अलावा कई सांसद भी इस आंदोलन में सक्रिय नजर आए हैं। सबसे ज्यादा सक्रिय चित्तौड़ सांसद सीपी जोशी, राजसमंद सांसद दीया कुमारी, बालकनाथ नजर आए। हालांकि केंद्रीय मंत्री गजेंद सिंह शेखावत और नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया भी आंदोलन में सीमित तौर पर ही नजर आए। इसके अलावा संगठन महामंत्री चंद्रशेखर भी आंदोलन में ज्यादा सक्रिय नजर नहीं आए।

आंदोलन के बाद बीजेपी करेगी कार्यकर्ता सम्मेलन

बीजेपी ने 10 जनवरी तक सभी 200 विधानसभाओं में जनाक्रोश सभाएं करने का लक्ष्य रखा है। ये सभाएं करने के बाद बीजेपी राजस्थान में बड़ा कार्यकर्ता सम्मेलन करेगी। इसमें प्रदेशभर के सभी कार्यकर्ता शामिल होंगे। बीजेपी ने सदस्यता अभियान में भी जिन नए कार्यकर्ताओं को जोड़ा था वो भी इसमें शामिल होंगे।

बीजेपी अपने तमाम आंदोलनों और सम्मेलनों में वर्तमान कांग्रेस सरकार को किसान कर्जमाफी, महिला सुरक्षा, पेपर लीक, गैंगस्टर और माफियाओं के बढ़ते आतंक के मसलों पर घेरेगी।

बीजेपी विधायक बोले, राजस्थान में नकल का खेल चल रहा

भाजपा किसान मोर्चा ने पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग उठाई, संभागीय आयुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन किया

कोटा, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पेपर लीक मामले को भाजपा किसान मोर्चा भी आज सड़क पर उतरा। कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ हल्ला बोलते हुए संभागीय आयुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन किया। और पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की करते हुए संभागीय आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन में कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा भी शामिल हुए।

विधायक संदीप शर्मा ने कहा राजस्थान में नकल का खेल चल रहा है।इसमें पूरी तरीके से सरकार की मिलीभगत है। सरकार की ढिलाई ,लापरवाही के चलते राजस्थान के युवाओं का भविष्य अंधकार में हो गया है। सरकारी भर्ती, बेरोजगारी भत्ते के नाम पर युवाओं के साथ धोखा किया जा रहा है। रोजाना भर्तियां निकाली

जाती है लेकिन वो कभी पूरी नहीं होती। बीच में या तो नकल हो जाती है या परिणाम आने के बाद कोर्ट में जाकर स्टे लगा दिया जाता है। यह सरकार की धोखा देने की पुरानी आदत है।जबकि अन्य प्रदेशों में नकल को लेकर सरकार गंभीर हो जाती है वहां नकल पर पूरी तरह से बैन लग चुकी है। जबकि प्रदेश में तो डोटासरा जी का तो पूरे परिवार सदस्य आरएएस बन गए।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत युवाओं व बेरोजगारों के हक को संभाल नहीं पा रहे हैं। उनको अधिकार नहीं दिला पा रहे हैं। सीएम गहलोत को इस्तीफा दे देना चाहिए। आज युवाओं ने सेकंड ग्रेड के जीके के पेपर लीक, सहित अन्य पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है।

राजस्थान में बन सकते हैं 6 नए जिले

14 साल से नए डिस्ट्रिक्ट बनने का इंतजार, वसुंधरा राज में बना था आखिरी

जयपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। 23 जनवरी को बजट सत्र की घोषणा के साथ ही राजस्थान में नए जिले बनाए जाने की चर्चा ने फिर जोर पकड़ लिया है। प्रदेश में इस समय 33 जिले हैं। यहां आखिरी जिला प्रतापगढ़ 2008 में वसुंधरा सरकार के समय बना था। तब से अब तक राजस्थान इस मोर्चे पर खाली हाथ है।

जरूरत बड़ी, मांग जायज

कई गांवों की दूरी मुख्यालय से 200 किमी तक है। हर काम के लिए आप पब्लिक को परेशानी होती है। डेवलपमेंट भी अटक रहा है। राज्य में जिन तहसीलों को जिले बनाए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई जाती रही है, उनमें- बालोतरा (बाड़मेर), कोटपुतली (जयपुर), फलौदी (जोधपुर), ब्यावर (अजमेर), नीम का थाना (सीकर) और डीडवाना (नागौर) शामिल हैं।

पड़ताल में जाना कि इन क्षेत्रों में मौजूद कई गांवों की जिला मुख्यालय से दूरी 200 किलोमीटर तक है, जिसे तय करने में घंटों का समय लग जाता है। नतीजतन, यहां के निवासियों को तमाम तरह के छोटे से लेकर बड़े तक राजनीतिक-प्रशासनिक फायदों से वंचित रहना पड़ता है।

इधर, सांभर को जिला बनाने की सबसे पुरानी मांग

इन नए जिलों के बीच पिछले लंबे समय से सांभर को जिला बनाने की मांग की जा रही है। इसको लेकर पूर्व में भी कई आंदोलन हो चुके हैं। वर्ष 2012 और 2017 में सांभरलेक जिला बनाने के लिए जोरदार अभियान चलाया गया था। संयुक्त रूप से सांभरलेक-फुलेरा जिला बनाने की मुहिम चला रहे ग्रामीणों का दावा है कि सांभरलेक को जिला बनाने पर सरकार का बहुत ज्यादा खर्चा भी नहीं होगा। यहां एसडीएम, तहसील, डीएसपी कार्यालय हैं, सरकारी पीजी कॉलेज, आईटीआई, रेलवे स्टेशन, बीएसएनएल, नगरपालिका, सांभर साल्ट मुख्यालय, बीईईओ, महिला बाल विकास सहित सभी सरकारी कार्यालय पहले से हैं। हालांकि इसको लेकर अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ग्रामीणों की ये मांग कब तक पूरी होगी। लेकिन, दो महीने पहले ही बड़े स्तर पर आंदोलन हुआ था और बाजार बंद रखे गए थे। इसके बाद जयपुर तक बाइक रैली निकाली गई और अधिकारियों से मुलाकात की थी।

तीन जिलों में बंटी है सांभर झील

वर्तमान में झील 3 जिलों में बंटी है। झील का इलाका नागौर, अजमेर और जयपुर जिले में आता है। 3 जिलों के कलेक्टरों के आदेश लागू होते हैं इससे प्रशासनिक कार्यों में देरी होती है और समय पर नमक उत्पादन या अतिक्रमण हटाने में विरोधाभास होता है। यदि सांभरलेक जिला बनता है तो यह समस्या भी दूर हो जाएगी। सांभरलेक टूरिज्म, नमक उत्पादन और फिल्म शूटिंग के लिए पसंदीदा जगह बन गया है।

देश का 12 फीसदी नमक सांभर में तैयार होता है

मौत के बाद मजदूरों के नहीं जलते पैर, ऐसे बनी थी सांभर झील

जयपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। षराजस्थान में देश का 12 फीसदी नमक पैदा होता है। सांभर झील से इस नमक की पैदावार होती है। सांभर साल्ट लेक देश की सबसे बड़ी खारे पानी झील है। झील में हर साल 2,10,000 टन से ज्यादा नमक का उत्पादन होता है। इस नमक को हरियाणा, पंजाब सहित अन्य राज्यों में आयात किया जाता है। प्रदेश में नमक का सबसे अधिक उत्पादन नावां में होता है। यहां अंग्रेजों ने नमक का उत्पादन करने के लिए झील के किनारे रेलवे लाइन बिछाई और फिर सांभर साल्ट कंपनी द्वारा नमक उत्पादन शुरू किया। यहां बनाए जाना वाला नमक प्राकृतिक तरीके से तैयार किया जाता है। सबसे पहले उद्यमी जमीन पर क्यार और कंटासर बनाए जाते हैं फिर बोरवेल का पानी कंटासर में डाला जाता है। इसके बाद पानी को एक से दूसरे और फिर तीसरे कंटासर से घुमाया जाता है।

इस प्रक्रिया से पानी को करीब 25 डिग्री तक खारा किया जाता है। पानी को क्यारियों में डाला जाता है। तेज धूप के कारण पानी धीरे-धीरे नमक के रूप में बदल जाता है। इसके बाद इसे नमक

प्लांट और रिफाइनरी तक पंहुचाया जाता है।

सांभर झील समुद्र तल से 1200 फीट ऊंचाई पर स्थित है। जब यह पूरी तरह भरी होती है तब इसका इसका क्षेत्रफल 90 वर्ग मील होता है। इस झील में रूपनगढ, मेंथा, खारी और खंड़ेला नामक चार नदियां आकर गिरती हैं। विशेषज्ञों के अुनसार अरावली के शिष्ट और नाइस के गर्तों में भरा हुआ गाद ही नमक का स्रोत है। इस गाद में घुलने वाला सोडियम बारिश के पानी में मिलकर नदियों के रास्ते झील में पहुंचाता है, और फिर नमक के रूप में बदल जाता है।

नमक बनाने वाले मजदूरों का दर्द

जिस नमक को हम स्वाद के लिए खाते हैं उसे बनाने वाले मजदूरों का सच हैरान करने वाला है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जो मजदूर नमक बनाने का काम करते हैं। उनकी मौत के बाद उनका अंतिम संस्कार करना बहुत मुश्किल होता है। कई सालों तक नमक में काम करने के कारण उनके शरीर कुछ हिस्से जलते तक नहीं हैं। अंतिम संस्कार के समय उनके हाथ और पैर का जलना बहुत मुश्किल हो जाता है। ऐसे में उन्हें नमक डालकर दफन कर दिया जाता है।

सांभर झील तीन जिलों में बंटी है

सांभर झील प्रदेश के तीन जिलों में फैली हुई है। यह जयपुर, अजमेर और नागौर जिले में पड़ती है। सांभर झील नमक उत्पादन के अलावा पर्यटन और फिल्म शूटिंग के लिए एक पसंदीदा जगह बन गई है।

सांभर झील को लेकर यह है मान्यता

जयपुर से 100 किमी. दूर सांभर कस्बे में शाकंभरी माता का मंदिर है। इस मंदिर को करीब 2500 साल पुराना बताया जाता है। शाकंभरी माता चौहान वंश की कुलदेवी हैं। उन्हें मां दुर्गा का अवतार भी माना जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार, एक समय में पृथ्वी पर सौ साल तक बारिश नहीं हुई। इससे अन्न-जल की कमी हो गई, तब मुनियों ने देवी भगवती की उपासना की। इस उपासना से खुश होकर मां दुर्गा ने शाकंभरी रूप में अवतार लिया। उनकी कृपा से वर्षा हुई और अन्न-जल का संकट खत्म हुआ। कुछ समय बाद मां की कृपा से उत्पन्न हुई प्राकृतिक संपदा को लेकर झगड़े शुरू हो गए। इससे नाराज हुई मां शाकंभरी ने यहां की संपदा और खजाने को नमक में बदल दिया। इस तरह से सांभर झील की उत्पत्ति होना माना जाता है।

दागदार खाकी...

प्रदेश में 3 साल में 1327 पुलिसकर्मी निलंबित, सबसे ज्यादा झालावाड़ में 92 को हटाना पड़ा

कोटा, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस महकमे में अनुशासनहीनता बढ़ रही है। ड्रग तस्करों, बजरी माफिया से मिलीभगत, बदमाशों को फरार करवाना, चोरी का माल छोड़ देना, हत्या के आरोपियों को सुविधाएं देना.. आदि कारनामे खाकी को बदनाम कर रहे हैं। इसे विभाग 'अनुशासनहीनता' मानता है। इस अनुशासन को तोड़ने व आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहने पर वर्ष 2019 से 2021 तक प्रदेश में 1327 पुलिसकर्मियों को निलंबित किया। इनमें कांस्टेबल से लेकर डीएसपी-एएसपी तक शामिल हैं। इसमें झालावाड़ जिले की पुलिस सर्वाधिक अनुशासनहीन निकली, जहां 3 साल में 92 पुलिसकर्मी निलंबित हुए। यानी हर 12वें दिन कोई अनुशासनहीनता वर्दी वाले ने की। टोंक और भिवाड़ी पुलिस जिलों में 72-72 निलंबित हुए।

4.5 किलो चांदी और 10 तोला सोने के गहने चोरी

2 सूने मकानों के तोड़े ताले, 10 दिन तक पुलिस ने दर्ज नहीं की रिपोर्ट

जालोर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। जालोर जिले के बिशनगढ़ थाना क्षेत्र के उम्मेदाबाद में चोरों ने 2 सूने मकानों के ताले तोड़कर सोने चांदी के गहने और नकदी पर हाथ साफ कर लिया। चोरों ने दोनों मकानों से करीब 4.5 किलो चांदी के और 10 तोला सोने के गहने चोरी कर लिए। वहीं पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

पीड़ित प्रकाश पुत्र पोलाजी ने बताया की वह तमिलनाडु में चेन्नई के पास काम करता है। 21 दिसंबर को चोर घर का ताला तोड़कर अंदर घुसे और घर से 3 नग चांदी के कंदोरा, एक नग चांदी की रोड, 4 नग चांदी की मांटली, कोकणी 2 नग, एक नग चांदी की काटरी, 2 नग चुड़ी, 4 नग कावली, सोने की 2 मिरकी कान की, 2 जोड़ी लुग कान के, 1 कन्ठी सोने की, 2 फीणी सोने और 8 हजार रुपए सहित इलेक्ट्रिक सामान चोरी कर लिया। वहीं चोरों ने शंकर लाल पुत्र छोगाराम के मकान से करीब 1 किलो चांदी के गहने, 5 तोला सोने के गहने सहित 40 हजार की नगदी चोरी कर ली। शंकर लाल का परिवार भजन संध्या में गया था।

पीड़ित प्रकाश पुत्र पोलाजी ने बताया कि 21 दिसंबर को चोरी हुई थी, उसके बाद लगातार रिपोर्ट दर्ज करवाने के लिए उम्मेदाबाद पुलिस चौकी में कई चक्कर लगाए, लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई। उसके बाद परेशान होकर 2 जनवरी को बिशनगढ़ थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज करवाई। बिशनगढ़ थानाधिकारी शिवराज सिंह ने बताया कि फिलहाल पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और चोरों की तलाश शुरू कर दी है। जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पेपर लीक को लेकर एबीवीपी का प्रदर्शन

सदबुद्धि के लिए किया हवन, पुलिस से झड़प बोले -राजस्थान सरकार जिम्मेदार

अजमेर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में लगातार पेपर आउट होने को लेकर भर्ती परीक्षाओं से जुड़े मामलों की जांच सी.बी.आई. से करवाने की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने विरोध जताया। साथ ही सरकार की सदबुद्धि के लिए हवन भी किया। हाल ही में हुए सीनियर टीचर्स भर्ती परीक्षा के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए अफसरों को निलंबित करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान पुलिस से झड़प भी हुई। लेकिन समझाइश के बाद मामला शांत हो गया।

पेपर लीक को लेकर कार्यकर्ता आरपीएससी के बाहर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया। बाद में हवन भी किया। जब चेयरमेन से मिलने के कार्यकर्ता जाने लगे तो पुलिस ने रोक लिया और कुछ लोगों को ही अन्दर जाने की बात कही। इस पर कार्यकर्ताओं ने रोष जताया। इस दौरान पुलिस व कार्यकर्ताओं में झड़प भी हुई। बाद में कार्यकर्ता अन्दर गए और ज्ञापन दिया।

राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य आसूराम डुकिया सहित अन्य ने कहा कि राजस्थान में विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के पेपर आउट हो जाने से मेहनतकश युवाओं के सपनों के साथ खिलवाड़ हो रहा है। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सीनियर टीचर भर्ती परीक्षा का पेपर लीक हो जाने के कारण निरस्त कर दिया गया।

पूर्व में भी रीट सहित कई भर्तीयों के पेपर आउट हुए, जिनकी निष्पक्ष जांच राजस्थान की सरकार ने आज तक नहीं करवाई। क्योंकि सरकार के कई मंत्रीगण, अधिकारी किसी ना किसी भर्ती के पेपर को आउट करवाने में सम्मलित थे। ऐसे में इनकी निष्पक्ष जांच राजस्थान सरकार की कोई भी जांच एंजेसी नहीं कर सकती।

अतः इस विषय को गंभीरता से लेकर युवाओं के सपनों की सौदागर बनी राजस्थान सरकार से तत्काल उक्त प्रकरणों की रिपोर्ट तलब कर तमाम ऐसी भर्तियां जिनके पेपर आउट हुए थे उनकी जांच सी.बी.आई. से करवाई जाए। साथ ही भ्रष्ट अधिकारियों को निलंबित करने की कार्यवाही की जाए।

पुलिस से हुई झड़प

मौके पर प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं ने आरपीएससी जाने का प्रयास किया तो इस दौरान पुलिस ने रोका और कार्यकर्ताओं व पुलिस की झड़प भी हुई, लेकिन आपसी समझाइश के बाद मामला शांत हो गया।

भाई के दोस्त ने किया युवती से रेप

शादी का वादा कर लिव-इन-रिलेशनशिप में रखा

जयपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में युवती से भाई के दोस्त ने रेप किया, शादी का झांसा देकर 10 साल तक दुष्कर्म करता रहा। (डेमो पिक)

जयपुर में भाई के दोस्त के युवती से रेप करने का मामला सामने आया है। शादी का वादा कर उसे लिव-इन-रिलेशनशिप में रखकर 10 साल तक दुष्कर्म करता रहा। बेटी के जन्म होने के बाद उसे छोड़ दिया। एयरपोर्ट थाने में पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले की जांच एसएचओ दिगपाल सिंह कर रहे है।

पुलिस ने बताया कि लुनियावास निवासी 32 साल की युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। करीब 10 साल पहले वह जगतपुरा में अपने भाई के साथ रहती थी। भाई की दुकान पर आरोपी शंकर का आना-जाना था। भाई से दोस्ती कर आरोपी शंकर घर पर भी आने-जाने लगा। घर में अकेल पाकर आरोपी ने जबरन उसके साथ रेप किया। विरोध करने पर भाई को जान से मारने की धमकी दी। जिसके बाद शादी करने का वादा किया।

शादी करने की कहकर उसे लिव-इन-रिलशनशिप में रख लिया। शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करता रहा।

अजमेर में देवनारायण मंदिर की दीवार तोड़ने पर भड़के गुर्जर

गाड़ी के शीशे तोड़े, सड़क जाम; तीन मांगों पर बनी सहमति

अजमेर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। अजमेर के वैशाली नगर स्थित गुर्जर समाज के आराध्य देव नारायण भगवान के मंदिर की चारदीवारी तोड़ने पर विवाद हो गया है। सोमवार रात से मंदिर के बाहर समाज के लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं, मंगलवार सुबह ही महापंचायत के दौरान यहां मौजूद कुछ युवा आक्रोशित हो गए और सड़क जाम कर दी। रास्ते से निकल रही एक गाड़ी का भी शीशा तोड़ा गया है। वहीं, पुलिस ने उग्र होते प्रदर्शन को देखते हुए ट्रैफिक बंद कर दिया।

इससे पहले सोमवार रात 11.30 बजे सार्वजनिक निर्माण विभाग ने मंदिर की चारदीवारी को अतिक्रमण बताते हुए तोड़ दिया था। दावा किया जा रहा है कि समाज का यह मंदिर 200 साल पुराना है। रात को जैसे ही यह सूचना समाज के लोगों को मिली तो बड़ी संख्या में लोग यहां जमा हो गए। इसके बाद महापंचायत बुलाने का फैसला किया। भीड़ ने रात को भी रोड जाम करने का भी प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने समझाइश कर रास्ता खुलवा दिया था। लोग का आरोप था कि गुर्जरों की भावनाएं आहत करने के लिए ऐसा किया गया है।

मंगलवार को गुर्जर समाज का डेलिगेशन कलेक्टर अंशदीप से मिलने के लिए पहुंचा। बातचीत में प्रशासन व समाज के लोगों के बीच तीन मांगों को लेकर सहमति बनी। गुर्जर समाज के नेता ओमप्रकाश भड़ाना ने बताया कि उनकी पहली मांग थी कि मंदिर की दीवार को तोड़ा गया है। उसे वापस बनवाया जाए। इस पर सहमति बनी है। इसके साथ ही जिस भी अधिकारी के नेतृत्व में यह कार्रवाई हुई है। उस पर जांच कमेटी बैठाने पर सहमति बनी है। वहीं, तीसरी मांग थी कि देर रात जब समाज की बेटी के साथ किसी पुलिसकर्मी द्वारा अभद्रता की गई। उस पर भी कार्रवाई की जाए। इन सभी मांगों पर प्रशासन से समाज की सहमति बनी है। समाज के पदाधिकारियों का कहना है कि उनका यह धरना जिला प्रशासन द्वारा दीवार का कार्य शुरू करवाते ही खत्म हो जाएगा। जिस मंदिर की चारदीवारी तोड़ी गई है वह करीब 200 साल पुराना है। देर रात करीब 11.30 बजे हुई इस कार्रवाई की सूचना जैसे ही फैली भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश बढ़ाना व गुर्जर नेता धर्मा गुर्जर सहित समाज के पदाधिकारी मौके पर पहुंचे।

हिंदू देवी के खिलाफ टिप्पणी को लेकर बासर में प्रदर्शन

भारत नास्तिका संघम के नेता को गिरफ्तार करने की मांग

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के निर्मल जिले के बासर शहर में मंगलवार को नास्तिक रेंजरला राजेश द्वारा हिंदू देवी मां सरस्वती के खिलाफ की गई कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर बंद रखा गया। भारत नास्तिका संघम के नेता रेंजरला राजेश की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शनकारी ज्ञान सरस्वती मंदिर के पास सड़क पर धरना दे रहे थे। पुजारी और मंदिर के कर्मचारी भी मंदिर के मुख्य द्वार के पास विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। राजेश द्वारा की गई टिप्पणी की निंदा करते हुए, ग्रामीणों और व्यापारियों ने निजामाबाद-भैंसा राजमार्ग पर रास्ता रोको (सड़क नाकाबंदी) भी किया। विरोध के कारण जाम लग गया। प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते हुए राजेश की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। कुछ हिंदू संगठनों द्वारा किए गए बद के आह्वान के जवाब में दुकानें, व्यापारिक प्रतिष्ठान और शैक्षणिक संस्थान बंद रहे। वे मांग कर रहे थे कि पुलिस प्रिवेंटिव डिटेंशन (पीडी) एक्ट लागू करे और राजेश को गिरफ्तार करे। गोदावरी नदी के तट पर स्थित बसर शहर सरस्वती मंदिर के लिए जाना जाता है। इसे अक्षरा अभ्यासम अनुष्ठान के लिए एक गंतव्य के रूप में माना जाता है। बच्चे की औपचारिक शिक्षा शुरू करने से पहले, देवी सरस्वती के लिए एक विशेष प्रार्थना की जाती है। अनुष्ठान के बाद, भक्त पुजारी से अनुरोध करते हैं कि वे अपने बच्चों को एक स्लेट पर अपना पहला अक्षर लिखवाएं।

विकाराबाद जिला पुलिस ने पिछले सप्ताह नास्तिक समाज के प्रदेश अध्यक्ष बैरी नरेश और एक अन्य पदाधिकारी डोलू हनुमंथु को हिंदू देवताओं, मुख्य रूप से अयप्पा स्वामी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

नरेश ने 19 दिसंबर को कोडंगल में टिप्पणी की थी और तीन दिन पहले उनके भाषण का एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसने अयप्पा के भक्तों द्वारा राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया, जिन्होंने नरेश की तत्काल गिरफ्तारी और उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने उसके खिलाफ कई जगहों पर पुलिस में शिकायत भी की थी। बाद में, करीमनगर पुलिस ने अय्यप्पा स्वामी के लिए अपमानजनक सोशल मीडिया पोस्ट के लिए एक अन्य व्यक्ति बैरी अग्नि तेज को गिरफ्तार किया।

पुलिस के मुताबिक, उसने 30 दिसंबर को फेसबुक पर एक अपमानजनक पोस्ट किया था। उसे अयप्पा भक्तों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और वैमनस्य पैदा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। भाजपा और अन्य हिंदुत्ववादी संगठन नास्तिकों को अम्बेडकर संगठनों की आड़ में गांवों में बैठकें आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित करके नास्तिकों को लोगों के बीच हिंदू विरोधी भावना फैलाने की अनुमति देने के लिए सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को निशाना बना रहे हैं। बीआरएस ने हालांकि आरोपों को खारिज कर दिया है और स्पष्ट कर दिया है कि सरकार समाज के किसी भी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

भारत नास्तिक संघम के नेता बैरी नरेश और रेंजरला राजेश हिंदू

नराकास (उपक्रम) की ओर से अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद-सिकंदराबाद की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) की ओर से सदस्य कार्यालयों के राजभाषा अधिकारियों सहित प्रशासनिक प्रधान और राजभाषाकर्मियों के लिए एक दिवसीय राजभाषा अभिमुखीकरण कार्यक्रम बी डी एल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पीवी राजाराम, महाप्रबंधक (सर्फेस टू एअर मिसाइल - सैम), बीडीएल ने किया। इस अवसर पर न्यूज़-18 नेटवर्क के आउटपुट एडिटर अंशुल शुक्ल विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित रहे जबकि गैस अॅथारिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के राज्य प्रमुख व महाप्रबंधक शरद कुमार त्रिपाठी ने विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया। उद्घाटन सत्र में समिति के सदस्य सचिव होमनिधि शर्मा ने कार्यक्रम के उद्देश्य व विषयों की जानकारी देते हुए उपस्थित अतिथियों का परिचय प्रतिभागियों से कराया। राजभाषा कार्यान्वयन और इसके प्रचार-प्रसार से जुड़े विषयों सहित इसके कार्यान्यन संबंधी व्यावहारिक कठिनाइयों को दूर करने में सहायक युक्तियों पर चर्चा व परिचर्चा की दृष्टि से आयोजित इस कार्यक्रम के उद्घाटन उपरान्त अध्यक्षीय संबोधन के रूप में पीवी राजाराम ने समन्वित मिसाइल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत "पृथ्वी से आकाश मिसाइल तक का सफ़रनामा' विषय पर एक प्रेरक व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान के दौरान उन्होंने भारतरत्न और पूर्व राष्ट्रपति स्व. डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के नेतृत्व में विकसित और बीडीएल द्वारा देश की सशस्त्र सेनाओं को इन्हें बनाकर सुपुर्द करने के दौरान आयी संरचनात्मक, तकनीकी और प्रबंधन संबंधी अप्रत्याशित चुनौतियों से निपटने से जुड़े चिरस्मरणीय प्रेरक प्रसंग व अनुभव साझा करते हुए अपने विचार रखे।

कार्यक्रम के अगले चरण में बतौर विशिष्ट वक्ता के रूप में अंशुल शुक्ल ने "गृह-पत्रिका और ई-पत्रिका का प्रकाशन व संपादन कौशल' विषय पर प्रस्तुतिपरक व्याख्यान दिया। तीसरे सत्र में समिति के कोर समिति के सदस्य तथा एनएमडीसी लिमिटेड के उप महाप्रबंधक (राजभाषा) रुद्रनाथ मिश्र ने संसदीय राजभाषा समिति की निरीक्षण प्रश्नावली भरते समय ध्यान दी जाने वाली बातों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के अंतिम सत्र के रूप में स्वरचित रचनापाठ पर आधारित एक काव्य-गोष्ठी आयोजित की गयी। डॉ. पीके जैन, वैज्ञानिक "जी', एआरसीआई की अध्यक्षता में आयोजित इस गोष्ठी में विशिष्ट अतिथियों सहित प्रतिभागियों ने अपने रचनापाठ से सभी को आनंदित किया। समापन पूर्व कार्यक्रम के अंत में 16 कार्यालयों से भाग ले रहे 28 प्रतिभागियों ने प्रतिक्रिया स्वरूप इस कार्यक्रम को बहुत उपयोगी और जानकारीप्रद बताया। पूरे कार्यक्रम के आयोजन में बी डी एल के राजभाषा अधिकारी डॉ. नरसिम्हम शिवकोटि और राजभाषाकर्मी मनोहर नाईक का सक्रिय योगदान रहा।

'धर्म जीवन का अभिन्न स्वरूप' पर कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम हैदराबाद के तत्वाधान में नव वर्ष मंगल पाठ एवं श्रीमती चेष्टा सुराणा द्वारा संपादित "धर्म: जीवन का अभिन्न स्वरूप" विषय पर कार्यशाला डीवी कॉलोनी तेरापंथ भवन में आयोजित की गयी। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र के उच्चारण से हुई। टीपीएफ हैदराबाद के मंत्री अणुव्रत सुराणा ने सभी का स्वागत करते हुए आज के कार्यक्रम की रूपरेखा रखी। तेयुप अध्यक्ष वीरेंद्र घोषल, सिकंदराबाद सभा के मंत्री सुशील संचेती एव महिला मंडल अध्यक्षा श्रीमती अनिता गीडिया ने इस कार्यक्रम के प्रति शुभकामनाएं प्रदान की। हैदराबाद की उपसिकाओ द्वारा वृहद मंगलपाठ का संगान हुआ जिससे अंग्रेजी नववर्ष के नव प्रभात की शुरुआत मंगलमय तरीके से हुई। उपासिका बहनो में चंद्रा सुराणा, सरोज सुराणा, रंजु बैद, अंजू बैद, सुमन सेठिया, हर्षलता दुधोडिया, मंजु दुगड़ एवम रीटा सुराणा की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन सह मंत्री निधि जैन एवं निखिल कोटेचा ने किया।

बोइनपल्ली में मनाई गई सावित्री बाई फुले जयंती

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी वेलफेयर प्रजा चैतन्य वेदिका संगम के तत्वावधान में मंगलवार को बोइनपल्ली स्थित धनलक्ष्मी कॉलोनी में सावित्री बाई फुले जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पन्ना प्रताप ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम में बीसी कल्याण जन जागरूकता मंच के नेता श्रीनिवास, ओमप्रकाश यादव, राजा मुदिराज, वेंकट चारी, अरुण यादव, रवि दत्तू और अन्य ने भाग लिया।

श्री रंगनाथ स्वामी गोदा माता भक्त मंडली द्वारा एकादशी के अवसर पर भगवान की सेवा करती हुई मंडल की सदस्या अनिता, आरती, पूजा, स्वीटी, श्रीदेवी, शिवारानी, गीता, कुंतला, पिंकी व अन्य।

वैकुंठ एकादशी पर श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर, जियागुडा में भगवान का आशीर्वाद लेते हुए बीआरएस नेता नंदकिशोर व्यास बिलाल, श्रीमती उमा व्यास बिलाल, श्रीमती ईशा व्यास बिलाल, ऋषभ ओझा, श्रीमती पूजा ओझा। उनके साथ शेषाचारी और स्थानीय बीआरएस नेता आनंद सिंह, दिनेश सिंह, संतोषी, ईशा, सुनील सिंह, साईनाथ, शिवा, पुष्पा, आशा बिरादर, लता, गिरिजा, प्रेम ने भाग लिया।

एसबीआई हैदराबाद सर्किल द्वारा स्थानीय मुख्यालय परिसर में आयोजित कला शिविर में भाग लेते हुए सर्किल के सीजीएम अमित झिंगरन व अन्य।

मंत्री तलसानी श्रीनिवास से मुलाकात कर उन्हें बधाई देते हुए बोइनपल्ली व्यापारी संघ के अध्यक्ष ए. गौतम जैन, उपाध्यक्ष गोपाल बंग, हरिकिशन बंग, मधुबाबू, सी. रविचंद्र व अन्य।

वैकुंठ एकादशी पर संगम मंदिर, लंगरहौस में भगवान बालाजी की पूजा अर्चना करते हुए पीठाधारी श्रीश्री 1008 रावलदासजी महाराज, प्रभु महाराज, समाजसेवी धर्माराम ढाका, भगवान सांखला, वलभ व्यास व अन्य।

सरकारी अस्पतालों में प्रसव कराने को प्रत्साहन : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला कलेक्टर राहुल राज ने कहा कि जिले में गर्भवती महिलाओं का प्रसव संबंधित विभागों के अधिकारियों के समन्वय से सरकारी अस्पतालों में कराया जायेगा और विशेष उपाय किये जायेंगे तथा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। मंगलवार को आसिफाबाद और सिरपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अतराम सक्कू, कोनेरू कोनप्पा ने जिला चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी प्रभाकर रेड्डी के साथ जिला केंद्र के सरकारी अस्पताल का दौरा किया और अस्पताल के सामान्य प्रसव कक्ष और विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। इसके बाद चिकित्सा अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि उन्हें बहुत खुशी है कि अधिकांश प्रसव जिला अस्पताल में हो रहे हैं और इसके लिए गर्भवती महिलाओं को दूर-दराज न जाकर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का आदेश दिया गया था कि भविष्य में सभी प्रसव सरकारी अस्पतालों में हों, यह कहते हुए कि निजी अस्पतालों में प्रसव महंगा है, और सीजेरियन सेक्शन करके माताओं और शिशुओं के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के डॉक्टरों के प्रयास सराहनीय हैं। सोमवार को सरकारी अस्पताल में गर्भवती महिलाओं के लिए। बाद में सोमवार को जन्म देने वाले चिकित्सकों व स्टाफ को सम्मानित किया गया।इस कार्यक्रम में जिला चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के उप चिकित्सा अधिकारी सुधाकर नाइक, जेड. पी टी सी नागेश्वर राव, संबंधित विभागों के अधिकारियों और अन्य लोगों ने भाग लिया।

'श्रीलाल शुक्ल की स्त्री' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीलाल शुक्ल स्मारक राष्ट्रीय संगोष्ठी समिति, हैदराबाद तथा लिटिल फ्लावर डिग्री कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में "श्रीलाल शुक्ल की स्त्री " विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा (रजि.) कानपुर, की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं दक्षिण भारत की वरिष्ठ समाजसेवी व शिक्षाविद श्रीमती मृदुल बाजपेयी ने अपने वक्तव्य में कहा कि स्त्रियों की स्थिति में काफी सुधार आया है, आवश्यकता है पिछड़े समाज की स्त्रियों को आगे लाना, उन पर होने वाले शोषण को रोकना एवं शिक्षा में सहयोग करने की।

कार्यक्रम की प्रमुख वक्ता विषय विशेषज्ञ डॉ. उर्मिला पोरवाल ने अपने वक्तव्य में कहा कि बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी हैं श्रीलाल शुक्ल। उन्होंने श्रीलाल शुक्ल के कई उपन्यासों की स्त्रियों की चर्चा की। उन्होंने "राग दरबारी" उपन्यास की बेला की चर्चा की। हिंदी प्राध्यापक डॉ. सुपर्णा मुखर्जी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। डॉ. अहिल्या मिश्रा कहा यह आयोजन विगत 15 वर्ष से निरंतर ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता प्रसिद्ध उपन्यासकार पद्मभूषण पं. श्रीलाल शुक्ल के जन्मोत्सव संगोष्ठी के रूप में मनाया जाता रहा है, जिसमे अपने जीवनकाल में स्वयं श्रीलाल शुक्ल चल दूरभाष माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज कराते रहे है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता, बेंगलुरु की प्रसिद्ध कवयित्री एवं लेखिका डॉ. उषारानी राव ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि श्रीलाल शुक्ल एक विलक्षण गद्यकार हैं। वे किरदार नहीं मनुष्य को रचते हैं। प्रो. ऋषभ देव शर्मा ने अपने सुझाव में कहा कि रचनाकार को एक खांचे से बाहर निकलना, उसकी रचना को पढ़ना और नए नए अर्थ व विचार के साथ प्रस्तुत करना ही विमर्श है। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शीला बालाजी ने किया।

श्रीलाल शुक्ल के उपन्यास पर शोध करने वाली विषय प्रवर्तक तथा मुख्य संयोजक डॉ. सीमा मिश्रा ने श्रीलाल शुक्ल के समग्र साहित्य में "स्त्री" पर विस्तार से प्रकाश डाला। शिक्षा के क्षेत्र में नारी को शोधकार्य में आगे आने की आज की ज़रूरत बताया।

तेलंगाना वैष्णव क्रिकेट प्रीमियर लीग-8 प्रतियोगिता सम्पन्न

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कीसरा बंडलागुडा स्थित सिंह क्रिकेट ग्राउंड मे तेलंगाना वैष्णव नवयुवक मंडल द्वारा आयोजित क्रिकेट प्रीमियर लीग-8 क्रिकेट प्रतियोगिता मे दीप प्रज्वलितकर शुभारम्भ करते हुए अध्यक्ष एवं पदाधिकारी। अवसर पर पधारे अतिथियों, कार्यक्रम के लाभार्थियों का सम्मानकर, विजेता टीम वैष्णव बैंगलोर व उपविजेता वैष्णव सुपरस्टार को ट्रॉफी एवं मैन ऑफ दी सीरीज का अवार्ड देवेन्द्र वैष्णव को प्रदान कर उपस्थित अध्यक्ष विष्णु रामावत, बाबुलाल, संतोष टीलावत, महिला अध्यक्षा निर्मला वैष्णव, रेखा रामावत, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

हरिसिंह शेखावत, मिस्टर इंडिया बॉडी बिल्डर, जयपुर के नगरागमन पर उनका स्वागत करते हुए तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष रमेशकुमार बंग व मंत्री रामप्रकाश भंडारी।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

एक्सीडेंट की पीड़िता ...

होटल के सीसीटीवी फुटेज से खुलासा :

पुलिस ने यह खुलासा रोहिणी इलाके के एक होटल के सामने के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर किया। इसमें मृतका अपनी सहेली के साथ बातचीत करते हुए दिख रही है। इसके बाद दोनों स्कूटी पर बैठकर निकल जाती हैं। इस बीच, उस होटल के कर्मचारी ने बताया कि पीड़िता के साथ उसकी सहेली आई थी। दोनों ने डॉक्यूमेंट देकर एक रूम बुक किया था। कुछ लड़के भी आए थे, उन्होंने अलग से रूम बुक किया। इसके बाद वे लड़कियों के रूम में गए और वहां करीब 5 मिनट तक रहे।

होटल कर्मचारी ने बताया कि रूम से लड़ने की आवाज आ रही थी और एक-दूसरे को गाली दे रहे थे। हमारे मैनजेर ने सभी को झगड़ा न करने के लिए कहा। इसके बाद दोनों लड़कियां लड़ते हुए निकल गईं। वह होटल के बाहर भी काफी देर तक लड़ती रहीं, जो कि सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुआ है। पुलिस को कल शाम फुटेज दे दिया गया है।

रूस-यूक्रेन जंग ...

इसलिए जयशंकर ने साफ कहा, यूरोप की समस्या, दुनिया की समस्या है, लेकिन दुनिया की समस्या, यूरोप की समस्या नहीं है, वाली मानसिकता छोड़ देनी चाहिए। पश्चिमी देशों ने यूक्रेन पर हमले के बाद रूस पर कई प्रतिबंध लगाए। इसके चलते एनर्जी, फूड, फ्यूल और फर्टिलाइज़र महंगे होते चले गए और गरीब देशों का आर्थिक संकट गहरा गया। दूसरे शब्दों में कहें तो अमेरिका और यूरोप की नाराजगी का खामियाजा एशियाई और अफ्रीकी देशों को भुगतना पड़ रहा है। अप्रैल में एस जयशंकर से अमेरिका में भारत की रूस से तेल खरीद पर सवाल किया गया। जवाब में उन्होंने कहा था, यदि आप रूस से भारत की ऊर्जा खरीद पर बात करना चाहते हैं तो मेरा सुझाव है कि आपको यूरोप पर ध्यान देना चाहिए।

जैन तीर्थ को ...

जंगलों, पहाड़ों के दुर्गम रास्तों से गुजरते हुए नौ किलोमीटर की यात्रा तय कर शिखर पर पहुंचते हैं।

इस मसले पर सम्मेद शिखर में विराजित मुनिश्री प्रमाण सागरजी ने कहा कि सम्मेद शिखर इको टूरिज्म नहीं, इको तीर्थ होना चाहिए। सरकार पूरी परिक्रमा के क्षेत्र और इसके 5 किलोमीटर के दायरे के क्षेत्र को पवित्र स्थल घोषित करे, ताकि इसकी पवित्रता बनी रहे। जैन समाज को आशंका है कि पर्यटन स्थल बनने के बाद यहां मांस-मदिरा आदि बिकने लगेगा, यह समाज की भावना-मान्यता के खिलाफ है।

2019 में केंद्र सरकार ने सम्मेद शिखर को इको सेंसिटिव जोन घोषित किया था। इसके बाद झारखंड सरकार ने एक संकल्प जारी कर जिला प्रशासन की अनुशंसा पर इसे पर्यटन स्थल घोषित किया। गिरिडीह जिला प्रशासन ने नागरिक सुविधाएं डेवलप करने के लिए 250 पन्नों का मास्टर प्लान भी बनाया है।

झारखंड के पर्यटन सचिव बोले, एक्ट में संशोधन का प्रस्ताव बन रहा

इस बीच, झारखंड के पर्यटन सचिव मनोज कुमार ने कहा, पर्यटन स्थल की सूची संबंधी नोटिफिकेशन से बाहर कर देना समाधान नहीं है। विभाग इसके एक्ट में संशोधन का प्रस्ताव बना रहा है। इसमें पर्यटन स्थल को जैनों के धार्मिक पर्यटन क्षेत्र के रूप में परिभाषित किया जाएगा। ऐसा करके यहां की व्यवस्थाएं बेहतर की जा सकेंगी।

उन्होंने कहा, मांग के मुताबिक हम एक्ट में संशोधन कर धार्मिक-जैन तीर्थ स्थल कर रहे हैं, लेकिन जब टूरिज्म एक्ट लागू नहीं रहेगा, सरकार कुछ मदद नहीं कर पाएगी। अगर वे अपने हिसाब से यहां मांस-मदिरा पर प्रतिबंध लगाना चाहेंगे तब स्थानीय स्तर पर इसका विरोध होता रहेगा।

कुमार ने कहा कि सरकार की अथॉरिटी लागू करेगी तो लोगों को हर हाल में इसे मानना होगा। हर मंदिर और तीर्थस्थल के लिए एक अथॉरिटी होती है। वे मंदिर प्रबंधन समिति के साथ मिलकर काम करते हैं। यहां भी हम अथॉरिटी में जैन धर्म के 6 लोगों को शामिल करेंगे। उनके हिसाब से ही यहां चीजें लागू करेंगे। वैसे भी यह इको सेंसिटिव जोन घोषित है, तो विकास कार्य तो ज्यादा यहां वैसे भी नहीं हो पाएंगे।

टीम इंडिया ने जीता साल का पहला टी-20

श्रीलंका को 2 रन से हराया, डेब्यूटांट मावी ने चटकाए 4 विकेट

मुंबई, 3 जनवरी (एजेंसियां)।टीम इंडिया ने साल 2023 का पहला मुकाबला जीत लिया है। उसने एशियन चैंपियन श्रीलंका को 2 रन से हराया। टीम ने 5 साल बाद साल का पहला मुकाबला जीता है। इससे पहले उसने 2017 में इंग्लैंड को 3 विकेट से हराया था।

इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने तीन टी-20 मैचों की सीरीज पर 1-0 की बढ़त बना ली है। सीरीज का दूसरा मुकाबला 5 जनवरी को पुणे में खेला जाएगा।

मुंबई वानखेड़े स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया ने 162 रन का स्कोर खड़ा किया। उसके बाद मेहबान टीम को 160 रन पर आउट कर दिया। श्रीलंका की ओर से कप्तान दसुन शनाका ने सबसे ज्यादा 45 रन का योगदान दिया। जबकि ओपनर कुसल मेंडिस ने 28 रन जोड़े। शेष कोई

बल्लेबाज खास प्रदर्शन नहीं कर सका।

इससे पहले भारत की ओर से दीपक हुड्डा (41 रन) और अक्षर पटेल ने छठे विकेट के लिए नाबाद 68 रनों की पार्टनरशिप की। दोनों ने 35 गेंद का सामना किया। इन दोनों के अलावा ओपनर ईशान किशन (37 रन) और कप्तान हार्दिक पंड्या (29 रन) ने भी उपयोगी पारी खेली। शुभमन गिल (7), सूर्यकुमार यादव (7) और संजू सैमसन (5) फ्लॉप रहे।

टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए भारतीय टीम ने 162 रन बनाए। उसने 14.1 ओवर में 94 रन के स्कोर पर 5 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से हुड्डा-दीपक ने छठे विकेट के लिए 35 गेंद पर नाबाद 68 रन जोड़कर भारत को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचा दिया। हुड्डा ने 23 गेंदों 1 चौका और 4 छक्के की मदद से नाबाद 41 रन बनाए। वहीं, अक्षर ने 20 गेंदों पर तीन चौके और 1 छक्का की मदद से 31 रन बनाए।

इन दोनों के अलावा ओपनर ईशान किशन (37 रन) और कप्तान हार्दिक पंड्या (29 रन) ने भी उपयोगी पारी खेली। शुभमन गिल (7), सूर्यकुमार यादव (7) और संजू सैमसन (5) फ्लॉप रहे।

श्रीलंका की ओर से महेश तीक्षणा, चमिका करुणारत्ने, धनंजय डी सिल्वा, वनिंदु हसरंगा और दिलशान मदुशंका को एक-एक विकेट मिला।

ईशान को छोड़कर भारत का टॉप ऑर्डर फ्लॉप रहा। श्रीलंकाई गेंदबाजों ने गिल, सूर्या और सैमसन को खुल कर खेलने का मौका नहीं दिया। 2022 में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सूर्यकुमार यादव 7 रन बनाकर आउट हुए। डेब्य कर रहे शुभमन गिल भी पावरप्ले में महीश तीक्षणा की बॉल पर LBW हुए।

सौरव गांगुली की आईपीएल में वापसी

दिल्ली कैपिटल्स में नया पद मिलेगा, फ्रैंचाइजी की तीनों टीम संभालेंगे

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। बीसीसीआई के पूर्व चेयरमैन सौरव गांगुली एक बाद फिर इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के साथ नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्हें फ्रेंचाइजी में नई जिम्मेदारी मिलेगी। वे डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट की जिम्मेदारी संभालेंगे, यानी कि वे फ्रेंचाइजी की तीनों टीमों के डायरेक्टर होंगे।

पीटीआई सोर्स के अनुसार, कैपिटल्स फ्रैंचाइजी की दो अन्य टीमें दुबई की इंटरनेशनल लीग टी20 और साउथ अफ्रीका की टी-20 लीग में हिस्सा लेंगे। गांगुली को अक्टूबर 2022 में बीसीसीआई के अध्यक्ष पद से हटाया गया था।

पहले भी डीसी के साथ रह चुके हैं

सौरव गांगुली इससे पहले भी दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़े हुए थे। वे टीम में मेंटर की जिम्मेदारी निभा रहे थे। इससे पहले उन्होंने आईपीएल में बतौर कप्तान और प्लेयर कोलकाता नाइट राइडर्स और पुणे वॉरियर्स इंडिया की टीम से क्रिकेट खेला। वे पुणे की टीम में कप्तान के साथ मेंटर भी थे।

2019 में बने थे बीसीसीआई अध्यक्ष

सौरव गांगुली 2019 में बीसीसीआई के अध्यक्ष बने थे। उन्हें 2022 में पद से इस्तीफा देना पड़ा। उनकी जगह 1983 वर्ल्ड कप विजेता टीम के सदस्य रहे रोजर बिन्नी को नया चेयरमैन बनाया गया। गांगुली को बैठक में आईपीएल चेयरमैन पद का ऑफर किया गया था। लेकिन, गांगुली का कहना था कि बीसीसीआई अध्यक्ष हटने के बाद वो उसकी किसी उपसमिति का अध्यक्ष नहीं बनना चाहते थे।

बुमराह की टीम इंडिया में वापसी

श्रीलंका से वनडे सीरीज खेलेंगे, 5 महीने पहले चोट लगी थी

मुंबई, 3 जनवरी (एजेंसियां)।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की टीम इंडिया में वापसी हो गई है। वे श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलते नजर आएंगे। उन्हें टीम में शामिल किया गया।

मंगलवार को बीसीसीआई ने बुमराह की वापसी का ऐलान किया। वनडे सीरीज का पहला मैच 10 जनवरी को गुवाहाटी में खेला जाएगा। जसप्रीत पिछले साल सितंबर महीने में साउथ अफ्रीका सीरीज से ठीक पहले ट्रेनिंग सेशन के दौरान चोटिल हो गए थे। चोट के कारण उन्हें एशिया कप और टी-20 वर्ल्ड कप छोड़ना पड़ा था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था आखिरी मैच

बुमराह ने आखिरी मुकाबला 25 सितंबर 2022 को आखिरी मैच खेला था। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होम सीरीज में चोट से वापसी की थी। वे पहला मैच नहीं खेले और उसके बाद वह दूसरे और तीसरे मैच में प्लेइंग-11 का हिस्सा रहे। उसके बाद फिर से वह चोटिल हो कर बाहर हो गए।

रविंद्र जडेजा भी चोट की वजह से टीम से हैं बाहर

ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा भी पिछले साल अगस्त में यूएई में खेले गए एशिया कप के दौरान चोटिल हो गए थे। उनके घुटने में चोट आई थी। जिसके बाद उनकी सर्जरी हुई। वह भी अभी टीम इंडिया से बाहर है।

श्रीलंका के लिए वनडे टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या , वाशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद. सिराज, उमरान मलिक और अर्शदीप सिंह।

टेनिस खिलाड़ी मार्टिना नवरातिलोवा पर कैंसर का डबल अटैक

गले और ब्रेस्ट कैंसर का पता चला; बोलीं- बीमारी से लड़ने के लिए तैयार

अमेरिका, 3 जनवरी (एजेंसियां)। 18 बार की ग्रैंड स्लैम विजेता टेनिस खिलाड़ी मार्टिना नवरातिलोवा को गले और ब्रेस्ट कैंसर का पता चला है। वह इस महीने के अंत में न्यूयॉर्क में अपना इलाज करवाएंगी। 66 साल की अमेरिकी दिग्गज को साल 2010 में भी ब्रेस्ट कैंसर हुआ था, लेकिन तब वह कुछ ही महीनों में स्वस्थ हो गई थीं।

मार्टिना नवरातिलोवा ने कहा कि उन्होंने पिछले सीजन के डब्ल्यू फाइनल के दौरान अपनी गर्दन में एक बढ़े हुए लिम्फ नोड को देखा था। जब यह दूर नहीं हुआ तो उन्होंने बायोप्सी करवाई। उसके बाद उन्हें पहले स्टेज के कैंसर का पता चला।

नवरातिलोवा बोलीं, 'डबल कैंसर सीरीयस है, लेकिन इसे ठीक किया जा सकता है। मैं उम्मीद कर रही हूं कि ये जल्द ही ठीक हो जाएगा। बीमारी कुछ दिनों तक रहेगी, लेकिन मैं इसके खिलाफ लड़ना जारी रखूंगी।'

ऑस्ट्रेलियन ओपन के कॉमेंट्री पैनल में शामिल थीं

नवरातिलोवा 16 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए एक चैनल की कॉमेंट्री टीम में शामिल थीं। ऑस्ट्रेलियन ओपन 29 जनवरी तक खेला जाना है। वह अब वर्चुअल रूप से इससे जुड़ सकती हैं।

मार्टिना के नाम 18 ग्रैंड स्लैम टाइटल

मार्टिना नवरातिलोवा के नाम 18 ग्रैंड स्लैम हैं। उन्होंने सबसे ज्यादा 9 बार विंबलडन खिताब जीता है। इसके साथ उन्होंने 3 ऑस्ट्रेलियन ओपन, 4 यूएस ओपन और 2 फ्रेंच ओपन अपने नाम किए हैं।

करांची टेस्ट में 295 रन से पीछे पाकिस्तान

दूसरे दिन 3 विकेट गंवाए; न्यूजीलैंड के 10वें विकेट ने 104 रन की पार्टनरशिप की

करांची, 3 जनवरी (एजेंसियां)। करांची टेस्ट के दूसरे दिन पाकिस्तान ने 3 विकेट पर 154 रन बना लिए हैं। टीम अब भी पहली पारी में न्यूजीलैंड के स्कोर से 295 रन पीछे हैं। ओपनर इमाम उल हक (74*) और साउद शकील (13*) नाबाद हैं। दूसरे दिन न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और एजाज पटेल ने 10वें विकेट के लिए 104 रन की पार्टनरशिप की।

पहली पारी में पाकिस्तान के अबरार अहमद ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। 2 टेस्ट की सीरीज 0-0 से बराबर है। सीरीज का पहला टेस्ट ड्रॉ रहा था। दूसरे टेस्ट में तीसरे दिन का खेल सुबह 10.30 बजे से शुरू होगा।

गेंदबाज हेनरी ने 8 चौके, 2 छक्केलगाए

न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन 309/6 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। पहले दिन के नाबाद बैटर टॉम ब्लंडेल 51 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद ईश सोढी 11 और टिम साउदी 10 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

आखिर में तेज गेंदबाज मैट हेनरी (68*) और एजाज पटेल (35) ने 10वें विकेट के लिए 149 बॉल पर 104 रन की पार्टनरशिप की। हेनरी ने अपनी पारी में 8 चौके और 2 छक्के लगाए।

10वें विकेट की पार्टनरशिप

टेस्ट में 10वें विकेट के लिए अब तक 27 बार 100 से ज्यादा रन की पार्टनरशिप हो चुकी हैं। हेनरी और पटेल की पार्टनरशिप सबसे ज्यादा रनों के मामले में 25वें नंबर पर है। इंग्लैंड के जो रूट और जेम्स एंडरसन की पार्टनरशिप पहले नंबर पर है। दोनों ने 10वें विकेट के लिए भारत के खिलाफ 198 रन जोड़े थे।

पाकिस्तान ने 3 विकेट खोए

पहली पारी में पाकिस्तान के लिए अबरार अहमद ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। वहीं, नसीम शाम और आगा सलमान को 3-3 विकेट मिले। दूसरी पारी में पाकिस्तान के ओपनर अब्दुल्लाह शफीक 19 और शान मसूद 20 रन बनाकर आउट हुए।

कप्तान बाबर आजम 24 रन के स्कोर पर रन आउट हुए। इमाम-उल-हक और साउद शकील नाबाद हैं। दूसरे दिन न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और एजाज पटेल ने 1-1 विकेट लिया।

कॉन्वे ने जड़ा था शतक

पहले दिन न्यूजीलैंड के कप्तान टिम साउदी ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। ओपनर टॉम लैथम (71) और डेवोन कॉन्वे (122) ने पहले विकेट के लिए 134 रन जोड़े थे। इनके अलावा विलियमसन 36, हेनरी निकोल्स 26, डेरिल मिचेल 3 और माइकल ब्रेसवेल 0 रन बनाकर आउट हुए। टीम ने स्टंप्स तक 6 विकेट पर 309 रन बनाए थे।

डिफेंडिंग चैम्पियन पीएसजी की मार्च के बाद पहली हार

दूसरे नंबर की टीम लेंस ने 3-1 से हराया

लेंस, 3 जनवरी (एजेंसियां)।फ्रांस के फुटबॉल क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को घरेलू लीग में पहली हार का सामना करना पड़ा। लीग-1 की डिफेंडिंग चैम्पियन पीएसजी को लेंस टीम ने घरेलू मैदान पर 3-1 से शिकस्त दी। यह पीएसजी की मार्च के बाद पहली हार है।

पिछले साल मोनाको ने 3-0 से हराया था

पिछले साल 20 मार्च को पीएसजी को मोनाको ने 3-0 से हराया था। घरेलू स्टेड बोलाअर्ट स्टेडियम पर लेंस की ओर से पी. फ्रेंकोस्की ने पांचवें, लोइस ओपेंडा ने 28वें और एलेक्सिस क्लॉडे मॉरिस ने 47वें मिनट में गोल किए। पीएसजी के लिए ह्यूगो एकिटिके ने 8वें मिनट में गोल किया।

लेंस की पीएसजी के खिलाफ नौवीं जीत

यह लेंस की पीएसजी के खिलाफ नौवीं जीत है। दोनों टीमें आपस में 24 बार भिड़ी हैं, जिसमें से पीएसजी ने 9 मैच जीते जबकि 6 मुकाबले ड्रॉ रहे। पीएसजी 17 मैच के बाद 44 अंक लेकर पहले और लेंस इतने ही मैच में 40 अंक लेकर दूसरे पर है।

उनादकट की रणजी के पहले ओवर में हैट्रिक

ऐसा करने वाले पहले बॉलर बने, दिल्ली के खिलाफ 8 विकेट लिए

राजकोट, 3 जनवरी (एजेंसियां)। सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनादकट ने मंगलवार को रणजी ट्रॉफी में इतिहास रच दिया। वो इस डोमेस्टिक टूर्नामेंट में मैच के पहले ओवर में हैट्रिक लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। जयदेव ने दिल्ली के खिलाफ पहली पारी में 12 ओवर में 39 रन देकर 8 विकेट लिए।

हाल ही में जयदेव बांग्लादेश दौरे से लौटे हैं। वहां उन्होंने 12 साल बाद टीम इंडिया में वापसी की और टेस्ट करियर का दूसरा मैच खेला। इस मैच में उन्होंने दोनों पारियों को मिलाकर 3 विकेट लिए थे। 31 साल के उनादकट ने 2010 में टेस्ट डेब्यू किया था।

मंगलवार को राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। मैच के पहले ही ओवर की तीसरी गेंद पर उनादकट ने ध्रुव शौरी को बोल्ड किया। अगली ही गेंद पर वैभव रावल को हार्विक देसाई के हाथों कैच करा दिया। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर कप्तान यश ढुल को एलबीडब्ल्यू कर तीसरा विकेट लिया। इसके अलावा उन्होंने जोंटी सिधु, ललित यादव, लक्ष्य थरेजा, शिवांक वशिष्ठ और कुलदीप यादव को आउट किया।

दिल्ली पहली पारी में 133 रन पर ढेर

दिल्ली की पहली पारी महज 35 ओवर ही चली। उसने सभी विकेट खोकर 133 रन बनाए। ऋतिक शौकीन ने 90 गेंदों पर 68 रन बनाए। शिवांक वशिष्ठ ने 68 गेंदों पर 38 रन बनाए। सौराष्ट्र की ओर से जयदेव ने 8, चिराग जानी और प्रेरक मांकड़ ने एक-एक विकेट लिया।

'उड़ती चिड़िया' को शूट करने में माहिर एमपी की बेटी

शॉटगन में भारत के लिए मेडल जीत रहीं; एकलव्य पुरस्कार भी जीता

खेल डेस्क, 3 जनवरी (एजेंसियां)। शॉटगन को महंगा खेल माना जाता है। इस गन की कीमत ही 3 से 5 लाख रुपए तक है। ऐसे में एक मिडिल क्लास फैमिली के लिए इसका खर्च उठाना बेहद मुश्किल है। ये कहानी है ऐसे ही परिवार की प्रीति रजक की। प्रीति ने एमपी के इटारसी से निकलकर शॉटगन में एक मुकाम हासिल किया है। वह दुनिया के कई देशों में मेडल जीतकर भारत का परचम लहरा चुकी हैं। हाल ही में उन्हें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एकलव्य पुरस्कार से सम्मानित किया है। इस कामयाबी के पीछे प्रीति और उनके परिवार के संघर्ष की कहानी है।

आइए बताते हैं मिट्टी की उड़ती चिड़िया को शूट करने में माहिर प्रीति की पूरी कहानी

26 दिसंबर 2022 को भोपाल के रवींद्र भवन में करतल ध्वनि के बीच एकलव्य पुरस्कार के लिए प्रीति रजक का नाम पुकारा गया। प्रीति को सीएम शिवराज ने पुरस्कार से नवाजा। इस मौके पर प्रीति की मां ज्योत्सना और पिता दीपक की आंखें खुशी से नम हो गईं।

मां ज्योत्सना उस पल को याद कर भावुक हो जाती हैं। बताती हैं हमारे जैसे मिडिल क्लास फैमिली के लिए बेटी का महंगे खेल शॉटगन में शामिल होना ही बड़ी बात थी। मैंने और पति ने कभी शॉटगन की बंदूक देखी भी नहीं थी कि ये होती कैसी है। ये सबकुछ किसी सपने के सच होने जैसा है।

प्रीति के पिता दीपक ड्राय क्लीनिंग शॉप चलाते हैं। मां ज्योत्सना सोशल वर्कर हैं। ज्योत्सना बताती हैं कि एक ऐसा दौर भी आया जब आर्थिक तंगी के चलते बेटियों को प्राइवेट स्कूल से

निकालकर सरकारी स्कूल में पढ़ाना पड़ा। फिर सोचा कि बेटियों की लाइफ ऐसे खराब हो जाएगी। इसी बीच साल 2015 में पता चला कि मप्र खेल अकादमी बच्चों को खेलकूद के लिए तैयार करती है।

भोपाल अकादमी बेटियों को लेकर गई। बड़ी बेटी शेफाली का चयन हो गया] लेकिन प्रीति सिलेक्ट नहीं हो सकी। अगले साल प्रीति भी सिलेक्ट हो गई। बड़ी बेटी शेफाली अब कोच है। प्रीति इंटरनेशनल लेवल पर देश के लिए खेल रही है।

छोटी उम्र में बड़ी उपलब्धियां

प्रीति रजक ने महज 15 साल की उम्र में मध्यप्रदेश खेल अकादमी भोपाल में प्रवेश किया। स्टेट, नेशनल और इंटरनेशनल में उन्होंने बेहतर प्रदर्शन कर भारत का नाम रोशन किया है। उसने इंटरनेशल शूटिंग में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप 2022 कोरिया के चांगवोन में हुए आईएसएसएफ वर्ल्ड कप इंडिविजुअल टीम में सिल्वर जीता हैं। जर्मनी में 8 मई से 21 जुलाई 2022 चले जूनियर वर्ल्ड कप में अकेले (इंडीविजुअल) टीम में सिल्वर मेडल जीतने में कामयाबी दर्ज की है। इतना ही नहीं 11 वें इंटरनेशनल शॉटगन शूटिंग कप में फिनलैंड में भारत का नेतृत्व किया।

अब वर्ल्ड कप पर नजर

जयपुर में हुए ट्रायल में बेहतर प्रदर्शन कर प्रीति ने वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम में जगह बना ली है। प्रीति ने इसका सारा श्रेय अपने कोच इंद्रजीत सर को दिया है। वो प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पंजाब से (बीपीईडी) बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन की पढ़ाई भी कर रही हैं। फिलहाल सेकंड ईयर में हैं। उनकी नजर अब वर्ल्ड कप में भारत के लिए मेडल जीतने पर है।

शॉटगन के बारे में ये भी जानिए

शॉटगन शूटिंग में तीन इवेंट होते हैं। स्किट, ट्रैप और डबल ट्रैप. ये सभी इवेंट आउटडोर होते हैं। खिलाड़ी उड़ती हुई क्ले बर्ड (टारगेट) पर निशाना लगाते हैं। शूटिंग 12 बोर की बंदूक से की जाती है। पिस्टल की शूटिंग भी अलग होती है।

विशेष अभियान चलाकर योग्य मछुआरों को दी जाएगी सदस्यता : तलसानी

मंत्री ने जिला मत्स्य अधिकारियों के साथ वीडियो कॉफ्रेंसिंग की

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पशुसंवर्धन, मत्स्य, डेयरी विकास एवं छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि एक लाख 30 हजार मछुआरों को नई सदस्यता दिलाने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया गया। मंगलवार को उन्होंने मसाब टैंक स्थित अपने कार्यालय से सभी जिला मत्स्य अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस की। इस वीडियो कांफ्रेंस में विशेष मुख्य सचिव अधर सिन्हा, मत्स्य आयुक्त लच्छीराम भुक्या सहित मत्स्य विभाग के अन्य अधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर मंत्री ने मत्स्य समाजों में सदस्यता अभियान-2 से संबंधित एक पोस्टर का अनावरण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने बताया कि इस विशेष अभियान का उद्देश्य उन गाँवों की पहचान करना है जहाँ अभी तक कोई मत्स्य पालन समाज नहीं है और उन गाँवों में योग्य लोगों के साथ नए समाज स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि तीन माह तक विशेष अभियान चलाकर पात्र मछुआरों को नियमानुसार सदस्यता प्रदान की जायेगी। यह अभियान मुख्यमंत्री श्री कलवकुंतला चंद्रशेखर राव के आदेश पर चलाया गया है।

तेलंगाना के गठन के समय तक, राज्य में 2.20 लाख सदस्यों के साथ 3,200 मत्स्य सहकारी समितियां थीं। वर्तमान में 3.57 लाख लोगों के साथ 5,200 मत्स्य सहकारी समितियाँ हैं। वर्ष 2016-17 में मछली उत्पादन 1.99 लाख टन था, जिसकी कीमत लगभग 2252 करोड़ रुपये थी। वर्ष 2021-22 में 5,859 करोड़ रुपये मूल्य की 3.89 लाख टन मछली का उत्पादन किया गया। राज्य के जीएसडीपी में मत्स्य पालन का हिस्सा 0.3 प्रतिशत से बढ़कर 0.5 प्रतिशत हो गया है। कालेश्वरम और विभिन्न सिंचाई परियोजनाएं सभी तालाबों और तालाबों को पर्याप्त पानी की आपूर्ति प्रदान करती हैं। तालाबों की संख्या और पानी के क्षेत्र में काफी वृद्धि हुई है। फिर साल भर पानी की उपलब्धता ने मछली उत्पादन में वृद्धि और सदस्यता में वृद्धि की अनुमति दी। मछुआरों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए पंचायत राज विभाग के अंतर्गत आने वाले तालाबों को मत्स्य विभाग को हस्तान्तरित कर सहकारी समितियों को नाममात्र मूल्य पर बिना किसी कठिनाई के पट्टे पर दिया जायेगा। सभी जलाशयों की जियो टैगिंग की जा चुकी है। मछुआरों का कल्याण, फ्री फिश फ्राई, झींगा फ्राई की आपूर्ति, एकीकृत मत्स्य विकास योजना मुख्यमंत्री श्री कलवकुंतला चंद्रशेखर राव के दिमाग की उपज है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना देश का एकमात्र राज्य है जो मुख्यमंत्री के उपरोक्त विकास दृष्टि के साथ मुफ्त मछली और झींगा फ्राई वितरित कर रहा है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य बनने के बाद राज्य में तालाब, तालाब और जलाशय पानी से लबालब भरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किए गए उपायों के कारण राज्य की मत्स्य संपदा में काफी वृद्धि हुई है। जिसके कारण पहले मत्स्य पालन से आजीविका खराब होने के कारण मछुआरे गांवों से दूसरे क्षेत्रों में रोजगार के लिए पलायन कर जाते थे। मंत्री ने बताया कि अब जबकि मत्स्य पालन बढ़ गया है और गांवों में आय के स्रोत बन गए हैं, लोग अपने गांवों में लौट रहे हैं और मत्स्य समितियों के सदस्य बनने में रुचि दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में चलाए गए विशेष अभियान में 7,963 सदस्यों वाली 406 मत्स्य समितियों का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि अन्य 241 सोसायटियों के गठन की प्रक्रिया जारी रहेगी और इस माह के अंत तक पूरी कर ली जाएगी।

एससीसीएल ने 68.2 लाख टन कोयले का सर्वाधिक मासिक उत्पादन किया

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने दिसंबर 2022 में अपने इतिहास में सबसे अधिक 67.2 लाख टन कोयले का मासिक उत्पादन हासिल किया है, जो कि दिसंबर 2021 में हासिल किए गए उत्पादन से 19 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने एक और सर्वकालिक रिकॉर्ड भी स्थापित किया है। माह के दौरान प्रतिदिन औसतन 2.18 लाख टन कोयले का परिवहन कर रिकॉर्ड बनाया। मंगलवार को यहां समीक्षा बैठक करने वाले एससीसीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एन श्रीधर ने कहा कि दिसंबर 2021 में जहां 37.37 मिलियन क्यूबिक मीटर ओवरबर्डन को हटाया गया था, वहीं दिसंबर में 47 मिलियन क्यूबिक मीटर ओबी को 24.47 प्रतिशत की वृद्धि के साथ हटाया गया था। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष के शेष 80 दिन अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं और इसलिए अधिकारियों को यह देखना चाहिए कि कोयले का उत्पादन और परिवहन प्रतिदिन 2.30 लाख टन से कम नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर कोयले का उत्पादन इसी स्तर पर बना रहा तो कंपनी 34,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार और सबसे ज्यादा मुनाफा दर्ज करने में सक्षम होगी।

मेट्रो रेल कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रो रेल लिमिटेड (एचएमआरएल) के कर्मचारियों ने मंगलवार को अपनी ड्यूटी के दौरान वेतन वृद्धि की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

उनके विरोध के कारण ऑफ़लाइन टिकटिंग सेवाओं में व्यवधान उत्पन्न हुआ। साथ ही एलबी नगर-मियापुर कॉरिडोर पर 27 मेट्रो स्टेशनों के टिकट जारी करने वाले कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि हैदराबाद मेट्रो रेल प्रबंधन पिछले कुछ वर्षों से उनके वेतन में वृद्धि नहीं कर रहा है और कर्मचारियों को समय पर ड्यूटी से मुक्त नहीं किया जा रहा है।

एक महिला ने कहा कि प्रबंधन द्वारा कार्यस्थलों पर विभिन्न प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद, हम समर्पित रूप से काम कर रहे हैं और लोगों की सेवा के लिए कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। कर्मचारी ने आरोप लगाया कि हमने कुछ मौकों पर वेतन वृद्धि की मांग को प्रबंधन के संज्ञान में लाया, लेकिन व्यर्थ गया।

इस बीच, मेट्रो अधिकारियों ने कहा कि एक ठेका एजेंसी के तहत कुछ टिकटिंग कर्मचारी ट्रेन संचालन को बाधित करने के उद्देश्य से काम से दूर हैं, जिससे यात्रियों को असुविधा होती है। वे निहित स्वार्थ से अफवाह और गलत सूचना भी फैला रहे हैं। उनके दावे झूठे हैं और उनके कार्य सार्वजनिक हित के खिलाफ हैं, जो एचएमआर प्रबंधन द्वारा कड़ी कार्रवाई की मांग करेंगे।

प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि कर्मचारियों को उचित सुविधाएं और लाभ दिए जाएं, हालांकि, अधिक जानने के लिए उनके साथ चर्चा की जाएगी। बाद में ठेका एजेंसी के प्रतिनिधियों ने आंदोलनरत कर्मचारियों से बातचीत की और आश्वासन दिया कि चर्चा कर मांगों का समाधान किया जाएगा। ठेका एजेंसी के आश्वासन पर आक्रोशित कर्मचारियों ने अपना विरोध वापस ले लिया और ड्यूटी पर लौट गए।

अधिकारियों ने आगे स्पष्ट किया कि ट्रेन का संचालन समय पर चल रहा है और पर्याप्त जनशक्ति उपलब्ध है।

नुमाइश के दौरान मेट्रो रेल का समय रात 12:00 बजे तक बढ़ाया गया

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय औद्योगिक प्रदर्शनी, जिसे नुमाइश के नाम से जाना जाता है, के शुरू होने के मद्देनजर, हैदराबाद मेट्रो रेलने कॉरिडोर 1 और कॉरिडोर 3 पर अपनी सेवाओं को एक घंटे तक बढ़ाने का फैसला किया है।

रेड लाइन (एलबी नगर से मियापुर) और ब्लू लाइन (नागोले से रायदुर्ग) पर ट्रेनें रात 12:00 बजे तक चलेंगी, जिससे लगभग 1:00 बजे तक सभी टर्मिनेटिंग स्टेशन पहुंच जाएंगे। इसी तरह, नुमाइश भीड़ को पूरा करने के लिए गांधी भवन मेट्रो स्टेशन पर टिकट काउंटर चार से बढ़ाकर छह कर दिया गया। इस बीच, प्रदर्शनी के मद्देनजर, पुलिस ने जनता से वैकल्पिक मार्ग लेने और सार्वजनिक परिवहन प्रणाली जैसे आरटीसी बसों और मेट्रो का लाभ उठाने का अनुरोध किया ताकि यातायात की भीड़ और पार्किंग की समस्या से बचा जा सके और ड्यूटी पर मौजूद पुलिस कर्मियों के साथ सहयोग किया जा सके।

मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद नारकोटिक एन्फोर्समेंट विंग (एच-न्यू) ने चिक्कड़पल्ली पुलिस के साथ मिलकर सोमवार रात एक ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया और चार लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार के लोगों के पास से हशीश तेल की 60 बोतलें, 400 लीटर पेट्रोलियम ईथर, एक कार और तीन मोबाइल फोन जब्त किए गए। बरामद संपत्ति की कुल कीमत 14 लाख रुपय बतायी जा रही है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान कुतबुल्लापुर के ड्रग आपूर्ति एन प्रवीण कुमार (32), पठानचेरुवु और कुकटपल्ली निवासी पी.मोहन यादव (26), पी.कल्याण (24) बी.सुरेश (26) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक यह एक बड़ा ड्रग नेटवर्क था जिसमें भांग के तेल के उत्पादक, आपूर्तिकर्ता आदि शामिल थे। प्रमुख संदिग्ध प्रवीण कुमार ने हैदराबाद, विशाखापत्तनम और बेंगलुरु में पेडलर्स को साइकोट्रोपिक ड्रग की आपूर्ति करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। पुलिस के मुताबिक, प्रवीण कुमार के कई जगहों पर गांजे की खेती करने वालों से अच्छे संपर्क हैं और वह सीधे उन्हीं से नशीला पदार्थ खरीदता था।

उन्होंने कुकटपल्ली में रासायनिक व्यापारियों से पेट्रोलियम ईथर भी खरीदा और उन्हें हैश ऑयल तैयार करने के लिए एजेंसी क्षेत्रों में मारिजुआना की खेती करने वालों को भेजा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अपने सहयोगियों की मदद से, उसने विभिन्न शहरों में ड्रग पेडलर्स, ग्राहकों और डीलरों को उच्च दर पर या तो लीटर में या छोटे 5 ग्राम कंटेनर के रूप में हैश ऑयल की आपूर्ति की। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने चिक्कड़पल्ली में ग्राहकों को भांग का तेल बेचते हुए गिरोह को पकड़ा। मामले में फरार लोगों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

दमरे ने दिसंबर में अब तक की सबसे अच्छी मासिक माल ढुलाई दर्ज की

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने दिसंबर 2022 में अपने अब तक के सबसे अच्छे महीने की लोडिंग दर्ज की है। इस ज़ोन ने महीने के दौरान 12.160 मिलियन टन माल का लदान किया है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है। संयोगवश, द.म.रे. ने दिसंबर के दौरान भारतीय रेलवे के सभी क्षेत्रों में अब तक का सबसे अच्छा इंक्रीमेंटल लोडिंग हासिल किया है।

रेलवे की ओर माल व्यवसाय को आकर्षित करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों के अथक प्रयासों के साथ-साथ मालगाड़ियों की आवाजाही की निरंतर निगरानी ने इस क्षेत्र को चालू वित्त वर्ष में उच्च माल लदान हासिल करने में मदद की है।

अप्रैल-दिसंबर 2022 के दौरान, दमरे ने 96.384 मीट्रिक टन माल की ढुलाई की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 13 प्रतिशत अधिक है। पिछले साल की समान अवधि की तुलना में दिसंबर में सभी वस्तुओं के लदान के उच्च स्तर के साथ, माल ढुलाई में वृद्धि का पलटाव माल ढुलाई खंड में देखा गया है। माल ग्राहकों की मांग की लगातार निगरानी की गई ताकि वैगनों की समय पर आपूर्ति की जा सके। दिसंबर में प्रतिदिन आपूर्ति किए गए वैगनों की औसत संख्या 6041 वैगन थी, जो दिसंबर 2021 (4982 वैगन) की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है।

पिछले महीने के दौरान माल ढुलाई का कमोडिटी-वार विवरण के अनुसार सीमेंट-6.198 एमटी (21 दिसंबर में 4.815 एमटी की तुलना में), लौह अयस्क - 0.133 एमटी (21 दिसंबर में 0.0 एमटी की तुलना में), सीमेंट-3.065 एमटी (दिसंबर 21 में बनाम 2.752 मीट्रिक टन), उर्वरक-0.745 मीट्रिक टन (बनाम 21 दिसंबर में 0.604 मीट्रिक टन) रहा। इसी तरह, खाद्यान्न, पीओएल, कंटेनर आदि जैसी अन्य वस्तुओं का माल लदान संयुक्त रूप से 2.019 मीट्रिक टन था। यह सब दिसंबर 2021 के दौरान 10.099 मीट्रिक टन की तुलना में दिसंबर में जोन की कुल माल लदान में 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

दमरे महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने इस प्रदर्शन के लिए संबंधित अधिकारियों और जोनल और मंडल दोनों स्तरों पर परिचालन और वाणिज्यिक विंग के कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने टीम को इस नए साल में भी प्रयास जारी रखने की सलाह दी ताकि रेलवे को नया ट्रैफिक मिल सके, साथ ही माल यातायात की मौजूदा टोकरी को भी मजबूत किया जा सके।

सड़क दुर्घटना में भाई-बहन की मौत

कोठागुडेम, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के लक्ष्मीदेवीपल्ली मंडल के रेगल्ला चौराहे पर सोमवार की आधी रात को हुई सड़क दुर्घटना में एक युवक और उसकी बहन की मौत हो गयी, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया।

मृतक नकिरीकांति नीरज (27) और एन. निहारिका (23) एक अन्य महिला के साथ एक मोटरसाइकिल पर पलोंचा से कोत्तागुडेम जा रहे थे, तभी यह घटना घटी। हादसा कैसे हुआ यह अभी साफ नहीं हो सका है। घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

निहारिका को हाल ही में टीसीएस में नियुक्ति मिली थी और उसे बुधवार को ड्यूटी ज्वाइन करनी थी, जबकि नीरज एक कार शोरूम में सेल्स एडवाइजर के तौर पर काम करता था। भाई-बहनों ने कई साल पहले अपने माता-पिता को खो दिया था और वे कोठागुडेम के बाबू कैंप क्षेत्र से ताल्लुक रखते हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

वाईएसआरसीपी सांसद के खिलाफ कोई सबूत नहीं : सीबीआई

नई दिल्ली, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीबीआई को आंध्र प्रदेश के वरिष्ठ राजनेता बालाशौरी वल्लभनेनी के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए कोई सबूत नहीं मिला है। एफआईआर दर्ज करने के समय वल्लभनेनी एक पूर्व सांसद थे। वर्तमान में, वह वाईएसआर कांग्रेस के लोकसभा सदस्य हैं। सीबीआई ने 2016 में पालम वायु सेना स्टेशन पर तैनात भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के पूर्व स्क्वाड्रन लीडर पोलू श्रीधर के खिलाफ मामला दर्ज किया था। सीबीआई ने उसको वल्लभनेनी की संपत्ति को कवर करने को लेकर अभियुक्त के रूप में भी नामित किया गया था। एजेंसी ने आरोप लगाया था कि 1 जनवरी, 2007 से 31 दिसंबर, 2010 के बीच, एयरफोर्स स्टेशन, पालम में कार्यालय प्रभारी के रूप में काम करते हुए श्रीधर ने अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से 423 प्रतिशत अधिक संपत्ति अर्जित की। अधिकारियों ने कहा किश्रीधर के तीन बैंक खातों में कुल 11.96 करोड़ रुपये जमा किए गए थे, जबकि उनकी कुल आय लगभग 23 लाख रुपये थी।

सीबीआई ने कहा कि जांच के दौरान श्रीधर ने सीबीआई के सामने स्वीकार किया कि उनके बैंक खाते का इस्तेमाल कर पूर्व सांसद ने लेन-देन किया था। सीआरपीसी की धारा 91 के तहत जारी नोटिस के जवाब में, पूर्व सांसद ने भी माना कि पैसा उनका है, हाल ही में दायर चार्जशीट में आरोप लगाया गया है। सीबीआई के अनुसार, श्रीधर ने वल्लभनेनी के पैसे लौटा दिए, लेकिन आरोपी आईएएफ अधिकारी की आय और संपत्ति से 40 लाख रुपये अधिक पाए गए। सीबीआई ने कहा कि पूर्व सांसद और शाखा प्रबंधक पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता है क्योंकि रिकॉर्ड में किसी भी साजिश के अपर्याप्त सबूत थे जो दर्शाता है कि उन्होंने श्रीधर द्वारा किए गए अपराध को अंजाम देने के लिए उकसाया था क्योंकि जमीन वल्लभनेनी के नाम पर खरीदी गई थी। सक्सेना ने केवल अभियुक्तों के बैंक खाते खोले थे।

अमेरिका में सड़क दुर्घटना में सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत

मंचेरियल, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार रात एक सड़क दुर्घटना में मनचेरियल शहर के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत हो गई। पीड़ित के परिवार के सदस्यों के अनुसार, टीएसआरटीसी के सेवानिवृत्त कर्मचारी सुब्रमण्यम के पुत्र पेंड्याला वामशिकृष्णा (36) और रेड्डी कॉलोनी की ज्योति 11 साल पहले नौकरी की तलाश में अमेरिका चले गए थे। वह एरिजोना राज्य के फीनिक्स शहर में बस गया था। पता चला है कि वामशीकृष्ण को गंभीर चोटें आईं और कार में यात्रा करते समय उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा कैसे हुआ अभी इसका पता नहीं चल पाया है। अमेरिका में बसे उनके साले मनोज ने परिवार को हादसे की जानकारी दी।

भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाकर युवाओं की आकांक्षाओं पर खरा उतरना चाहिए : राज्यपाल

विजयवाड़ा, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल बिस्वभूषण हरिचंदन ने आंध्र प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष गौतम सवांग और सदस्यों से कहा है कि पदों पर भर्ती तेजी से की जानी चाहिए। आयोग अनुसूची के अनुसार समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पदों को भरने का काम करें।

मंगलवार को यहां राजभवन में गौतम सवांग ने 2021-2022 के लिए एपीपीएससी की वार्षिक रिपोर्ट की एक प्रति राज्यपाल को सौंपी।

इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि राज्य में बेरोजगार युवा सेवा आयोग द्वारा रिक्तियों की अधिसूचना जारी करने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और आयोग को भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाकर उनकी आकांक्षाओं पर खरा उतरना चाहिए। गौतम सवांग ने विभिन्न श्रेणियों के पदों को भरने के लिए वर्ष 2021-2022 में जारी विभिन्न अधिसूचनाओं की स्थिति के बारे में राज्यपाल को जानकारी दी और कहा कि आयोग शीघ्र ही कुछ नौकरी अधिसूचना जारी करने की योजना बना रहा है। राज्यपाल के विशेष मुख्य सचिव आर.पी. सिसोदिया, एपीपीएससी के सदस्य के. विजयकुमार, प्रो. पद्मा राजू, डॉ. जी.वी. सुधाकर रेड्डी, ए.वी. रमना रेड्डी, पी. सुधीर, एन. सोनी वुड, एन. सुधाकर रेड्डी, पी.एस. इस अवसर पर संयुक्त सचिव सूर्यप्रकाश भी उपस्थित थे।

राज्य में सभी सड़कों को सैटेलाइट रिमोट सेंसिंग सिस्टम से मैप किया जाएगा : विनोद कुमार

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बी विनोद कुमार ने कहा कि बेहतर योजना और रखरखाव में मदद के लिए राज्य की सभी सड़कों को सैटेलाइट रिमोट सेंसिंग सिस्टम की मदद से मैप किया जाएगा। तेलंगाना रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर (टीआरएसी) के अतिरिक्त महानिदेशक जी श्रीनिवास रेड्डी और केंद्र के अन्य वैज्ञानिकों के साथ सोमवार को यहां बैठक करने वाले विनोद कुमार ने कहा कि पंचायत राज, सड़कों और भवनों, राज्य राजमार्गों की लंबाई और चौड़ाई रिमोट सेंसिंग की मदद से राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग सड़कों की मैपिंग की जाएगी। उन्होंने बताया कि सड़कों पर पुलियाओं और पुलों की जरूरत भी सैटेलाइट रिमोट सेंसिंग सिस्टम के जरिए मैप की जाएगी।

आंध्र सरकार का बड़ा फैसला, सड़कों पर रैली और जनसभा के आयोजन पर लगाई रोक

अमरावती, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश सरकार ने सार्वजनिक सुरक्षा का हवाला देते हुए राष्ट्रीय राजमार्गों सहित सड़कों पर जनसभाओं और रैलियों के आयोजन पर रोक लगा दी है। यह आदेश मुख्य विपक्षी तेलुगू देशम पार्टी द्वारा पिछले सप्ताह कंदुकुरु में आयोजित एक रैली में हुई भगदड़ के बाद आया है, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस अधिनियम, 1861 के प्रावधानों के तहत सोमवार देर रात निषेधाज्ञा जारी की गई। सरकार ने अपने आदेश में उल्लेख किया कि सार्वजनिक सड़कों और सड़कों पर एक सार्वजनिक सभा आयोजित करने का अधिकार पुलिस अधिनियम, 1861 की धारा 30 के अनुसार ही नियमन का विषय है। शासनादेश में प्रधान सचिव (गृह) हरीश कुमार गुप्ता ने संबंधित जिला प्रशासन और पुलिस तंत्र को जनसभाओं के संचालन के लिए सार्वजनिक सड़कों से दूर निर्दिष्ट स्थानों की पहचान करने के लिए कहा, जो यातायात, सार्वजनिक आवाजाही, आपातकालीन सेवाओं के प्रवाह को बाधित नहीं करते हैं।

प्रमुख सचिव ने कहा कि प्राधिकारियों को सार्वजनिक सड़कों की सभाओं की अनुमति देने से बचना चाहिए। केवल दुर्लभ और असाधारण परिस्थितियों में सार्वजनिक सभाओं की अनुमति पर विचार किया जा सकता है, लिखित कारणों के साथ। प्रधान सचिव ने 28 दिसंबर को हुई कंदुकुरु घटना पर प्रकाश डाला और कहा कि सार्वजनिक सड़कों और सड़क के किनारों पर बैठकें आयोजित करने से मौतें हो रही हैं और यातायात बाधित हो रहा है। उन्होंने कहा कि स्थिति को नियंत्रित करने में पुलिस को काफी समय लगता है। वहीं विपक्षी दलों ने सरकार के फैसले की निंदा की है और जीओ को "अत्याचारी" कहा है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.